गया : जंगल से तीन आईईडी बरामद पेज 10

देश की मृत्युदर दुनिया से कम : हर्षवर्धन पेज 11

हिन्दुस्तान

www.livehindustan.com

तरक्की को चाहिए नया नजरिया

भयंकर है कोरोना

बीसीसीआई के अध्यक्ष सौरव गांगुली ने कहा कि कोरोना खतरनाक पिच पर टेस्ट मैच खेलने जैसा भयंकर है। बल्लेबाज को विकेट बचाकर रन बनाने होंगे और यह टेस्ट मैच जीतना होगा।

सोमवार, 04 मई 2020, मुजफ्फरपुर, वैशाख शुक्ल पक्ष द्वादशी, विक्रम सम्वत 2077, पांच प्रदेश, 21 संस्करण

बिहार का नं. 1 अखबार

वर्ष 10, अंक 121, 12 पेज, मूल्य ₹4.00, नगर संस्करण

फैसला : बिहार में सिर्फ रेड और ऑरेंज जोन ही रहेंगे, राजधानीवासियों को पूर्व में दी गई रियायतों से ही काम चलाना पड़ेगा

राहत: मुजफ्फरपुर में आज से थोड़ी छूट

मुजफ्फरपुर/पटना | हिटी

सोमवार से शुरू हो रहे लॉकडाउन-थ्री में मुजफ्फरपुर को थोड़ी छूट मिलेगी। इमरजेंसी और निर्माण कार्यों के अलावा इस बार स्पा और सैलून खोलने की छूट रहेगी। हालांकि, पूरे मुजफ्फरपुर में ऑरेंज जोन वाली शर्तें ही लागू रहेंगी। पटनावासियों को कोई अतिरिक्त छूट नहीं मिलेगी। इस बीच, बिहार के नए इलाकों में कोरोना के फैलने के बाद राज्य सरकार ने लॉकडाउन को और सख्ती से लागू करने का निर्णय लिया है। इसके तहत राज्य के जिले सिर्फ दो जोन रेड और ऑरेंज में बांटे गए हैं। ग्रीन जोन की व्यवस्था फिलहाल लागू नहीं होगी।

गृह विभाग के अपर मुख्य सचिव आमिर सुबहानी ने इसका आदेश जारी कर दिया। लॉकडाउन को सख्ती से लागू रखने के पीछे की वजह कोरोना के बढ़ते मामलों के साथ बड़ी संख्या में प्रवासी मजदूरों व छात्रों को भी माना जा रहा है।

रेड जोन में आवश्यक वस्तुओं से अलग दूसरी दुकानों को खोलने या अन्य छूट देने का निर्णय डीएम स्थानीय परिस्थितियों के मद्देनजर ले सकते हैं। इस पर पटना के डीएम कुमार रवि ने कहा है कि जिले में पूर्व में दी गई छूट के अलावा कोई और रियायत फिलहाल नहीं दी जाएगी। वैसे ऑरेंज जोन में ऑटो व टैक्सी चलेंगी। देखें पेज 03

33 जिलों को बिहार में रखा गया है ऑरेंज जोन में फिलहाल

38 एक्टिव मामले हैं अभी कोरोना के पटना में

मुजफ्फरपुर में रविवार को ठेले पर फल बेचती महिला।

कपड़ा-स्टेशनरी की दुकानें नहीं खुलेंगी

पटना में सिर्फ जरूरी सामान वाली दुकानें ही खुलेंगी। कपड़ा, मोबाइल और स्टेशनरी की दुकानें नहीं खुलेंगी। जिले के अंदर बिना पास प्रवेश की अनुमति नहीं होगी। रविवार की देर शाम डीएम ने बताया कि कोरोना संक्रमण की दृष्टि से पटना जिले को रेड जोन में रखा गया है। यहां अभी 38 एक्टिव केस हैं, जबकि 14 कंटेनमेंट जोन बने हैं, इसीलिए पटना में केवल जरूरी सामग्री की दुकानें ही खुलेंगी। चारपहिया वाहन में एक ड्राइवर के अलावा दो लोग सफर कर सकते हैं। दोपहिया पर एक व्यक्ति ही चलेगा।

लॉकडाउन-3: राहत के साथ सख्ती भी

रेड जोन

- सभी उद्योग, कंस्ट्रक्शन कार्यों की अनुमति रहेगी। मनरेगा, फूड प्रोसेसिंग यूनिट, ईंट भट्ठे चालू रहेंगे
- रेड जोन में 33 फीसदी लोगों के साथ निजी दफ्तर खोल सकते हैं
- शहरी क्षेत्र वाले रेड जोन की कॉलोनी में अलग-थलग वाली दुकानों को खोलने की अनुमति

ऑरेंज जोन

- रेडियो टैक्सी और ओला-उबर आदि चलाई जा सकेंगी
- ड्राइवर के साथ एक कार में सिर्फ दो यात्री आ-जा सकेंगे
- गैर जरूरी सामान भी ऑनलाइन ई-कॉमर्स से मंगा सकेंगे
- कुछ दुकानें शर्तों के साथ खुलेंगी

ग्रीन जोन

- सभी तरह के वाहनों की आवाजाही की इजाजत
- सामान की पूरी तरह आवाजाही होगी, मंजूरी की आवश्यकता नहीं
- इस जोन में भी गैर जरूरी सामान ऑनलाइन से मंगा सकेंगे
- यहां सभी तरह की दुकानों को खोलने की अनुमति होगी

(केंद्रीय गृह मंत्रालय के निर्देशों के मुताबिक)

रेड जोन में पटना समेत पांच जिले केंद्र ने राज्य के पांच जिलों को रेड जोन में रखा है। इसमें पटना, मुंगेर, बक्सर, रोहतास व गया शामिल हैं। राज्य सरकार के निर्णय के बाद बाकी के 33 जिले ऑरेंज जोन में आ गए हैं।

पुष्पवर्षा

देश में कोरोना योद्धाओं को सेना का सलाम

पटना एम्स के ऊपर फूल बरसाता वायुसेना का हेलीकॉप्टर ● हिन्दुस्तान

अस्पतालों पर बरसे फूल

पटना। कोरोना मरीजों उपचार कर रहे स्वास्थ्य कर्मियों को धन्यवाद कहने के लिए देश भर के अस्पतालों पर पुष्पवर्षा की गई। पटना के एम्स और एनएमसीएच पर भी फूल बरसाए गए। संबंधित खबरें पेज 11

15 सौ नौसैनिकों ने मानव शृंखला बनाई

12 एयरक्राफ्ट वायु सेना के फ्लाईपास्ट में

कोरोना अपडेट

स्रोत : स्वास्थ्य मंत्रालय (03 मई)

	कुल मामले	मौत	स्वस्थ हुए
भारत	40,263	1306	10,887
		2487 लोग पिछले 24 घंटे में संक्रमित	
विश्व	35,39,654	2,47,033	11,47,589
अमेरिका	11,74,202	68,088	1,76,988
चीन	82,877	4,633	77,713

रात 11:15 बजे तक

कोरोना: उत्तर बिहार के दस समेत सूबे में 36 नए मरीज

मुजफ्फरपुर/पटना | हिटी

बिहार में रविवार को कोरोना के 36 नए मरीजों की पहचान की गई। इनमें भागलपुर के 6 कोरोना पीड़ित सहित 12 जिलों के मरीज शामिल हैं। उत्तर बिहार के तीन जिलों में कोरोना पॉजिटिव 10 नए मरीज मिले। इनमें पश्चिम चंपारण में पांच, पूर्वी चंपारण में चार और शिवहर में एक मरीज शामिल है। इसके साथ ही उत्तर बिहार में कोरोना संक्रमितों की संख्या बढ़कर 49 हो गई है। इसमें पूर्वी चम्पारण और सीतामढ़ी के एक-एक कोरोना संक्रमित की मौत हो चुकी है।

स्वास्थ्य विभाग के प्रधान सचिव संजय कुमार के अनुसार औरंगाबाद के 5, अरवल, कटिहार, कैमूर, शिवहर, सारण और सीवान के एक-एक, मुंगेर के 7, बक्सर के 3, पूर्वी चंपारण के 4, पश्चिमी चंपारण के 5 और भागलपुर के 6 लोगों के सैंपल की रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। राज्य में अब कोरोना पीड़ितों की संख्या बढ़कर 517 हो गई है। 119 मरीज ठीक होकर घर लौट चुके हैं, जबकि अब तक 4 कोरोना पीड़ितों की मौत हुई है। विभाग से मिली जानकारी के अनुसार भागलपुर में 4 पुरुष और 2 महिलाओं की रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। वहीं, पूर्वी चंपारण के मरीजों में 2 पुरुष और दो महिला हैं। पश्चिमी चंपारण में सभी 5 मरीज शनिचरी के निवासी हैं। संबंधित खबर पेज 10

517 हो गई है बिहार में कोरोना मरीजों की संख्या

अब तक 26951 सैंपलों की जांच

स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी सूचना के अनुसार बिहार में अब तक कुल 26 हजार 951 स्वाब के सैंपलों की जांच की जा चुकी है। राज्य में अबतक कोरोना से प्रभावित 30 जिले हैं। 8 जिलों में अबतक एक भी मरीज नहीं मिला है। सूबे में वर्तमान में कोरोना के कुल 362 एक्टिव मरीज हैं।

विशेष ट्रेनें पहले से रह रहे लोगों के लिए नहीं : केंद्र

पटना। मुख्य सचिव दीपक कुमार ने कहा है कि कोरोना संक्रमण को लेकर केंद्र सरकार के जो भी दिशा निर्देश हैं, उनका पालन राज्य सरकार करेगी। केंद्रीय गृह सचिव ने मुख्य सचिव को पत्र लिखा है कि लॉकडाउन में फंसे मजदूरों, छात्रों, पर्यटकों के लिए ही विशेष ट्रेनें चलाई जा रही हैं। ऐसे लोगों की मदद करें। केंद्र ने यह भी कहा है कि यह सुविधा उनके लिए नहीं है, दूसरे राज्य में पहले से रह रहे हैं। देखें पेज 03

एक को एईएस, आठ नए बच्चे भर्ती

पटना | हिन्दुस्तान ब्यूरो

एसकेएमसीएच में भर्ती चमकी-बुखार से पीड़ित मोतीपुर के गोपीनाथपुर गांव के डेढ़ वर्षीय मो. रशीद में एईएस की पुष्टि हुई है। अबतक एसकेएमसीएच में इस साल 16 बच्चों में ज्ञात व अज्ञात एईएस की पुष्टि हो चुकी है। मुजफ्फरपुर का वह सातवां एईएस मरीज है। इस साल जिले में ज्ञात-अज्ञात एईएस के आठ बच्चे भर्ती हुए। इनमें सात में एईएस की पुष्टि हुई है और तीन की मौत हो चुकी है।

एसकेएमसीएच

- मोतीपुर के गोपीनाथपुर के मो. रशीद में एईएस की पुष्टि
- जिले के छह व चंपारण के दो बच्चे चमकी-बुखार से पीड़ित

इधर, रविवार देर शाम तक चमकी-बुखार से पीड़ित आठ बच्चे भर्ती हुए। सबको पीआईसीयू में रखा गया है। इनमें बंदरा के पीपरी पीयर का अभिषेक कुमार (7), मीनापुर के खोरमपुर की अंशिका कुमारी (1), धर्मपुर गांव का दीपू कुमार (6), कटरा के सलेमपुर का विजय कुमार (12), मड़वन के करजा गोरीगामा की दिया कुमारी (4), गायघाट की कृष्णा कुमारी (7), पूर्वी चंपारण हरिसिद्धि की मीना कुमारी (3) और पकड़ीदयाल की चार वर्षीया गुड़िया कुमारी शामिल है। डॉक्टरों का कहना है कि इन बच्चों में अभी कोई एईएस का संदिग्ध मरीज नहीं है। वहीं, अधीक्षक डॉ. एसके शाही ने बताया कि एक बच्चे में अज्ञात एईएस की पुष्टि हुई है। इसको एईएस की श्रेणी में रखा गया है। देखें पेज 06

दूसरे राज्यों से समन्वय बेहतर बनाएं : सीएम

पटना | हिन्दुस्तान ब्यूरो

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पदाधिकारियों को निर्देश दिया है कि सभी राज्यों के साथ आवश्यक समन्वय बनाएं, ताकि बिहार आने के इच्छुक लोगों को कोई समस्या न हो। बाहर से आ रहे लोगों को जिला मुख्यालय एवं संबंधित प्रखंड क्वारंटाइन सेंटर पर भेजने के लिए उपलब्ध कराए जा रहे वाहनों को सेनिटाइज कराएं। वाहनों में सोशल डिस्टेंसिंग का पालन सुनिश्चत हो।

मुख्यमंत्री ने रविवार को मुख्य सचिव एवं अन्य वरीय अधिकारियों के साथ उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की, जिसमें उन्होंने कई निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने यह भी निर्देश दिया कि सभी प्रखंड और पंचायत स्तरीय क्वारंटाइन सेंटर पर भोजन, आवासन, चिकित्सकीय सुविधा आदि की गुणवतापूर्ण व्यवस्था रखें। सोशल डिस्टेंसिंग के नियमों का पालन हो। वहां पर शौचालयों व स्नानागारों की

भी पर्याप्त व्यवस्था रहे। इनकी सफाई का पूरा ध्यान रखा जाए। कहा कि क्वारंटाइन सेंटर पर सारी व्यवस्थाएं ठीक ढंग से चलें, यह सुनिश्चित करें। ताकि वहां रह रहे लोगों को कोई असुविधा ना हो।

मुख्यमंत्री ने यह भी निर्देश दिया कि बाहर से आ रहे सभी लोगों की स्क्रीनिंग कराएं और जिनमें कोरोना संक्रमण के लक्षण पाए जाएं, उनकी जांच तुरंत कराई जाए। पल्स पोलियों अभियान की तर्ज पर कराए जा रहे सर्वे में जिन लोगों में कोरोना संक्रमण के लक्षण मिल रहे हैं, उनकी भी प्राथमिकता के आधार पर जांच कराएं। देखें पेज 02

कश्मीर में कर्नल समेत पांच शहीद

श्रीनगर/नई दिल्ली। उत्तरी कश्मीर में हंदवाड़ा में शनिवार रात से जारी मुठभेड़ में रविवार को सेना की 21 राष्ट्रीय राइफल्स (आरआर) के कमांडिंग ऑफिसर कर्नल आशुतोष शर्मा समेत पांच जवान शहीद हो गए। इस दौरान सेना ने दो आतंकियों को मार गिराया। इसमें से एक पाकिस्तान का रहने वाला लश्कर-ए-तैयबा का टॉप कमांडर हैदर था।

सेना ने बताया कि कुपवाड़ा जिले में हंदवाड़ा के चंगीमुल्ला इलाके में एक मकान में आतंकियों द्वारा कुछ नागरिकों को बंधक बनाए जाने की सूचना पर सेना तथा जम्मू-कश्मीर पुलिस ने संयुक्त अभियान चलाया था। पुलिस महानिदेशक दिलबाग सिंह ने कहा, कर्नल और उनकी टीम ने बंधक को बहादुरी से मुक्त करा लिया। इस दौरान मुठभेड़ में दो आतंकवादी भी मारे गए। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि हंदवाड़ा में जवानों की शहादत बेहद दुखी करने वाली है। पूरा देश उनके बलिदान और बहादुरी को याद रखेगा। देखें पेज 11

अंदर के पेज पर

बिहार में जल्द 150 नए शहरी निकाय बनेंगे पेज 02

जरूर पढ़ें

गरीबों की उच्च शिक्षा का क्या होगा

मध्य वर्ग और गरीब तबके के करोड़ों परिवारों को लगने लगा है कि जिंदा रहने के लिए ही जब जरूरी खर्चों का इंतजाम करना भारी पड़ रहा है, तो फिर पढ़ाई-लिखाई के लिए अब धन कहां से जुटाएंगे? पेज08

हरिवंश चतुर्वेदी

भारतवर्ष के सभी सम्माननीय जिलाधिकारियों से अतिआवश्यक अनुरोध

भारत माँ
सभी बुराइयों से सुरक्षा के लिए हमारी शक्ति

हम व्यवसाय शुरू करने हेतु पूरे हिन्दुस्तान में अपनी सभी व्यावसायिक शाखाओं को खोलने के लिए बेसब्री से आकांक्षी हैं।

हमारा व्यवसाय ऐसा है जहाँ हर बड़े शहर में 5 से 10 हज़ार फ़ील्ड के कार्यकर्ता और छोटी जगहों पर 500 से 1000-2000 फ़ील्ड के कार्यकर्ताओं को पूरे शहर/क्षेत्र में चलने के लिए विशेष पास की आवश्यकता होगी। व्यवसाय की प्रकृति के कारण सभी कार्यकर्ताओं को घर-घर, दुकान-दुकान जाकर ही 100% व्यवसाय करना होता है। अगर हम ऐसा न कर पायें तो हमारा व्यवसाय शून्य के बराबर होता है।

हमारा यह भी अनुरोध है कि हमारे ऑफ़िस के 100% कार्यकर्ताओं को पास दिया जाये क्योंकि हज़ारों कार्यालय ऐसे हैं जहाँ 2-3 या काफ़ी कम संख्या में ही कार्यकर्ता कार्य करते हैं और जब तक सभी आवश्यक सेक्शन जैसे कि कम्प्यूटर, एप्लीकेशन फ़ार्म, रसीद, वाउचर, भुगतान, कमीशन हिसाब इत्यादि, कार्यरत नहीं होंगे तो ऑफ़िस चल नहीं पायेगा। एक तिहाई या आधे कार्यकर्ताओं की संख्या से कार्य नहीं हो सकता। साथ ही हमें आपसे और भी तमाम अनुमतियों की आवश्यकता है जैसे कि सभी प्रकार के वाहनों की अनुमति इत्यादि-इत्यादि।

हमारे अधिकृत प्रबन्धक पूरे कार्यकर्ताओं की सूची लेकर आपसे सम्पर्क करेंगे, सारे पास इत्यादि के लिये।

कृपया त्वरित तौर पर पास एवं अनुमति वगैरह की व्यवस्था करवा दें जिससे कि हम जल्द अपने कार्यालय खोल सकें।

विश्व के विशालतम् परिवार सहारा इंडिया परिवार का अभिभावक होने के नाते मैं इसके 15 लाख कार्यकर्ताओं की भावनाएं आप तक प्रेषित करते हुए इस विषम परिस्थिति में कोरोना महामारी के विरुद्ध संघर्षरत आप जिला प्रशासन के मुखिया तथा आपकी टीम के प्रत्येक सदस्य, डॉक्टर, नर्स, स्वास्थ्य सेवाकर्मी, पुलिस बल के जवानों, स्थानीय निकायों के अधिकारियों-कर्मचारियों, सफाईकर्मियों आदि योद्धाओं एवं उनके परिजनों के प्रति आभार प्रकट करता हूं और दिल की गहराइयों से इन सभी के प्रति सम्मान प्रकट करता हूं।

सहारा प्रणाम

(सुब्रत रॉय सहारा)

सहारा इंडिया परिवार

CHHABI202005-25/CORP

सुरक्षा की चिंता : आए दिन जूझना पड़ता है दुश्वारियों से, कोरोना संकट ने और बढ़ाई मुश्किलें

पति-बच्चे फंसे परदेस, गांव में जूझ रहीं महिलाएं

मुजफ्फरपुर | अनामिका

औराई की 50 वर्षीया विधवा सुनीता देवी पिछले कई वर्षों से अकेली रह रही हैं। दो बेटे हैं, जो बाहर रहते हैं। मीनापुर की रामशीला देवी भी अकेली रहती हैं। सूतिहारा की मधु के पति नेपाल में काम करते हैं और यहां वह विधवा सास के साथ रहती हैं। जिंदगी जीने के साथ अपनी सुरक्षा को लेकर भी हर रोज जद्दोजहद करती हुई लॉकडाउन में प्रेमचंद के 'सेवा सदन' की सुमन से लेकर गंगाजलि जैसी एक नहीं बल्कि सैकड़ों महिलाओं की स्याह जिंदगी सामने आ रही है।

औराई, मीनापुर, बोचहां और कटरा से लेकर विभिन्न प्रखंडों के गांवों में अकेली छूट गईं इन महिलाओं की स्याह जिंदगी में संघर्ष करते प्रेमचंद के कितने ही पात्र इस लॉकडाउन में सामने आए हैं। पति और बेटे परदेस कमाने गए और ये महिलाएं अकेली रह संघर्ष कर रही हैं। घर-बार और जमीन-जायदाद बचाने के मोह में आधी आबादी पीछे छूट गई है।

आए दिनों दुश्वारियों से जूझ रहीं इन महिलाओं की जिंदगी की मुश्किलें कोरोना संकट ने और बढ़ा दी है। उम्रदराज महिलाओं को अपने स्वास्थ्य तो कम उम्र की महिलाओं को अपनी सुरक्षा की चिंता सता रही है। लॉकडाउन में दिल्ली की एक संस्था के साथ जब जिले की ग्रामीण महिलाओं ने इनकी मदद को लेकर जिम्मेवारी उठाई तो ऐसी महिलाओं का दर्द सामने आया।

मुजफ्फरपुर समेत छह जिले में वूमेन केयर अभियान

जिले में नेतृत्व कर रही पूनम कुमारी कहती हैं कि ऐसी महिलाओं की संख्या बहुत बड़ी है। एक-एक प्रखंड में हमने 150-200 महिलाओं को चिह्नित किया है, जो बिल्कुल अकेली और असहाय हैं। अभी पहले चरण में लगभग 300 महिलाओं को मदद दी गई है। मगर यह संख्या बहुत अधिक है। इन महिलाओं की इस लॉकडाउन में मदद करने के लिए मुजफ्फरपुर, बेतिया, गया, रोहतास, सीतामढ़ी समेत छह जिले में महिलाओं ने मिलकर इसे वूमेन केयर अभियान नाम दिया है। अलग-अलग फेडरेशन के माध्यम से फिलहाल इन्हें मदद पहुंचाई जा रही है। ऐसी सभी महिलाओं की सूची सभी जिले में बनाई जा रही हैं जो अकेली रहती हैं।

बाढ़, सुखाड़ क्षेत्र में भी जमकर हुई धान की सरकारी खरीद

खेती बारी

पटना | हिन्दुस्तान ब्यूरो

किसानों की मेहनत ने ऐसा रंग दिखाया कि बाढ़ और सुखाड़ वाले जिलों में धान का उत्पादन खूब हुआ। एक महीना खरीद का समय बढ़ा तो कई वर्षों के बाद इस साल धान खरीद का आंकड़ा बीस लाख टन को पार कर गया। खास बात यह है कि कैमूर को छोड़ दें तो बाढ़ और सुखाड़ प्रभावित पटना और नालंदा जिले में सबसे अधिक धान की खरीद हुई है।

राज्य में सिर्फ कैमूर जिला इन दानों से आगे है। तीसरे नम्बर पर धान खरीदने वाला जिला गया है, जो पूरी तरह से सुखाड़ प्रभावित था। इन जिलों के कुछ किसान तो स्वीकारते हैं कि लगात भले अधिक हो गई, लेकिन बाद में फसल ठीक हो गई। कुछ किसान इस आंकड़े को पैक्सों की कलाबाजी भी बता रहे हैं।

बाढ़ वाले 15 जिलों में 38 प्रतिशत धान की खरीद : राज्य के पटना, भोजपुर, भागलपुर, नवादा, नालंदा, खगड़िया, समस्तीपुर, बेगूसराय, मुंगेर, बक्सर, कटिहार, जहानाबाद, अरवल और पूर्णिया जिले के अधिसंख्य प्रखंडों में इस बार बाढ़ से फसल को नुकसान हुआ।

आंकड़ों का खेल

- आपदा पीड़ित पटना व नालंदा में प्रति किसान 7 से 8 टन की खरीद
- समय बढ़ा तो वर्षों बाद खरीद का आंकड़ा बीस लाख टन पार

03 टन धान खरीद का लक्ष्य था इस साल बिहार में

यहां के हर परिवार को सरकार ने क्षतिपूर्ति के लिए छह हजार रुपये दिए थे। बावजूद राज्य में धान खरीद में इन जिलों का हिस्सा लगभग 38 प्रतिशत है। पटना जिले में 21 हजार 222 किसानों ने औसतन प्रति किसान सात और नालंदा के 20 हजार 675 किसानों ने प्रति किसान औसतन लगभग आठ टन धान सरकारी क्रय केन्द्र पर बेचा है। पूरी तरह सुखाड़ प्रभावित गया जिले का आंकड़ा ले तो इस जिले के लगभग 14.4 हजार किसानों ने 95 हजार टन धान समर्थन मूल्य पर बेचा है। अश्चर्यजनक यह है कि अरवल जैसे छोटे जिले में भी लगभग 55 हजार टन धान की सरकारी खरीद हुई है। लेकिन शेखपुरा इस मामले में काफी पिछड़ गया। वहां मात्र 17 हजार टन धान की खरीद हुई।

किसानों की मेहनत के साथ पैक्सों की कलाकारी भी

पटना जिला में बिहटा के सुधांशु कुमार का कहना है कि उनका प्रखंड सूखा प्रभावित था। शुरू में किसानों ने डीजल के सहारे धान को बचा लिया। बाद में बाली फूटने के समय जो वर्षा हुई उससे किसानों को काफी लाभ हुआ। कुछ इलाके में नहर का पानी भी समय पर मिल गया। फसल अच्छी हुई है। गया के राम अशीष शर्मा का कहना है कि फसल तो बच गई। लेकिन धान खरीद का यह आंकड़ा पैक्सों का खेल है। ऐसी पंचायतों में भी काफी खरीद हुई जहां फसल हुई ही नहीं। गया के ही विपिन कुमार कहते हैं कि किसानों की मेहनत से फसल ठीक हो गई।

छह वर्षों में हुई धान की सरकारी खरीद

2014-15 में	19.01 लाख टन
2015-16 में	18.23 लाख टन
2016-17 में	18.42 लाख टन
2017-18 में	11.84 लाख टन
2018-19 में	14.16 लाख टन
2019-20 में	20.03 लाख टन

किसानों को 247 करोड़ का फसल सहायता अनुदान

मोदी ने दी जानकारी

पटना। उपमुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी ने कहा कि राज्य के किसानों को राहत देने के लिए प्राकृतिक आपदा से फसल की हुई क्षति की भरपाई के लिए राज्य सरकार ने 578.42 करोड़ रुपये का प्रावधान किया है।

कहा कि कोरोना की वजह से जारी लॉकडाउन के दौरान राज्य फसल सहायता योजना के तहत 3.44 लाख किसानों को खरीफ 2019 के दौरान उपज में हुई कमी के लिए 247.06 करोड़ का भुगतान किया जा रहा है। इसके पहले 2018 में 4.53 लाख किसानों को 368.64 करोड़ का भुगतान किया गया था। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार देश का पहला राज्य है, जहां बीमा की तरह लागू फसल सहायता योजना का लाभ पीएम किसान सम्मान, फसल क्षति अनुदान व डीजल अनुदान के अतिरिक्त रैयत और गैररैयत दोनों श्रेणी के किसानों को दी जा रही है। इसके लिए उन्हें कोई प्रीमियम नहीं देना पड़ता है। कहा कि इस योजना के तहत सात साल की औसत उपज की तुलना में 1-20 प्रतिशत तक की कमी होने पर प्रति हेक्टेयर 7,500 रुपये की दर से अधिकतम दो हेक्टेयर के लिए 15,000 और 20 प्रतिशत से ज्यादा की कमी की स्थिति में प्रति हेक्टेयर 10 हजार की दर से अधिकतम दो हेक्टेयर के लिए 20 हजार रुपये की सहायता दी जाती है।

शहरीकरण के मानकों में बदलाव की तैयारी, नगर विकास विभाग ने खाका तैयार किया

बिहार में जल्द 150 नए शहरी निकाय बनेंगे

हिन्दुस्तान एक्सक्लूसिव

पटना | राजकुमार शर्मा

बिहार में शहरी निकायों की संख्या बढ़ाने का रास्ता साफ हो गया है। इसके लिए शहरीकरण के मानक बदले जाने की तैयारी है। इसका खाका तैयार हो गया है। अभी किसी क्षेत्र की कुल कार्यशील जनसंख्या की 75 प्रतिशत आबादी गैर कृषि आधारित होने पर ही उसे शहरी निकाय बनाया जा सकता है। अब गैर कृषि आधारित आबादी का मानक 50 प्रतिशत से अधिक किए जाने का प्रस्ताव है। कैबिनेट की मंजूरी मिलने के बाद राज्य में 150 तक नए शहरी निकायों का गठन हो सकेगा।

शहरीकरण के मामले में बिहार देश में निचले पायदान पर है। देश के दूसरे राज्यों में शहरीकरण का औसत जहां 33 प्रतिशत के करीब है, वहीं बिहार में यह आंकड़ा महज 11 प्रतिशत है। यह स्थिति लंबे समय से बनी हुई है। ऐसा नहीं है कि इस दौरान राज्य के तमाम इलाकों में शहरी सुविधाएं विकसित नहीं हुईं लेकिन शहरी निकाय गठित न होने के कारण उसका लाभ नहीं मिल पा रहा। उदाहरण के लिए पटना से सटे बिहटा में तमाम शहरी सुविधाएं हैं मगर अब भी वो ग्राम पंचायत का ही हिस्सा है। ऐसे में न वहां सुविधाएं विकसित करने को सरकार को टैक्स मिलता है और न ही केंद्र द्वारा शहरी निकायों को दी जाने वाली आर्थिक मदद।

नगर विकास

- बिहार में नए शहरी निकायों के गठन का रास्ता होगा साफ
- कैबिनेट की मंजूरी के लिए भेजा जाएगा प्रस्ताव

11 प्रतिशत है बिहार में शहरीकरण का औसत

33 फीसदी है दूसरे राज्यों में शहरीकरण का आंकड़ा

दूसरे राज्यों के मानकों का अध्ययन कराया गया

राज्य में शहरीकरण का मौजूदा मानक व्यवहारिक नहीं है। कुल जनसंख्या की 75 प्रतिशत आबादी खेती पर निर्भर नहीं होनी चाहिए। जनगणना में कुल जनसंख्या में कृषि और गैर कृषि आधारित जनसंख्या का अलग आंकड़ा भी उपलब्ध नहीं है। इस नियम से एक भी नया निकाय बनना तो दूर मौजूदा निकायों पर भी संकट हो सकता है। अब नीति में बदलाव का मसौदा तैयार किया गया है। कार्यशील जनसंख्या की 50 प्रतिशत से अधिक आबादी खेती पर निर्भर नहीं होनी चाहिए। यानि सौ में से 51 लोग खेती न करते हों। जनगणना में यह आंकड़ा उपलब्ध है। नियमों में बदलाव के लिए नगर विकास एवं आवास विभाग ने दूसरे राज्यों के मानकों का भी अध्ययन कराया है।

हरनौत-बिहटा में फंसा था पेच

राज्य सरकार ने पहले हरनौत और बिहटा को बारी-बारी से नगर पंचायत घोषित किया था। मगर हाईकोर्ट ने उनपर रोक लगा दी। नगर विकास एवं आवास विभाग तब इस गठन को शहरीकरण के मानकों के अनुरूप साबित नहीं कर सका था। इसी कारण शहरी निकायों के गठन की प्रक्रिया पर ब्रेक लग गए थे।

शहरीकरण बढ़ने से होंगे कई लाभ

राज्य में शहरीकरण का दायरा बढ़ने से कई लाभ होंगे। शहरी निकाय गठित होने से वहां केंद्र की शहरीकरण से जुड़ी तमाम योजनाओं का लाभ मिलने लगेगा। मसलन स्वच्छता अनुदान के रूप में केंद्र सरकार सौ रुपए प्रति व्यक्ति के हिसाब से देती है। नमामि गंगे परियोजना भी नदी किनारे बसे शहरों के विकास पर केंद्रित है। फाइनेंस कमीशन से भी शहरी क्षेत्र को अधिक फंड दिए जाने का प्रावधान है। क्षेत्र के विकास के लिए टैक्स की वसूली भी हो सकेगी। कृषि भूमि पर सिर्फ मालगुजारी ही मिलती है।

गरीबों को राशन कार्ड व सहायता राशि जरूर मिले

सीएम के निर्देश

पटना | हिन्दुस्तान ब्यूरो

बुखार, खांसी व सांस लेने में तकलीफ हो तो जांच कराएं

जिन्हें बुखार, खांसी एवं सांस लेने में तकलीफ के कोई लक्षण दिखे, वे तुरंत जांच केन्द्र पर अपनी जांच कराएं। लॉकडाउन की अवधि में घर पर रहें, सुरक्षित रहें, सोशल डिस्टेंसिंग ही कोरोना संक्रमण से बचने का प्रभावी उपाय है।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पदाधिकारियों को निर्देश दिया है कि जीविका तथा राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन द्वारा चिन्हित लोगों को प्रति परिवार एक हजार रुपये की सहायता राशि उपलब्ध कराएं। साथ ही सभी सुयोग्य लाभुकों को राशन कार्ड भी शीघ्र मिले, यह सुनिश्चित करें। राशन कार्ड के लंबित, त्रुटिपूर्ण, अस्वीकृत आवेदन जो जांच में सही पाए गए हैं, उन्हें भी एक हजार रुपये की सहायता अविलंब उपलब्ध कराएं। मुख्यमंत्री ने कोरोना संक्रमण की रोकथाम और लोगों के लिए चलाए जा रहे राहत कार्य की रविवार को समीक्षा की और कई निर्देश पदाधिकारियों को दिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि चिन्हित परिवारों के खाते में सिर्फ एक हजार रुपये की राशि भेजना ही हमारा उद्देश्य नहीं है, बल्कि सभी राशनकार्ड-विहीन गरीब परिवारों को सहायता राशि के साथ-साथ राशनकार्ड भी मिल जाय, यह बहुत जरूरी है। ताकि इसका लाभ उनको हमेशा मिलता रहे। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग को निर्देश दिया कि दवाओं, टेस्टिंग किट, पीपीई किट एवं जरूरी उपकरणों की पर्याप्त उपलब्धता एवं उसकी आपूर्ति बनाए रखें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार राज्य में अब तक जितने कोरोना संक्रमित व्यक्ति पाये गये हैं, उनमें ठीक होने वाले 25 प्रतिशत लोग हैं। इसलिये कोरोना से घबराएं नहीं।

बाहर से आने वालों की सुविधाओं की निगरानी करें

पटना | हिन्दुस्तान ब्यूरो

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पदाधिकारियों को निर्देश दिया है कि लॉकडाउन के दौरान विशेष ट्रेनों से बिहार आ रहे लोगों की हर सुविधाओं की निरंतर मॉनिटरिंग करते रहें। बिहार आने के क्रम और फिर यहां आने के बाद उनकी सुविधा का पूरा ख्याल रखें। प्रखंड और पंचायतस्तर पर बने क्वारंटाइन सेंटर पर सभी आवश्यक सुविधाओं का प्रबंध सुनिश्चित करें।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने रविवार को मुख्य सचिव और अन्य आलाधिकारियों के साथ इन मामलों पर समीक्षा बैठक की और कई निर्देश दिये। सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के सचिव अनुपम कुमार ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि राज्य में 201 आपदा राहत केंद्र चलाए जा रहे हैं, जहां पर 60 हजार से अधिक लोग रह रहे हैं। उन्हें भोजन, आवासन और चिकित्सकीय सुविधाएं दी जा रही हैं। पंचायतों में 1353 क्वारंटाइन सेंटर हैं, जहां पर 13600 लोग रह रहे हैं। मुख्यमंत्री सहायता राशि के लिए बिहार के बाहर फंसे लोगों के आवेदनों की जांच लगभग पूरी हो गई है। 18.78 लाख आवेदन सही पाए गए हैं, जिन्हें एक-एक हजार रुपये भेज दिए गए हैं।

चिंता

- मुख्यमंत्री ने आलाधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की
- सूचना एवं जनसंपर्क सचिव अनुपम कुमार ने दी जानकारी

दस ट्रेनें आज बिहार के लिए चल रहीं

सचिव अनुपम कुमार ने कहा कि विभिन्न राज्यों से दस ट्रेनें रविवार को बिहार के लिए खुलने वाली हैं। इनमें केरल से चार, कोटा से तीन और बेंगलुरु से दो ट्रेनें शामिल हैं।

पौने छह करोड़ लोगों की स्क्रीनिंग : स्वास्थ्य विभाग के सचिव लोकेश कुमार ने कहा कि विशेष अभियान के तहत राज्य के एक करोड़ पांच लाख घरों के पौने छह करोड़ लोगों की स्क्रीनिंग की जा चुकी है। इनमें 3420 लोगों में सर्दी, खांसी और बुखार के सामान्य लक्षण पाए गए हैं। उन्होंने कहा कि बिहार में कोरोना से ठीक हो रहे मरीजों की संख्या करीब 25 प्रतिशत है।

केंद्र के निर्देशों का होगा पालन : सीएस

पटना। बिहार के मुख्य सचिव दीपक कुमार ने कहा है कि कोरोना संक्रमण को लेकर केंद्र सरकार के जो भी दिशा निर्देश हैं, उनका पालन राज्य सरकार करेगी।

गौरतलब हो कि केंद्रीय गृह सचिव ने मुख्य सचिव को पत्र लिखा है कि लॉकडाउन में फंसे मजदूरों, छात्रों, पर्यटकों के लिए ही विशेष ट्रेनें चलाई जा रही हैं। ऐसे लोगों की मदद करें। सोशल डिस्टेंसिंगका पालन कते हुए उनको उनके घर तक पहुंचाने का इंतजाम हो। केंद्र सरकार ने यह भी कहा है कि यह सुविधा उनके लिए नहीं है, जो दूसरे राज्य में पहले से रह रहे हैं।

मजदूरों को रजिस्ट्रेशन में आ रही भाषायी दिक्कत

पटना | हिन्दुस्तान ब्यूरो

उठाए सवाल

- भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने यूपी सरकार के कामकाज की सराहना की
- कहा-कोई अधिकारी मीडिया में स्पष्ट नहीं देते जानकारी

अपने प्रदेश लौटने का इंतजार कर रहे बिहार के मजदूरों को ट्रेन से लाने का फैसला हुआ तो उन्हें काफी राहत मिली है। पर, अब उनमें राज्य आने के लिए ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन कराने की होड़ लगी हुई है। इसमें समस्या आ रही है कि ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन कराने में उन्हें मशक्कत करनी पड़ रही है। विशेष कर भाषायी दिक्कत सामने आ रही है।

गौरतलब हो कि चलायी जा रही विशेष ट्रेन में सवार होने के लिए रजिस्ट्रेशन कराना आवश्यक है। दक्षिण भारत के राज्य तमिलनाडु में फंसे बिहार के मजदूरों ने बताया कि फॉरमेट अंग्रेजी में है, जिसे वे पढ़ भी नहीं पा रहे हैं। जहां पर वे लोग फंसे हैं, वहां भी कोई इस कार्य में मदद नहीं पहुंचा पा रहा है।

अपनी समस्या भी ठीक से नहीं समझा पा रहे हैं

भाषा अलग होने के कारण स्थानीय लोगों को भी वे अपनी समस्या ठीक से नहीं समझा पा रहे हैं। रजिस्ट्रेशन कैसे हो, यह मजदूरों के लिए समस्या बनी हुई है। कई मजदूर अपने किसी परिचित को फोन कर फॉरमेट भरने में सफल हुए हैं। तमिलनाडु के तिरपुर में फंसे वैशाली के मनोज कुमार ने कहा कि रविवार की सुबह से रजिस्ट्रेशन करने का प्रयास कर रहे हैं और दोपहर हो गया है। हालांकि बिहार सरकार ने ऐसे सभी मजदूरों को कहा है कि सभी के रिकॉर्ड उसके पास हैं। जो भी बिहार आने के इच्छुक हैं, उन्हें लाने के लिए सरकार पूरी तरह तत्पर है।

दिल्ली से आए प्रवासियों को पटना में बस से उनके गंतव्य भेजा जा रहा है।

राजधानी

प्रसिद्ध कानूनविद थे न्यायाधीश त्रिपाठी

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के पूर्व मुख्य न्यायाधीश, पटना उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश और लोकपाल के न्यायिक सदस्य न्यायाधीश अजय कुमार त्रिपाठी के निधन पर दुख व्यक्त किया है। कहा है कि वे मूलतः बिहार के रहने वाले थे। वे प्रसिद्ध कानूनविद और बहुमुखी प्रतिभा के धनी व्यक्ति थे। उनके निधन से विधि एवं न्याय के क्षेत्र में अपूरणीय क्षति हुई है। मुख्यमंत्री ने दिवंगत आत्मा की चिरशांति तथा उनके परिजनों को दुख की इस घड़ी में धैर्य धारण करने की शक्ति प्रदान करने की ईश्वर से प्रार्थना की है।

राज्यपाल ने निधन पर शोक जताया

पटना। राज्यपाल फागू चौहान ने लोकपाल के न्यायिक सदस्य, छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के पूर्व मुख्य न्यायाधीश एवं पटना उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश अजय कुमार त्रिपाठी के निधन पर गहरी शोक-संवेदना व्यक्त की है। राज्यपाल ने कहा है कि जस्टिस श्री त्रिपाठी के निधन से विधि एवं न्याय जगत को अपूरणीय क्षति हुई है।

राजद नेताओं ने भी शोक जताया: पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी, नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी प्रसाद यादव और राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्रीनंद तिवारी ने भी शोक जताया है। उन्होंने कहा कि पटना हाई कोर्ट के न्यायमूर्ति रहे, फिर छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश रहे और अपनी प्रतिभा एवं योग्यता से बिहार का मान बढ़ाया।

शरारती तत्वों को अफवाह उड़ाना पड़ रहा है महंगा

बिहार पुलिस

पटना | हिन्दुस्तान ब्यूरो

कोरोना महामारी से दुनिया जंग लड़ रही है पर शरारती तत्व अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहे हैं। महामारी को भी सांप्रदायिक रंग देने के लिए अफवाहें फैलाई जा रही हैं। यही नहीं कोरोना पीड़ितों को लेकर भी सोशल मीडिया पर गलत तथ्य डालकर लोगों के बीच भ्रम फैलाने की कोशिश की गई। सोशल मीडिया का बेजा इस्तेमाल करनेवालों के खिलाफ पुलिस भी सख्त है। ऐसे कई असामाजिक तत्वों को अफवाह फैलाना महंगा पड़ गया है।

पुलिस मुख्यालय के मुताबिक सोशल मीडिया के जरिए अफवाह फैलाने वालों पर पैनी नजर है। अब तक राज्यभर में इसको लेकर 150 मामले दर्ज किए गए हैं। ये मामले सोशल मीडिया के जरिए अफवाह फैलाने से जुड़े हैं। 85 शरारती तत्वों को गिरफ्तार किया गया है और उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जा रही है। इसे लेकर साइबर सेल भी सोशल मीडिया पर नजर बनाए हुए है।

डाल रहे भ्रामक सूचनाएं : पुलिस अधिकारियों के मुताबिक अफवाह फैलाने में जिन शरारती तत्वों के खिलाफ कार्रवाई की गई, उन्होंने आधारहीन बातों का सहारा लिया है। कोरोना महामारी को लेकर सांप्रदायिक रंग देनेवाले फोस्ट या मैसेज डाले गए। न सिर्फ सांप्रदायिक मैसे पोस्ट कर उन्माद फैलाने की कोशिश की गई बल्कि कोरोना पीड़ितों के संबंध में भी झूठी खबरें प्रचारित करने का प्रयास किया गया। संज्ञान में आने के बाद पुलिस ने साइबर एक्सपर्ट की मदद से ऐसे लोगों का पता लगाया और उनके खिलाफ कार्रवाई की।

सख्त कार्रवाई की चेतावनी : बिहार पुलिस अफवाहों को लेकर पहले से सतर्क है। डीजीपी गुप्तेश्वर पाण्डेय वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के दौरान एसपी को ऐसे मामलों में सख्त कार्रवाई के आदेश दे चुके हैं। इसका असर भी दिख रहा है।

कसा शिकंजा

- कोरोना को सांप्रदायिक रंग देने की भी हुई कोशिश
- सोशल मीडिया पर अफवाह फैलाने से जुड़े 150 मामले दर्ज
- अफवाह फैलाने वालों पर है बिहार पुलिस की पैनी नजर

85 असामाजिक तत्वों की हुई अब तक गिरफ्तारी

अफवाह फैलाने के मामले में 150 प्राथमिकी दर्ज की गई और 85 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस सोशल मीडिया पर नजर रख रही है। कोई भी शाख्स अफवाह फैलाता है तो उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

– जितेन्द्र कुमार, एडीजी, पुलिस मुख्यालय

अब तक 55 हजार गाड़ियां हुईं जब्त

पटना। लॉकडाउन के उल्लंघन का मामला बढ़ता ही जा रहा है। लॉकडाउन तोड़ने के आरोप में पुलिस ने अबतक 55 हजार से ज्यादा गाड़ियां जब्त की हैं। वहीं 12 करोड़ से ज्यादा जुर्माना किया गया है। रविवार को भी लॉकडाउन तोड़ने में मामले में पुलिस ने कार्रवाई की।

पुलिस मुख्यालय के मुताबिक रविवार को लॉकडाउन उल्लंघन को लेकर 24 प्राथमिकी दर्ज की गई। वहीं 40 लोगों को गिरफ्तार किया गया। बैगर पास के चल रही 1349 गाड़ियां जब्त की गईं। इस दौरान 29.04 लाख रुपए जुर्माना किया गया। लॉकडाउन का पालन कराने के लिए पुलिस तत्पर है। रोजाना कार्रवाई भी हो रही है, इसके बावजूद उल्लंघन का मामला थमता नहीं दिख रहा।

बिहारियों के निबंधन को लिंक जारी

पटना। राज्य सरकार ने बाहर फंसे मजदूर, छात्र व दूसरे लोगों को बिहार आने के लिए निबंधन का साइट जारी कर दिया। जिस प्रदेश में लोग फंसे हों वह वहां के लिए जारी लिंक पर अपना निबंधन बिहार आने के लिए करा सकते हैं। इसी के साथ विभाग ने राज्य सरकार के उस साइट का भी लिंक जारी किया है जिसपर बाहर जाने को इच्छुक लोग निबंधन करा सकते हैं। निबंधन के दौरान मांगी जाने वाली सारी सूचनाएं देनी होगी। बिहार में फंसे बाहर के लोग अगर अपने राज्य में जाना चाहते हों तो उन्हें https://covid19.bihar.govt.in पर जाकर निबंधन करना होगा।

राज्य (जहां फंसे हैं बिहारी) और संबंधित क्षेत्र के लिंक

दिल्ली : delhipolice.nic.in
मध्य प्रदेश : mapit.gov.in/covid-19/
गुजरात : digitalgujarat.gov.in/loginapp/CitizenLogin.aspx
पंजाब : https://covidhelp.punjab.gov.in
महाराष्ट्र : covid19.mhpolice.in
राजस्थान : emitraapp.rajasthan.gov.in/emitraApps/covid19 Migrant Registration Service
हिमाचल प्रदेश : covidepass.hp.gov.in/
तामिलनाडु : tnepass.tnega.gov.in
हरियाणा : edisha.gov.in/eForms/MigrantService
कर्नाटक : sevasindhu.karnataka.gov.in/Sevasindhu/English
उत्तराखंड : dsclservices.org.in/uttarakhand-migrantregistration. या smartcitydehradun.uk.gov.in/
उड़ीसा : covid19regd.odisha.gov.in/
केरल : registernorkaroots.org
छत्तीसगढ़ : cglabour.nic.in
उत्तर प्रदेश : uplabour.govt.in
बंगाल : wb.govt.in, गोवा : goaonline.govt.in
जम्मू और कश्मीर : serviceonline.govt.in
झारखंड : jharkhandpravasi.in

जेपी नड्डा ने जाना संगठन का हाल

पटना। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने देशभर के प्रदेश अध्यक्षों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग कर संगठन का हाल जाना। बिहार से इस वीसी में प्रदेश अध्यक्ष डॉ. संजय जायसवाल शामिल हुए।

भाजपा अध्यक्ष ने पार्टी नेताओं को कोरोना काल में गरीबों की सेवा करने का टास्क दिया। कहा कि सभी नेता व कार्यकर्ता पूर्व की तरह ही लोगों की मदद करते रहें। आसपास के गरीबों, विशेषकर दिहाड़ी मजदूरों और वृद्धों की अधिक चिंता करें। सभी पीएम केयर्स में दान करें और लोगों को प्रेरित करें। लॉकडाउन का पालन करें और करवाएं। देशभर से मजदूरों को लौटने के लिए ट्रेन चलाई जा रही है। इन मजदूरों को भेजने में प्रशासन का सहयोग करें।

आपदा विभाग के क्वारंटाइन सेंटर से यह अलग होगा, बुजुर्गों और गर्भवती महिलाओं के इलाज की भी होगी सुविधा

सभी प्रखंडों में 'हेल्थ क्वारंटाइन' सेंटर बनेंगे

पटना | हिन्दुस्तान ब्यूरो

बिहार में कोरोना वायरस के संक्रमण के विस्तार और दूसरे प्रदेशों से बड़ी संख्या में लोगों के लौटने और कोरोना के संक्रमण वाले मरीजों की पहचान और इलाज को लेकर सभी प्रखंडों में हेल्थ क्वारंटाइन सेंटर बनाया जाएगा। स्वास्थ्य विभाग के प्रधान सचिव संजय कुमार ने राज्य के सभी जिलों के डीएम और सिविल सर्जनों को हेल्थ क्वारंटाइन सेंटर बनाने का निर्देश दिया है। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार यह आपदा विभाग के क्वारंटाइन सेंटर से अलग होगा। इसमें आपदा विभाग के क्वारंटाइन सेंटर से कोरोना के लक्षण वाले मरीजों को लाकर रखा जाएगा। विभाग द्वारा जारी निर्देश के अनुसार अन्य राज्यों से आने वाले व्यक्तियों की संभावित बड़ी संख्या को देखते हुए लक्षण वाले व्यक्तियों के आवासन हेतु सभी जिलों के प्रत्येक प्रखंड में आपदा प्रबंधन विभाग के क्वारंटाइन सेंटर के अतिरिक्त हेल्थ क्वारंटाइन सेंटर की व्यवस्था किया जाना अनिवार्य है।

स्थल चिन्हित करने का निर्देश : विभाग ने हेल्थ क्वारंटाइन सेंटर के लिए सिविल सर्जनों को स्थल चिन्हित करने का निर्देश दिया है। साथ ही इस क्वारंटाइन सेंटर में डॉक्टर, पारा चिकित्सा कर्मी को प्रतिनियुक्त करने को कहा है। इसके साथ ही, उनके आवासन, भोजन आदि की व्यवस्था करने का भी निर्देश दिया है।

इलाज के लिए

- सभी डीएम व सिविल सर्जन को दिया गया निर्देश
- आवासन, भोजन आदि की भी सेंटर में होगी व्यवस्था

एम्बुलेंस सेवा से जोड़े जाएंगे प्रखंड के सेंटर

विभाग ने क्वारंटाइन सेंटर में बुजुर्गों, गर्भवती महिलाओं, बच्चों और असाध्य रोगों से पीड़ित व्यक्तियों की लाइन लिस्टिंग करने का निर्देश दिया है ताकि उनके लिए आवश्यकता पड़ने पर आपात व्यवस्था की जा सके। इस सेंटर से प्राथमिक चिकित्सा केंद्र के लिए भाड़े पर लिए गए एम्बुलेंस की सेवा को जोड़ने और दस्त या अन्य महामारी से बचाव के लिए आवश्यक दवाएं भी उपलब्ध रहने को कहा है। साथ ही इन सेंटरों पर मच्छरों से बचाव के लिए नियमित छिड़काव भी कराने को कहा है।

रिटायर्ड प्रधानाध्यापक के निधन से सीएम दुखी

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने नालंदा जिले के रहुई प्रखंड के पेशौर गांव के सेवानिवृत्त प्रधानाध्यापक बच्चू लाल सिंह के निधन पर दुख व्यक्त किया है। उन्होंने कहा है कि बच्चू लाल सिंह से उनका व्यक्तिगत संबंध था। उनके निधन की सूचना से काफी दुख पहुंचा है।

कोरोना के खतरों के बीच शहर की सफाई ठप, सता रही महामारी की चिंता

संवाद

चहुंओर कोरोना के खतरों के बीच शहर की साफ की अनदेखी शहरवासियों पर भारी पड़ सकती है। कई दिनों से हर सड़क व गलियां गंदगी से बजबजा रही हैं। रविवार को हिन्दुस्तान के व्हाट्सएप संवाद में लोगों ने विचार रखे। निगम के रवैये पर प्रहार किया। कहा, गंदगी शहर में महामारी फैला सकती है।

बीते कुछ माह से शहर की सफाई व्यवस्था बेपटरी हो गयी है। होली के बाद से पूरा शहर गंदगी से बजबजा रहा है। कोरोना का कहर जबसे शुरू हुआ है, तबसे सड़कें डंपिंग यार्ड बना गई हैं। सदर अस्पताल रोड, आयुक्त कार्यालय सभी जगह गंदगी नजर आ रही है।

-डॉ. दीपक कुमार वर्मा, चिकित्सक

शहर अब तक तो कोरोना से बचा हुआ है, लेकिन जगह-जगह फैली गंदगी कभी भी दूसरी महामारी फैल सकती है। इसके बावजूद सब बेखबर हैं। नगर विकास एवं आवास मंत्री के आदेश के बावजूद शहर से फैली गंदगी की समस्या का हल नहीं निकल सका है।

-संजीव कुमार, एडवोकेट

एक ओर लोगों को स्मार्ट मुजफ्फरपुर बनाने का सपना दिखाया जा रहा है। दूसरी ओर महीनों बाद भी कूड़ा डंपिंग की समस्या का हल नहीं निकल सका है। वहीं, जनता से कहा जा रहा है कि घरों से कूड़ा कम निकालें। शर्मनाक स्थिति है। पूरा शहर नर्क बना हुआ है।

-डॉ. सुशीला सिंह, प्रोफेसर

कोरोना से बचने के लिए हर आदमी बार-बार हाथ साफ कर रहा है। वहीं, सड़कों पर कूड़े-कचरे का अंबार लगा हुआ है। यहां के लोग कोराना से लड़ें या नगर निगम के नाकामयाबी से। लॉकडाउन में कचरा कम आ रहा है। इसके बावजूद नारकीय स्थिति बनी है।

-सज्जन शर्मा, वस्त्र व्यवसायी

शहर की हालत बड़ी नारकीय है। कई महीने से सफाई का संकट दिख रहा है। होली के बाद से यह ज्यादा बढ़ गया है। लॉकडाउन में सड़क पर कूड़े का टाल दिखने लगा है। निगम और जिला प्रशासन को तत्काल इस संकट का हल निकालना चाहिए।

-यशार्थ कुमार, बैंक अधिकारी

गंदगी से शहर बजबजा रहा है। इसके बावजूद तमाम जनप्रतिनिधि से लेकर अधिकारी तक मूकदर्शक बने हुए हैं। यहां के लोगों को भगवान भरोसे छोड़ दिया गया है। स्थानीय विधायक के नगर विकास मंत्री होने के बावजूद स्थिति में कोई सुधार नहीं हो रहा है।

-शशिरंजन वर्मा, दवा दुकानदार

कोरोना अपडेट

उत्तर बिहार

जिला	पॉजिटिव
मधुबनी	18
पश्चिम चंपारण	10
पूर्वी चंपारण	09
सीतामढ़ी	06
दरभंगा	05
शिवहर	01
कुल मामले	49

लॉकडाउन-थ्री

- जिले को संक्रमण मुक्त बनाए रखने के लिए सख्ती जारी
- अभी प्रशासन अति आवश्यक सेवाओं में ही दे सकेगा छूट

दूध-दवा मिलेंगे, सैलून-स्पा भी खुलेंगे

मुजफ्फरपुर | वरीय संवाददाता

सोमवार से शुरू हो रहे लॉकडाउन-थ्री में मुजफ्फरपुर को कोई विशेष राहत नहीं मिलेगी। राज्य सरकार ने रेड जोन के पांच जिलों के अलावा शेष सभी जिलों को ऑरेंज जोन में शामिल कर दिया है। यहां पहले की तरह ही सख्ती बरकरार रहेगी। इमरजेंसी और निर्माण कार्यों के अलावा इस बार केवल स्पा और सैलून खोलने की छूट दी गई है।

ग्रीन जोन में शामिल होने के कारण मुजफ्फरपुर में ऊहापोह की स्थिति बनी हुई थी। लोग राहत की उम्मीद कर रहे थे। इस बाबत जिलाधिकारी डॉ. चन्द्रशेखर सिंह ने बताया कि इस संबंध में राज्य सरकार का स्पष्ट आदेश आ गया है। ऑरेंज जोन वाली शर्तें ही मुजफ्फरपुर में भी लागू रहेंगी। वाहनों का परिचालन पहले की तरह ही प्रतिबंधित रहेगा। सब्जी से लेकर अन्य सामनों की दुकानें खोलने के समय में कोई परिवर्तन नहीं किया गया है। पान-गुटखा के साथ ही अन्य सामानों की दुकानें बंद रहेंगी। वहीं दूध, दवा जैसी इमरजेंसी सेवाएं जारी रहेंगी। सभी प्रकार के उद्योग निर्धारित शर्तों के साथ चलाए जा सकेंगे।

40
दिन हुए लॉकडाउन के आज से तीसरा चरण शुरू

रविवार को शहर के सरैयागंज टावर चौक पर राशन की खरीदारी व जरूरी सामान की ढुलाई को लेकर चहल-पहल बनी रही।

साथ ही निर्माण कार्य भी चलते रहेंगे और निर्माण सामग्रियों की दुकानें भी खुली रहेंगी। लॉक डाउन-3 में ऑरेंज जोन में शामिल जिलों में सैलून और स्पा खोलने की छूट दी गई है। लॉक डाउन-2 में इस पर रोक लगाई गई थी। सभी प्रकार की वस्तुओं के लिए ई कामर्स की छूट रहेगी। जिला प्रशासन ने लोगों से इन नियमों को पालन करने की अपील और अधिकारियों को सहयोग करने को कहा है। डीएम श्री सिंह ने कहा कि जिले को संक्रमण मुक्त बनाए रखने के लिए लोगों को मदद करनी चाहिए। किसी भी प्रकार की अफवाह से बचें।

जिन्हें मिलेगी छूट

1. दूध, दवा जैसी इमरजेंसी सेवाएं जारी रहेंगी, ई कामर्स की छूट रहेगी
2. इमरजेंसी सेवाओं के अलावा केवल सभी प्रकार के उद्योग चल सकेंगे
3. पहले की तरह जारी रहेंगे निर्माण कार्य, स्पा व सैलून भी खोल सकेंगे
4. सब्जी व किराना दुकान भी खुली रहेगी, सोशल डिस्टेंसिंग रखना होगा

जिले में जारी रहेगी सख्ती

- रेड जोन के अलावा शेष सभी जिले ऑरेंज जोन में शामिल किया गया
- आम यात्री वाहनों के परिचालन पर पहले की तरह ही रहेगा प्रतिबंध

दुकान खोलने के लिए कारोबारियों में बेचैनी

मुजफ्फरपुर | कार्यालय संवाददाता

दिनभर सरगर्मी

- लॉकडाउन का तीसरा चरण शुरू होने से व्यवसायियों में ऊहापोह
- 40 दिनों से बंद हैं दुकानें, कमाई नहीं होने से कारोबारियों में बेचैनी

लॉकडाउन का तीसरा चरण शुरू होते ही जिले के व्यवसायियों की बेचैनी बढ़ गई हैं। दुकान खोलने के लिए वे व्याकुल हैं। राजस्थान समेत कई राज्यों से दुकान खुलने की सूचना से उनकी उम्मीद बंधी है। जिले में कोरोना पॉजिटिव केस नहीं होने से व्यवसायी व्यवसायिक गतिविधियां शुरू होने की आस लगा रहे हैं।

कपड़ा, कॉस्मेटिक्स, आभूषण, स्टेशनरी, इलेक्ट्रॉनिक्स, मोबाइल, हार्डवेयर, ऑटोमोबाइल्स, होटल व निर्माण सामग्रियों के व्यवसायी अधिक बेताब हैं। व्यवसायी शीघ्र दुकान खोलने को लेकर प्रशासनिक मंजूरी मिलने का इंतजार कर रहे हैं। सोमवार से शुरू हो रहे लॉकडाउन के तीसरे चरण में रियायत मिलने की उम्मीदें बढ़ी हैं। रविवार को दिनभर व्यवसायी अपने अपने संघ व संगठन के नेताओं से संपर्क साधते रहे। व्यवसायी पटना, दिल्ली आदि शहरों के बाजारों की टोह लेते रहे। उत्तर बिहार खुदरा वस्त्र विक्रेता संघ के सचिव अजय चाचान ने बताया कि 40 दिनों से दुकानें बंद हैं। कमाई ठप है। व्यवसायियों को दुकान का किराया व कर्मियों का मानदेय भुगतान करने में मुश्किल आ रही है। उन्होंने बताया कि देशभर से शीघ्र ही दुकानें खुलने की सूचनाएं आ रही हैं। लग्न के दौरान बाजार बंद हो गया। कुछ दिनों के बाद ईद को लेकर कपड़ों आदि की जरुरतें होंगी। कपड़ा व्यवसायी रवि मोटानी ने बताया कि वे दुकान खोलने के प्रशासनिक आदेश की प्रतीक्षा कर रहे हैं। जूता कारोबारी रौशन कुमार ने बताया कि दुकानें खुलने को लेकर लगातार सूचनाएं आ रही हैं। प्रशासन की ओर से निर्देश नहीं मिलने से ऊहापोह की स्थिति बनी हुई है। किराना व्यवसायी ने बताया कि 40 दिनों से जारी लॉकडाउन के कारण दूसरे राज्यों से आने वाले डिब्बाबंद खाद्य सामान की आपूर्ति ठप है।

भाड़ा लेने के विरोध में धरना कल

मुजफ्फरपुर। भाकपा-माले सहित वामदलों ने प्रवासी मजदूरों को घर पहुंचाने के लिए उनसे भाड़ा लेने के सरकार के आदेश का विरोध किया है। इस संकट की घड़ी में जब भुखमरी के शिकार मजदूर जिन्दगी और मौत से जूझ रहे हैं तो उनसे भाड़ा वसूलना मानवता विरोधी है। भाकपा माले के जिला सचिव कृष्णमोहन ने बताया कि इसके खिलाफ वामदलों के राज्यव्यापी आह्वान पर पांच मई को मुजफ्फरपुर में भी भाकपा-माले और वामदलों के कार्यकर्ता शहर से गांव तक पार्टी कार्यालयों सहित घर व गांव-टोले में धरना देंगे।

साबरमती के लिए 5 को खुलेगी ट्रेन

मुजफ्फरपुर। साबरमती जंक्शन से मुजफ्फरपुर के लिए चार मई को श्रमिक स्पेशल ट्रेन चलेगी। यह ट्रेन पांच मई को सुबह चार बजे मुजफ्फरपुर जंक्शन पहुंचेगी। यही ट्रेन पांच मई को शाम सात बजे श्रमिकों को लेकर साबरमती के लिए रवाना होगी। लॉकडाउन लागू होने के बाद यह पहली यह ट्रेन होगी जो मुजफ्फरपुर जंक्शन से यात्रियों को लेकर अन्य स्टेशन के लिए रवाना होगी। रेल प्रबंधन इस ट्रेन के परिचालन को लेकर आवश्यक तैयारियों में जुटा हुआ है।

मेडिकल में दो संदिग्धों का लिया गया सैंपल

113 की स्क्रीनिंग

मुजफ्फरपुर | कार्यालय संवाददाता

एसकेएमसीएच में रविवार को दो संदिधों की कोरोना जांच के लिए सैंपल लिया गया। वहीं एक दिन पहले भेजे गए चार सैंपल की रिपोर्ट निगेटिव आयी है। अबतक एसकेएमसीएच के 304 सैंपल में से 302 की रिपोर्ट निगेटिव है। एसकेएमसीएच अधीक्षक डॉ. एसके शाही ने बताया कि 43 लोगों की स्क्रीनिंग हुई है।

इधर, सदर अस्पताल में कोई सैंपल नहीं लिया गया। एसकेएमसीएच के माइक्रोबायोलॉजी विभाग के साथ लैब तकनीकी कर्मियों के रोस्टर में बदलाव किया गया। इसके कारण ऑनस्पॉट सैंपल नहीं लिया जा सका है। सोमवार से विशेष टीम काम करना शुरू कर देगी। सदर अस्पताल में 70 लोगों की स्क्रीनिंग हुई। अस्पताल की ओर से एक दिन पहले भेजे गए चार सैंपल की रिपोर्ट निगेटिव आयी है। अबतक 13 दिनों में सदर अस्पताल से 196 सैंपल लिए गए। सभी रिपोर्ट निगेटिव है।

1415
सैंपल निगेटिव मिले हैं वायरोलॉजी लैब जांच में

आठ और केस निगेटिव

- एक दिन पहले लैब जांच के लिए भेजे गए आठ और सैंपल निगेटिव
- एसकेएमसीएच में 43 व सदर अस्पताल में 70 की स्क्रीनिंग

शिवहर एक व मधुबनी के आठ सैंपल रिजेक्ट : एसकेएमसीएच की वायरोलॉजी लैब में रविवार को कई जिलों से देर शाम को सैंपल आए। इसमें मुजफ्फरपुर से दो, मधुबनी से 24 और पूर्वी चंपारण से 26 सैंपल आए। शिवहर के एक व मधुबनी के आठ सैंपल को रिजेक्ट किया गया है। दोबारा इनका सैंपल लेकर भेजने के लिए कहा गया है। प्राचार्य डॉ. विकास कुमार ने संबंधित जिलों को इसकी जानकारी दी है। 13 अप्रैल से एसकेएमसीएच की वायरोलॉजी लैब में 1484 सैंपल आए, जिसमें 1415 की रिपोर्ट निगेटिव है। 34 लोगों में कोरोना पॉजिटिव व 24 सैंपल को रिजेक्ट किया गया। पूर्वी चंपारण से देर रात को आए 10 सैंपल की तकनीकी कारणों से दोबारा जांच हो रही है।

जायकेदार राहत : रविवार को शहर के प्रभात सिनेमा के पास रिक्शा चालकों व जरूरतमंदों को मछली-चावल खिलाते मोहल्लेवासी।

मजदूरों को लेकर कल आएगी ट्रेन

मुजफ्फरपुर | वरीय संवाददाता

तैयारी तेज

- एर्नाकुलम से चलेगी श्रमिक स्पेशल ट्रेन, दक्षिण रेलवे ने दी सूचना
- पूर्व मध्य रेलवे ने स्थानीय अधिकारियों व कर्मियों को किया अलर्ट

एर्नाकुलम से मुजफ्फरपुर जंक्शन के लिए श्रमिक स्पेशल ट्रेन (06083) रविवार की रात आठ बजे रवाना होगी। यह ट्रेन प्रवासी मजदूरों को लेकर मंगलवार को शाम पांच बजे मुजफ्फरपुर पहुंचेगी। इसकी घोषणा रविवार को दक्षिण रेलवे की ओर से की गई है। हाजीपुर जीएम कार्यालय ने मंडल और मुजफ्फरपुर जंक्शन के सभी अधिकारियों को अलर्ट किया गया है। सूचना मिलने के बाद से स्थानीय स्तर पर रेलवे के सभी संबंधित विभागों के अधिकारी व कर्मचारी तैयारी में जुट गए हैं। प्रवासी मजदूरों को लेकर ट्रेन के मुजफ्फरपुर पहुंचने से पहले जंक्शन पर सोशल डिस्टेंसिंग का पालन कराने के लिए घेरा तैयार किया जाएगा। डॉक्टर भी जंक्शन पर रहेंगे। दरभंगा के लिए भी दक्षिण रेलवे के त्रिशूर जंक्शन के लिए रविवार को ट्रेन रवाना होगी।

सात लाख लोगों की सेहत का सर्वे

मुजफ्फरपुर। प्रवासी मजदूरों के लौटने के बाद कोरोना को लेकर जारी सर्वे अभियान के तीसरे दिन रविवार को जिले में एक लाख 41 हजार 312 घरों का सर्वे हुआ। इस दौरान सात लाख 36 हजार 912 लोगों की सेहत की जानकारी ली गयी। किसी में कोरोना के संदिग्ध लक्षण की पुष्टि नहीं हुई है। अबतक जिले में पांच लाख से अधिक घरों के 10 लाख से अधिक लोगों की सेहत की जानकारी ली गयी है। दूसरी ओर गायघाट में आशा से दुव्यर्वहार करने वाले पर सीएस डॉ. एसपी सिंह ने कार्रवाई करने का निर्देश दिया।

हॉटस्पॉट राज्यों से लौटे 14 का मिला ट्रेस

सबकी सेहत ठीक

मुजफ्फरपुर | कार्यालय संवाददाता

हॉटस्पॉट राज्यों से बिहार लौटे 114 प्रवासी मजदूरों में से 14 मुजफ्फरपुर के हैं। सभी दिल्ली से आए हैं और इनकी सेहत ठीक है। जिला कंट्रोल रूम की मेडिकल टीम ने इनसे संपर्क कर लिया है। हालांकि, तीन और की खोज जारी है। जो ट्रेस हुए हैं, उनमें कोरोना के संदिग्ध लक्षण नहीं मिले हैं। इसकी सूचना सीएस डॉ. एसपी सिंह ने भेज दी थी।

तीन की तलाश जारी

- लैब जांच में निगेटिव रिपोर्ट, तीन और संदिग्धों की खोज जारी
- कर्मनाशा चेक पोस्ट पर सूबे के 114 मजदूरों की हुई थी स्क्रीनिंग

एक सप्ताह पहले बिहार-यूपी को जोड़ने वाली कर्मनशा चेक पोस्ट पर प्रवासी मजदूरों की स्क्रीनिंग हुई थी। इसमें बिहार के मुजफ्फरपु समेत नौ जिले के कुल 114 प्रवासी मजदूर थे। इनपर नजर रखने के लिए कहा गया है। सर्वे टीम को भी इनके गांवों में जाना है। दूसरी ओर ट्रेन के जरिए कई राज्यों से लौटने वाले प्रवासियों की सेहत की जांच अनिवार्य रूप से करनी है। इसके लिए रविवार को सीएस ने सभी पीएचसी प्रभारियें को अलर्ट कर दिया है। एमआईटी में इन प्रवासियों को रखा गया है। यहां से स्क्रीनिंग कर सबको संबंधित प्रखंडों में भेजना है। आठ सौ से अधिक मजदूरों के आने की सूचना है। सीएस ने बताया कि दूसरे राज्यों से जो लौटकर आ रहे हैं, उनकी मॉनिटरिंग हो रही है। जिला कंट्रोल रूम को इस बारे में निर्देश दिया गया है। सभी पीएचसी प्रभारियों को भी इसके लिए अलर्ट कर दिया गया है। जांच व स्क्रीनिंग की सुविधा पूरी तरह से दुरुस्त है।

सोडियम हाईपोक्लोराइट
Sodium Hypochlorite

HYPOKAN™
disinfecting india...
: Available Packing :
5 Kg, 10 Kg, 25 Kg, 40 Kg, 240 Kg
Special discount for institutional & government requirement
Contact :
KANSAL INDUSTRIAL GASES
Shatabdi Nagar, Partapur, Meerut City
e-mail : kansalargon@rediffmail.com
visit us : kansalindustrialgases.com
Dealer enquiry solicited
9927010286, 9927050286

बरत रहें सतर्कता

कोरोना संक्रमण की चेन काटने में जुटा औराई का शाही मीनापुर

जीतेगा गांव हारेगा कोरोना

मुजफ्फरपुर | प्रमुख संवाददाता

औराई प्रखंड के शाही मीनापुर गांव के लोगों ने बीते शनिवार को आपसी सहमति से एक टोला को क्वारंटाइन किया। कुछ दिन पहले एक ग्रामीण क्वेक इस टोला में मरीज का इलाज करने आया था। लोगों में दहशत का कारण है कि क्वेक एक वैसे युवक का सगा भाई है, जो गत 27 अप्रैल को चार कोरोना पॉजिटिव मरीजों के साथ मुम्बई से आया और चुपचाप अपने घर में रहने लगा। अब शाही मीनापुर के ग्रामीण सीतामढ़ी के नानपुर व बोखड़ा प्रखंडों से औराई प्रखंड में कोरोना की चेन को काटने में जुट गए हैं। मुम्बई से चार कोरोना पॉजिटिव मरीजों के साथ आए युवक के औराई में प्रवेश की खबर से प्रशासनिक महकमे और ग्रामीणों में खलबली है। इस युवक के भाई व पिता ग्रामीण क्वेक हैं व गांवों में घूमकर इलाज करते हैं। हालांकि, परिवार वाले युवक की कोरोना टेस्ट की रिपोर्ट निगेटिव आने का दावा कर रहे हैं, लेकिन औराई बीडीओ विनोद कुमार प्रसाद ने कहा है कि युवक के पूरे परिवार को होम क्वारंटाइन में रखा गया है। उनके स्वास्थ्य पर नजर रखी जा रही है।

बांस-झाड़ी से घेराबंदी : मुजफ्फरपुर के औराई व सीतामढ़ी के नानपुर, बोखड़ा प्रखंडों के गांवों की भौगोलिक सीमाएं जुड़ी हैं। शाही मीनापुर निवासी पप्पू शाही ने बताया कि उनके गांव से उत्तर सीतामढ़ी का नानपुर प्रखंड और पूरब में बोखड़ा प्रखंड है। नानपुर के जिस गांव में एक कोरोना पॉजिटिव की पहचान हुई, वह शाही मीनापुर से कुछ ही दूरी पर है। इसी तरह सीतामढ़ी के बोखड़ा के एक गांव में चार पॉजिटिव पाए गए। इन गांवों के लोगों की शाही मीनापुर के रास्ते राजखंड-रुन्नीसैदपुर तक आवाजाही है। इसे रोकने के लिए बाला-साथ व शाही मीनापुर के बीच की सड़क को जोंका नदी के पास बांस-झाड़ियों से घेरा गया है। औराई के कोकिलवारा गांव का युवक अपने बीमार ससुर का इलाज कराने मुम्बई गया था। सीतामढ़ी के बोखड़ा प्रखंड क्षेत्र के झिटकी निवासी उसके ससुर ब्रेन ट्यूमर से पीड़ित हैं। मुम्बई से लौटने पर ससुर समेत घर के चार लोग कोरोना पॉजिटिव पाए गए हैं।

खलबली

- मुम्बई से चार कोरोना पॉजिटिव मरीजों के साथ आए युवक के प्रवेश से औराई में खलबली
- औराई गांवों पर प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग की पैनी नजर, शाही मीनापुर और बाला साथ के बीच सड़क की घेराबंदी

शाही मीनापुर के ग्रामीणों ने सीतामढ़ी से कोरोना की चेन काटने के लिए जोंका नदी के पासा बांस-बल्ला लगाकर सड़क की घेराबंदी कर दी है।

सहम गए गांव वाले

एसकेएमसीएच में 29 अप्रैल को टेस्ट के लिए युवक का सैंपल लिया गया। जब बीडीओ गांव में पहुंचे तो लोग सहम उठे। उसके पूरे परिवार को क्वारंटाइन किया गया है। आशा कार्यकर्ता शांति ने बताया कि आसपास के गांवों और दूसरे टोला का आवागमन रोक दिया गया है। दूध वाले तक को उस टोला में नहीं जाने की हिदायत है।

SAVE GRAIN BAGS
EVOH Inside
Japanese Technology
कृषि विभाग द्वारा अनुदान 50/-रु

उद्देश्य : फसल बचाना, बरबादी कम करना, किसान की आय बढ़ाना, खाद्यान को जैविक तरीकों से सुरक्षित रखना, हरित प्रौद्योगिकी एवं सरल प्रौद्योगिकी का प्रयोग, किसानों की जीवन-शैली को सुधारना

सेवग्रेन बैग के लाभ एवं प्रयोग
- गुणवत्ता : पानी की मूल मात्रा बनाए रखता है गुणवत्ता में कोई कमी भी नहीं आती।
- परिणाम : गुणवत्ता कम नहीं होती
- सुगंध : सुगंध बनाए रखता है।
- अंकुरण : अंकुरण की उच्च दर बनाए रखता है।
- कोई रसायन नहीं है : संक्रमण से बचाव के लिए विषैले और हानिकारक रसायनों की आवश्यकता नहीं होती।
- ऑक्सीकरण : न्यूनतम ऑक्सीकरण
- बीज - खाद्य फसल,बागबानी
- सूखे खाद्यान्न- दलहन, मसूर दाल, अनाज
- सुखाई गई फलियां - कोको, कॉफी,वनीला
- सूखे बादाम, आदि - मूंगफली, काजू
- सूखी जड़ी बूटियां - सभी प्रकार के मसाले, जड़ी बूटियां
- सूखा चारा - पोल्ट्री, मछली, झींगा
- आटा - सभी प्रकार के आटे
- आपदा की आशंका वाले क्षेत्र - में खाद्य के स्टॉक

घुन एवं सुण्डी से छुटकारा
अनाज एवं बीज के जैविक भण्डारण का सरल एवं उत्तम उपाय
मूल्य 100/-रु
बिहार के सभी जिलों में उपलब्ध

CISLUNAR JANKI PVT. LTD.
Regd. Office : Janki Niwas, B.K.Dutta lane, Patna-1
For Dealership Contact : 7004239434, 7007209016, Email: cislunarjanki@gmail.com

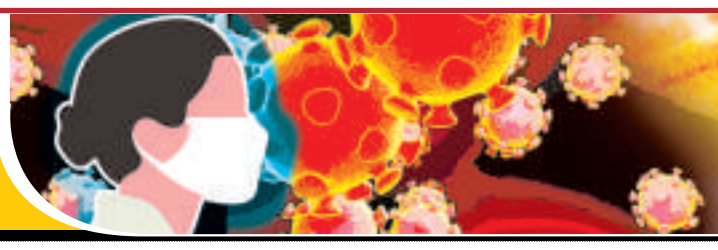

कोरोना से लड़ाई

दुनिया को ज्यादा न्यायप्रिय बनाने के लिए जरूरी है कि महामारी के समय हो रही हिंसा की घटनाओं पर न्यायिक संस्थाएं संज्ञान लें।
- इंटरनेशनल क्रिमिनल कोर्ट

बर्पी व्यायाम करके घर में ही वजन घटाएं

कोरोना से डरिए मत सावधान रहिए

लॉकडाउन में घर पर ही रहने के कारण क्या आपको अपना वजन बढ़ने का डर सता रहा है? अगर हां तो अपने वर्कआउट में आप बर्पी एक्सरसाइज को शामिल करें जो वजन घटाने में कारगर साबित होती है। ऐसा होने का कारण है कि बर्पी व्यायाम में स्क्वाट, पुश-अप और जंपिंग तीनों व्यायाम एक ही सेट में होते हैं। इससे बड़ी मात्रा में शरीर की कैलोरी बर्न होती है और चर्बी घटती है। साथ ही इससे बांह, छाती और पैरों की मांसपेशियों का व्यायाम हो जाता है।

1. स्क्वॉट पोजिशन में बैठ जाएं, हाथ और पैरों के बीच अंतर रहेगा। अपनी हथेलियों को जमीन पर पैरों के बीच रखें और कमर सीधी रहनी चाहिए।
2. अब शरीर का भार हथेली पर ले जाएं। फिर पैरों को धीरे-धीरे सरकाते हुए पीछे ले जाएं और शरीर को प्लांक पोजिशन में रखें। जिसमें पूरा शरीर एक सीध में होगा और शरीर का भार हाथ और पैरों की उंगलियों पर रहेगा।
3. प्लांक पोजिशन में रहते हुए शरीर को सीधी रेखा में रखें। अपनी बांहों की सहायता से शरीर को इतना नीचे ले जाएं कि सीना जमीन को छूने लगे। फिर शरीर को ऊपर की ओर ले जाएं।
4. अब सावधानीपूर्वक खुद को व्यायाम के शुरूआती मुद्रा स्क्वॉट पोजिशन में ले आएं। अब हाथों को हवा में उठाते हुए तेजी से कूदें। फिर स्क्वॉट पोजिशन में लौट जाएं। फिर पूरी प्रक्रिया दोहराएं।

ये लाभ मिलेंगे

इसे करने से हृदयगति बढ़ती है, जिसका फायदा हृदय की मांसपेशियों के व्यायाम के रूप में होता है। बर्पी की हर मुद्रा में आपको 30 सेकंड तक रुकना है। जिससे शरीर की सहनशीलता बढ़ती है। फिर दूसरी मुद्रा में आने से पहले 60 सेकंड का ब्रेक लें ताकि मांसपेशियों में अनावश्यक खिंचाव न आए।

कोरोना योद्धाओं का हुआ सम्मान

मुजफ्फरपुर। सिकंदरपुर चौक पर रविवार को वार्ड 13 के कोरोना योद्धाओं का बिहारी लाल टिकमानी और सामाजिक कार्यकर्ता रामसूरत भारती ने संयुक्त रूप से सम्मानित किया। मौके पर वार्ड के सभी सफाईकर्मियों को अंगवस्त्र के साथ सैनेटाइजर, मास्क, साबुन आदि देकर सम्मानित किया गया।

मौके पर बद्री भाई, रमेश टिकमानी, अनिल भारतीया मौजूद थे। मौके पर रमेश टिकमानी ने कहा कि सफाई योद्धाओं का सम्मान स्वास्थ्यकर्मियों के सम्मान के बाद सबसे महत्वपूर्ण सम्मान है। कहा कि कोरोना महामारी के बीच उनके कार्यों की जितनी प्रशंसा की जाये कम है।

राहत

वार्ड 48 में राहत वितरण करते डिप्टी मेयर मानमर्दन शुक्ला व पार्षद मो. हसन।

डिप्टी मेयर ने वार्ड 48 में बांटी राहत सामग्री

मुजफ्फरपुर। डिप्टी मेयर मानमर्दन शुक्ला ने रविवार को वार्ड संख्या 48 में स्थानीय पार्षद मो. हसन के आवास पर गरीब व जरूरतमंदों के बीच राहत सामग्री का वितरण किया। रोजा के मद्देनजर अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों को विशेष तौर पर उनके बीच भी राहत सामग्री का वितरण किया। राहत वितरण में वार्ड पार्षद संतोष महाराज, अधिवक्ता संजय सिन्हा व स्थानीय वार्ड पार्षद मो. हसन ने भी डिप्टी मेयर के साथ राहत वितरण किया।

पारू में मास्क व साबुन का किया वितरण

पारू। साहेबगंज विधानसभा क्षेत्र के भाजपा के वरीय नेता भूपाल भारती ने फुलाढ़, छाप, कटारू, सरमस्तपुर व फतेहाबाद गांव की महादलित बस्ती में सैनेटाइजर मास्क और साबुन वितरण किया। लोगों को कोरोना से बचने का उपाय बताया गया। उन्होंने वितरण करते हुए लोगों से कहा कि कम से कम दिनभर चार से पांच बार साबुन से हाथ धोये। कोरोना वॉरियर्स को भी सम्मानित किया गया।

कांटी में जरूरतमंदों के बीच राहत वितरण

कांटी। यशोदामठ महादलित टोला के जरूरतमंद परिवारों के बीच भाजपा जिला उपाध्यक्ष हरिमोहन चौधरी ने राशन सामग्री व मास्क का वितरण किया। राजद नेता हैदर आजाद के साथ मुखिया विश्वजीत कुमार, प्रेमशंकर राय, मोहम्मद नसरुद्दीन ने गोदाई फुलकाहा, हरचंदा समेत अन्य गांवों में खाद्य सामग्री व मास्क, साबुन का वितरण किया। इस दौरान सोशल डिस्टेंसिग का पालन करने की अपील की गई।

मीनापुर में महिला को राशन सामग्री देते विधिक सेवा प्राधिकार के सदस्य।

प्राधिकार ने असहाय परिवारों को दिया राशन

मुजफ्फरपुर। जिला विधिक सेवा प्राधिकार ने लॉकडाउन के कारण कमाई बंद होने से परेशानी झेल रहे मीनापुर के तीन परिवारों को राहत सामग्री दिया। स्थानीय पीएलवी मुन्ना आलम, शंकर कुमार ठाकुर व प्राधिकार के कर्मी दिनेश कुमार ने गोसाई बनुआ पंचायत के बेलाही लच्छी निवासी सावित्री देवी, तुर्की पश्चिमी पंचायत के यादव टोला के अनिता देवी व टेंगरारी टोले धपहर के काली सहनी को राहत सामग्री सौंपा। प्राधिकार के सचिव राजीव रंजन सिंह ने कहा कि प्राधिकार की ओर से लगातार मदद की जा रही है।

मड़वन में कई पार्टियों ने किया राहत वितरण

मड़वन। बीजेपी जिला उपाध्यक्ष हरिमोहन चौधरी ने भटौना में करीब एक सौ जरूरतमंदों के बीच खाद्य सामग्री का वितरण किया। उधर, राजद के पूर्व प्रत्याशी हैदर आजाद ने रक्सा, कटहा, बिशुनपुर, हरचंदा, गोदाई फुलकहां, गोविंद फुलकाहा आदि जगहों पर लोगों के बीच मास्क व साबुन का वितरण किया। वहीं असहायों के बीच खाद्य सामग्री का भी वितरण किया गया।

जनप्रतिनिधियों ने किया राहत वितरण

सकरा। सकरा के जिला पार्षद अंजय मेहता की ओर से सिराजाबाद पंचायत के वार्ड दो के गरीब परिवारों के बीच खाद्य सामग्री का वितरण किया गया। पूर्व प्रमुख सह राज्य परिषद सदस्य जदयू अनिल कुमार राम और मुखिया सोना देवी ने रविवार को डिहुली इश्हाक पंचायत में गरीब असहाय परिवारों के बीच राहत सामग्री का वितरण किया।

एनएसएस ने दो हजार मास्क का किया वितरण

मुजफ्फरपुर। रामेश्वर कॉलेज के एनएसएस स्वयंसेवकों ने 20 दिन में 2 हजार मास्क बांटे। यह मास्क शहर व इससे सटे कई इलाकों में एनएसएस स्वयंसेवकों ने बांटे। एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ. व्यास नंदन शास्त्री ने कहा कि मुशहरी की बड़ा जगन्नाथ पंचायत के छिट भगवतीपुर, दुल्लहपुर गांव में 300 मास्क व साबुन स्वयंसेवकों ने वितरित किया।

पूर्व सैनिक संघ ने कांटी में बांटी राहत सामग्री

मुजफ्फरपुर। बिहार राज्य पूर्व सैनिक संघ की प्रखंड इकाई कांटी के सदस्यों ने रविवार को कांटी के विभिन्न इलाकों में जरूरतमंदों के घर जाकर राहत सामग्री का वितरण किया। कांटी प्रखंड के काबिलपुर, मुबारकपुर, कुशी, पोखरैरा, अकुराहां व रामपुर गांव के करीब 154 जरूरतमंद वृद्ध, दिव्यांग व लाचर परिवारों के बीच राहत वितरण किया।

कोरोना से लड़ना है तो सही जीवनशैली अपनाएं

मुजफ्फरपुर। सात्विक भोजन, सही व्यवहार, प्रकृति के अनुसार जीवनशैली अपनाएं तो कोरोना जैसी बीमारी नहीं होगी। यह महामारी हमारी खराब जीवनशैली की वजह है। इसे वैज्ञानिक भी मान रहे हैं। यह जानकारी विश्व आयुर्वेद परिषद् मुजफ्फरपुर की ओर से आयोजित फोन पर परिचर्चा में आयुर्वेद डॉक्टरों ने आपस में साझा की। इस फोन पर परिचर्चा जिले के कई आयुर्वेद के डॉक्टरों ने भाग लिया। सभी ने समाज में आयुर्वेद के महत्व व इसकी उपचार पद्धति अपनाने के लिए जागरूकता अभियान चलाने का फैसला लिया। कार्यक्रम में परिषद् के जिलाध्यक्ष डॉ. रमेश कुमार सिंह, सचिव डॉ. सुरेश साह, महिला प्रकोष्ठ प्रमुख डॉ. उषा कुमारी आदि मौजूद थे।

प्रवासियों ने कहा, 14 दिन पूरे होने पर जाएंगे घर

5 जगह 5 रिपोर्टर

लॉकडाउन में फंसे प्रवासियों का पहला जत्था जिले के विभिन्न क्वारंटाइन सेंटर पर पहुंचा। चाक चौबंद व्यवस्था में सभी को क्वारंटाइन किया गया है। हिन्दुस्तान की टीम जब प्रवासियों से मिलकर उनका हाल जाना तो परेशानियों के बावजूद सभी के चेहरे पर अपनी जमीन पर पहुंचने की खुशी दिखी। क्वारंटाइन सेंटर की व्यवस्था से भी सभी संतुष्ट थे। पेश है एक रिपोर्ट:

45 क्वारंटाइन सेंटर बनाए गए हैं जिले के 16 प्रखंडों में प्रवासियों के लिए

सरैया प्रखंड में बने क्वारंटाइन सेंटर में आराम करते दूसरे राज्यों से लौटे प्रवासी मजदूर।

- चाक-चौबंद व्यवस्था में क्वारंटाइन हुए प्रवासी
- क्वारंटाइन सेंटर पर पुलिस और दंडाधिकारी भी तैनात

मीनापुर प्रखंड के यदु भगत किसान महाविद्यालय में बने क्वारंटाइन सेंटर की सुरक्षा में तैनात पुलिस।

सकरा

अपनी धरती पर आकर दूर हो गई थकान व परेशानी

सकरा | हिन्दुस्तान संवाददाता

राजस्थान से 15 प्रवासी शनिवार की देर रात सकरा पहुंचे। सभी को प्रखंड के बलिहारी हाई स्कूल जगदीशपुर बघनगरी सिहो क्वारंटाइन सेंटर में रखा गया है। इनमें दस से बारह प्रवासी राजस्थान के नागनौर से आए हैं।

मुरौल के शिव नंदन हाई स्कूल में एक प्रवासी को रखा गया है। मेडिकल टीम ने जांच व स्क्रीनिंग की। प्रवासियों ने कहा कोरोना ने बहुत सताया। अब 14 दिनों तक क्वारंटाइन में रहेंगे। लॉकडाउन में दाने दाने को मोहताज थे। अपनों से दूर होने की पीड़ा और सता रही थी। ट्रेन से लौटने के दौरान भूख-प्यास से तरसते रहे। मुगलसराय में प्रशासन ने खाना व पानी देने का अभियान चला रखा था, पर ट्रेन का ठहराव कम समय होने से अधिकांश को भोजन व पानी नहीं मिला। दानापुर से मुजफ्फरपुर और फिर सकरा पहुंचा तो राहत मिली। अपनी धरती पर आकर थकान और परेशानी खत्म हो गई। क्वारंटाइन सेंटर में रहने, खाने, सोने, बिजली, पंखा, शौचालय की सुविधा दी गयी है। सकरा सीओ पंकज कुमार ने बताया कि क्वारंटाइन सेंटर पर प्रवासियों के ठहरने की समुचित व्यवस्था की गयी है।

सरैया

प्रवासियों के लिए भोजन के साथ मनोरंजन भी

सरैया | हिन्दुस्तान संवाददाता

सरैया में जगत सिंह उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मणिकपुर व प्रोजेक्ट बालिका उच्च विद्यालय सरैया को क्वारंटाइन सेंटर बनाया गया है। दोनों स्कूल एक ही कैंपस में है।

शनिवार की रात राजस्थान के नागौर से पांच मजदूर सरैया पहुंचे जिन्हें क्वारंटाइन किया गया है। प्रवासियों ने बताया कि सभी नागौर में सीमेंट प्लांट में काम करते थे। वहां से कंपनी ने बस से जयपुर स्टेशन पहुंचवाया। वहां पर स्कैनिंग जांच के बाद ट्रेन से पटना के लिए चले। पटना पहुंचने पर जांच के बाद खाना खिला कर बस से मुजफ्फरपुर भेजा गया। एमआईटी में मजदूरों ने खाना के लिए हंगामा भी किया लेकिन खाना नहीं दिया गया। इसके बाद वहां से रात में बस से सेंटर पर लाया गया। बताया कि यहां साबुन, मास्क, गमछा, लुंगी, गंजी, धोती, थाली, ग्लास, मग दिया गया है। सुबह में नाश्ता एवं दोपहर में भोजन कराया गया है। रहने, खाने सहित यहां की व्यवस्था बढ़िया है।

मड़वन

नए शौचालय का निर्माण चापाकल भी गाड़ा गया

मड़वन। प्रखंड के मड़वन स्थित गांधी जानकी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में प्रवासी मजदूरों को रखने को लेकर प्रखंड प्रशासन पूरे दिन कैंप किया। प्रवासियों को रहने, सोने, खाने, शौचालय, साफ-सफाई को लेकर चर्चा व प्लानिग की। पूर्व से जर्जर शौचालय की मरम्मत व अलग से नया निर्माण, चापाकल लगाने का कार्य तेज दिखा। कई जरूरी इंतजामों को दुरुस्त कराया। सुबह दस बजे ही प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डा. कपिलदेव रजक के निर्देश पर 23 लोगों को डा. ब्रजकिशोर प्रसाद के नेतृत्व में मेडिकल टीम ने जांच की। सभी का थर्मल सक्रीनिंग की गई। इसमें प्रथमदृष्टया सभी को सही पाया गया। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र द्वारा क्वारंटाइन सेंटर को सैनेटाइज किया गया। दोपहर में बीडीओ अरसद रजा खान के नेतृत्व में बैठक कर रणनीति तय की गई। प्रवासियों ने व्यवस्था पर संतोष जताया है। कहा कि लॉकडाउन की वजह से उनका काम बंद हो गया था। बदतर स्थिति हो गई थी।

मीनापुर

मजदूरों की सुरक्षा के लिए पुलिस व मजिस्ट्रेट तैनात

मीनापुर। यदुभगत किसान महाविद्यालय के क्वारंटाइन सेंटर में शनिवार की देर शाम 10 मजदूरों को क्वारंटाइन किया गया। इसके साथ यहां क्वारंटाइन होने वालों की संख्या अब 25 हो गई है। सभी राजस्थान, दिल्ली, यूपी, हरियाणा व महाराष्ट्र के अतिरिक्त कई अन्य जगहों से लौटे हैं। बीडीओ अमरेन्द्र कुमार ने बताया कि क्वारंटाइन में रहने वालों को सरकारी खर्चे पर चाय, नाश्ता व भोजन दिया जा रहा है। मनोरंजन के लिए टीवी लगा दिया गया है। सुरक्षा के लिए दंडाधिकारी के नेतृत्व में पुलिस तैनात है। बता दें कि महाविद्यालय में 150 लोगों के रहने की व्यवस्था है। अधिकारी ने बताया कि मजदूरों की संख्या बढ़ने पर मीनापुर हाईस्कूल में 150, मवि छितरपट्टी में 100 व मवि खेमाईपट्टी में 100 बेड के साथ क्वारंटाइन सेंटर बन कर तैयार है। किसी भी आपातकाल से निपटने के लिए प्रशासन पूरी तरह से मुस्तैद है। **(हिसं)**

बोचहां

जयपुर से लौटे मजदूर ले रहे राहत की सांस

बोचहां। क्वारंटाइन सेंटर के साफ-सुथरे कमरे में खाना खाकर मस्त मजदूर एक-दूसरे को देखकर चैन की सांस ले रहे हैं। कोई आराम कर रहा है तो कोई मोबाइल चार्ज में लगाकर मनोरंजन में व्यस्त है। हाल जानने के लिए पूछने पर लंबी सांस खींचकर बताते हैं, अपनी जगह अपनी होती है और अपने तो अपने होते हैं। यहां पहुंचकर लगता है, अब पूरी दुनिया मिल गई। सुबह में नाश्ता और दोपहर में खाना मिला। शौचालय भी साफ-सुथरा है। बस कपड़े नहीं हैं, जो बदल सके। ट्रेन से जयपुर से पटना और इसके बाद बस से मुजफ्फरपुर आए लोगों में से प्रखंड के अलग-अलग जगहों के एक बच्चे समेत आधा दर्जन मजदूर हैं। सभी प्रखंड मुख्यालय स्थित श्री पारसनाथ राजकीय मध्य विद्यालय में बने क्वारंटाइन सेंटर में पहुंचे। अस्पताल के चिकित्सकों ने सबकी जांच की है। सभी ठीक हैं। अंचलाधिकारी सत्येंद्र नारायण सिंह उनकी जरूरतों को पूरा करने में लगे हैं। **(हिसं)**

बियाडा फेज टू से हटाया जाए क्वारंटाइन सेंटर

रविवार को बियाडा में बैठक करते उत्तर बिहार उद्यमी संघ के व्यवसायी। • हिन्दुस्तान

मुजफ्फरपुर | हिन्दुस्तान प्रतिनिधि

उत्तर बिहार उद्यमी संघ की आपात बैठक रविवार को बेला इंडस्ट्रियल एरिया फेज -2 के स्वामी इंटरप्राइजेज में हुई। अध्यक्षता करते हुए संघ के अध्यक्ष शिवनाथ प्रसाद गुप्ता ने कहा कि जानकारी मिल रही है कि बियाडा फेज-2 स्थित महिला पॉलिटेक्निक कॉलेज में दूसरे प्रदेश से आने वालों के लिए क्वारंटाइन सेंटर बनाया जा रहा है, जबकि कॉलेज के आसपास व बेला फेज-2 में फूड्स प्रोसेसिंग के कारखाने हैं। यहां काम करने वाले मजदूर व स्टाफ ग्रामीण क्षेत्रों से आते हैं। इसकी जानकारी जब उनलोगों को मिली तो वे काम पर आने से कतराने लगे हैं।

अध्यक्ष ने कहा कि यदि यही स्थिति रही तो तमाम कारखानों में फिर से फूड्स प्रोसेसिंग का प्रोडक्शन कार्य प्रभावित हो जाएगा। लॉकडाउन में बड़ी मुश्किल से मजदूरों व स्टाफ को तैयार कर काम पर लाया गया था। उद्यमियों ने सर्वसम्मति से निर्णय लेते हुए इस क्वारंटाइन सेंटर को महिला पॉलिटेक्निक कॉलेज से अलग कहीं अन्यत्र शिफ्ट करने की मांग की है। बैठक के बाद संघ का एक शिष्टमंडल ने महाप्रबंधक जिला उद्योग केंद्र व बियाडा को ज्ञापन सौंपा। बैठक में संघ के महासचिव विक्रम कुमार, विजय कुमार चौधरी, कुंदन कुमार, अमरेश किशोर, संजय कुमार, त्रिवेणी चौधरी, प्रकाश कुमार वर्मा मौजूद थे।

कुढ़नी में 27 प्रवासी मजदूरों को रखा

कुढ़नी। किशनपुर पंचायत स्थित उच्च विद्यालय में रविवार को 27 प्रवासियों को क्वारंटाइन किया गया। पीएचसी प्रभारी धर्मेन्द्र कुमार ने बताया कि यहां देखभाल व जांच के लिए डॉक्टरों की टीम तैनात है। खाने-पीने की व्यवस्था की गई है। प्रवासियों के परिजन को सेंटर पर आवाजाही करने से मना किया गया है। (एसं)

बदहाली देख छात्रों ने लौटने का इरादा छोड़ा

मुजफ्फरपुर | चंदन चौधरी

व्यवस्था से खुश नहीं
- 21 दिन तक परिवार से अलग रहने के लिए तैयार नहीं
- कोटा में पढ़ाई कर रहे जिले के कई छात्रों ने किया इनकार
- सेंटर में बिजली, पानी व शौचालय आदि की किल्लत

क्वारंटाइन सेंटरों की स्थिति देखकर कोटा व दूसरे शहरों में रह रहे सैकड़ों छात्रों ने लौटने का इरादा छोड़ दिया है। परदेसों में पढ़ाई कर रहे छात्र-छात्राएं 21 दिनों तक परिवार से अलग क्वारंटाइन सेंटरों में रहने के लिए तैयार नहीं हैं। सेंटरों में बिजली, पानी व शौचालय आदि की कमी के कारण बड़ी संख्या में छात्र व छात्राएं कोटा, पुणे व दिल्ली आदि शहरों से आने का प्लान स्थगित करने लगे हैं।

कोटा में पढ़ाई कर रहे हथौड़ी के राहुल कुमार, उसके साथी पुष्कर व सौरभ आदि छात्रों ने बताया कि अपने-अपने घर लौटने के लिए रजिस्ट्रेशन कराया जा रहा है। रजिस्ट्रेशन के दौरान घर जाने से पहले 14 से 21 दिनों तक क्वारंटाइन सेंटर में रहने की बात कही जा रही है। यह भी जानकारी मिली है कि क्वारंटाइन सेंटरों में पानी, शौचालय व रौशनी समेत रहने के लिए जरूरी सुविधाओं की किल्लत है। इस स्थिति में एक दिन भी सेंटर में बिताना मुश्किल हो सकता है। वहीं एक ही सेंटर में मजदूरों व छात्रों को रहने की व्यवस्था की गई है। राहुल व उसके साथियों ने बताया कि कोटा रह रहे सैकड़ों छात्रों ने घर लौटने का इरादा छोड़ दिया है। कोटा से लौटने में भी बहुत परेशानी झेलनी पड़ सकती है। डेढ़ माह लॉकडाउन की बंदिश झेल चुके हैं। 15 दिनों के बाद स्थिति सामान्य होने लगेगी। छात्रों ने बताया कि फिलहाल घर लौटने का प्लान रद्द कर आगे की पढ़ाई शुरू कर दी है।

कटरा में क्वारंटाइन सेंटर से प्रवासी फरार

कटरा। मध्य विद्यालय कटरा को क्वारंटाइन सेंटर बनाया गया है। उसमें रविवार की शाम तक 14 प्रवासी मजदूर को रखा गया है। हालांकि यहां से मोहनपुर का एक युवक चुपके से भाग निकला जिसकी खोज प्रशासन के लोग कर रहे हैं। प्रखंड मुख्यालय स्थित मध्य विद्यालय कटरा व पंचायत सरकार भवन कटरा को सेन्टर बनाया गया है जिसमें 22 पंचायत के प्रवासियों को रखा जाएगा। बीआरपी राकेश कुमार ने बताया कि सेंटर में लाये गए मजदूरों को सारी सुविधाएं मुहैया कराई है।

छात्राओं के लिए महिला पॉलिटेक्निक कॉलेज में क्वारंटाइन सेंटर

मुजफ्फरपुर | वरीय संवाददाता

दूसरे राज्यों से आने वाली छात्राओं को महिला पॉलिटेक्निक कॉलेज में बने क्वारंटाइन सेंटर में रखा जाएगा। इसके मद्देनजर रविवार को डीएम डॉ. चंद्रशेखर सिंह ने कॉलेज का निरीक्षण किया। उन्होंने बताया कि सुरक्षा के लिहाज से छात्राओं को प्रखंड के क्वारंटाइन सेंटर में नहीं रखा जाएगा। सभी छात्राओं को जिला मुख्यालय में बने क्वारंटाइन सेंटर में रखा जाएगा।

डीएम ने पांच मई को केरल से प्रवासी मजदूरों को लेकर आ रही ट्रेन के मद्देनजर मुजफ्फरपुर जंक्शन का भी निरीक्षण किया। इस दौरान मजदूरों की स्क्रीनिंग, निबंधन व सुरक्षा के इंतजामों का जायजा लिया। साथ ही अधिकारियों को कई दिशा-निर्देश दिए। अपर समाहर्ता, आपदा विभाग अतुल कुमार वर्मा को निर्देश दिया कि इस संबंध में रेलवे से समन्वय बनाकर रखें ताकि रेलवे स्टेशन पर बाहर से आने वाले लोगों का निबंधन व समुचित स्क्रीमिंग की जा सके। इससे पहले एमआईटी के सभाकक्ष में उनकी अध्यक्षता में वाहन कोषांग व क्वारंटाइन कोषांग की बैठक हुई। इसमें एसएसपी जयंतकांत भी उपस्थित थे। वाहन कोषांग के नोडल पदाधिकारी जिला परिवहन अधिकारी ने बताया कि अबतक जिले में बाहर से आने वालों की संख्या 168 है, जिन्हें विभिन्न प्रखंडों के क्वारंटाइन सेंटरों पर भेजा गया है। सोमवार को बिहार से बाहर के कुल 132 लोग ट्रेन के माध्यम से दानापुर पहुंचेंगे, जिन्हें बसों से जिले में लाया जाएगा।

रविवार को जंक्शन का निरीक्षण करते डीएम व साथ में अन्य अधिकारी। • हिन्दुस्तान

65 सौ प्रवासियों के लिए 50 क्वारंटाइन सेंटर

बैठक में अधिकारियों ने बताया कि प्रखंडों में 45 और जिला मुख्यालय में पांच क्वारंटाइन सेंटर बनाए गए हैं, जिसकी क्षमता लगभग 6500 है। आवश्यकता पड़ने पर इन केंद्रों की संख्या में वृद्धि भी की जा सकती है। बैठक में नगर आयुक्त मनेश कुमार मीणा, उप विकास आयुक्त उज्जवल कुमार सिंह आदि मौजूद थे।

बाहर से लौटने वालों की करें समुचित स्क्रीनिंग

डीएम ने निर्देश दिया कि बाहर से आने वाले सभी लोगों को क्वारंटाइन सेंटरों पर रखें। आवासन व भोजन का उचित प्रबंध करें। जो पब्लिक ट्रांसपोर्ट से जिले में पहुंच रहे हैं या जो निजी वाहनों से जिले में नियमानुसार आ रहे हैं, स्वास्थ्य विभाग के माध्यम से सबकी प्रॉपर स्क्रीनिंग कराते हुए क्वारंटाइन करना सुनिश्चित करें।

साहेबगंज में एसडीओ ने किया सेंटर का निरीक्षण

साहेबगंज। एसडीओ पश्चिमी अनिल कुमार दास ने सीएन कॉलेज स्थित क्वारंटाइन सेंटर का निरीक्षण किया। क्वारंटाइन सेंटर में रह रहे युवकों से बात की। सेंटर के रखरखाव व स्थिति का अवलोकन किया। पीएचईडी के अभियंता को कॉलेज परिसर में चापाकल गाड़ने, जीर्णशीर्ण शौचालय की मरम्मत कराने का निर्देश दिया।

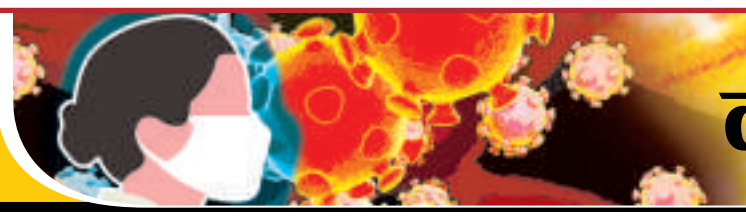

लॉकडाउन में किताबों से दोस्ती मनोबल बढ़ाएगी

कोरोना से डरिए मत सावधान रहिए

कहते हैं कि किताबे हमारी सच्ची दोस्त होती हैं। वक्त मुसीबत का हो या अकेलेपन का, किताबों से मिलने वाले विचार हमें हर चुनौती से लड़ने की सलाहियत देते हैं और वक्त गुजारने की हिम्मत भी। लॉकडाउन के 40 दिन बीत चुके हैं, किताबें पढ़ने के शौकीन इस वक्त को बेशकीमती मानते हुए अपनी पसंदीदा किताबों में रमे हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि इंटरनेट सर्फिंग के मुकाबले किताबें पढ़ते हुए गुजारा जाने वाले वक्त ज्यादा गुणवत्तापूर्ण होता है और किताबें मनोबल बढ़ाती हैं।

सेहत में मददगार

ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय प्रेस के अध्ययन के मुताबिक, किसी रोचक या चुनौतीपूर्ण भाषा को पढ़ने से मस्तिष्क को ऊर्जा मिलती है जो हमारी मानसिक सेहत के लिए लाभदायक है। यह अध्ययन कहता है कि किताब पढ़ना एक तरह की थेरेपी जैसा है, जिसे दवा न भी माना जाए तो दवा के असर में इजाफा करने वाला तो कहा ही जाएगा। इस थेरेपी का असर दीर्घकालिक है।

उम्र बढ़ाएगी पढ़ने की आदत

येल यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ पब्लिक हेल्थ ने 2016 के अध्ययन में पाया कि जिन लोगों को रोज पढ़ने की आदत होती है, वे न पढ़ने वालों के मुकाबले लंबा जीते हैं। इसका कारण पाया गया कि पढ़ने की आदत के विकसित होने के 12 साल बाद ऐसे लोगों में मृत्यु के खतरे 20 प्रतिशत तक घट जाते हैं। अध्ययनकर्ताओं ने पाया कि किताबें न पढ़ने वाले लोग ज्यादा तनाव व रोगग्रस्त रहते हैं, जिससे उनमें मृत्यु होने के खतरे ज्यादा रहते हैं।

कल्पनाओं की सैर जरूरी

लॉकडाउन जैसे दौर में हम हर वक्त तनाव महसूस करते हैं जो कि खतरनाक रूप ले सकता है। ऐसे में जरूरी है कि हम खुद को कुछ देर के लिए उस दुनिया में ले जाएं जहां आपके सपनों और कल्पनाओं का संसार हो। न्यूयॉर्क के द न्यू स्कूल फॉर सोशल रिसर्च के निष्कर्ष हैं कि फिक्शन स्टोरी या काल्पनिक उपन्यास पढ़ने से हम कुछ देर के लिए हाल की समस्याओं से दूर होते हैं जो हमारे अंदर नई ऊर्जा का संचार करता है। ये उन्यास थ्योरी ऑफ माइंड को सुधारते हैं जिससे हम अपने व्यक्तित्व के ही नए तरह के विचारों की ओर ध्यान दे पाते हैं।

बच्चों को किताबें पढ़ने के लिए ऐसे करें प्रोत्साहित

- बताएं कि किताबें पढ़ने से हमारा भाषा ज्ञान व शब्दकोश बढ़ता है।
- किसी विषय की गहरी जानकारी पता लगती है जिससे संवाद क्षमता बढ़ती है।
- कहानी पढ़ने से मन में आगे जानने की उत्सुकता और कल्पनाशक्ति बढ़ती है।
- विजुअल कंटेंट देखते समय हम विजुअल पावर में बंध जाते हैं और आगे नहीं सोच पाते।
- किताबें पढ़ना याददाश्त को बढ़ाने के साथ-साथ हमें प्रेरित करती हैं।

बेहतर नींद आती है

सोने से पहले किताब पढ़ने की आदत से अच्छी नींद आती है। इसका कारण है कि हम अपनी उठापटक भरी जिंदगी में हजारों विचारों से घिरे रहते हैं जिससे हमारा मन अशांत रहता है। ऐसे विचारों से ध्यान हटाने के लिए किताब पर ध्यान केंद्रित करना बेहतर होता है। किसी एक चीज पर ध्यान केंद्रित होने से कंसंट्रेशन पावर बढ़ती है जो नींद लाने में सहायक है।

ई-बुक से दोस्ती

आपको भले पीले पन्ने की महक के बिना किताब पढ़ना बेमानी लगता हो पर अपने बच्चों की किताबों से दोस्ती कराने के लिए आपको ई-बुक से पहले खुद दोस्ती करनी होगी। विशेषज्ञ कहते हैं कि बच्चे अपनी कोर्स बुक पढ़ने के बाद कहानी या दूसरी किताबें पढ़ने में मानसिक भार महसूस करते हैं, ऐसे में अगर वे ई-बुक पढ़ने को तैयार हैं तो आपको उन्हें वह विकल्प देना चाहिए। बच्चों के साथ खुद भी ई-बुक पढ़ें और ई-लाइब्रेरी की सामग्री का लाभ उठाएं। हालांकि स्क्रीन टाइम का ध्यान रखना भी जरूरी है।

लॉकडाउन में बेला इमली चौक क्षेत्र के रिक्शा और ऑटो चालकों की स्थिति बदहाल, सहायता की आस में लगाए हैं टकटकी

बंद हुआ रोजगार तो दाने-दाने को हुए मोहताज

हिन्दुस्तान घंटी बजाओ

मुजफ्फरपुर | हिन्दुस्तान प्रतिनिधि

लॉकडाउन के कारण कई लोगों पर मुसीबतों का पहाड़ टूट पड़ा है। कितनों के काम धंधे बंद हो गए तो किसी का रोजगार छीन गया। लोग अपने-अपने घरों में बैठकर सहायता की आस में टकटकी लगाए रहते हैं। कुछ ऐसी ही स्थिति बेला इमली चौक के समीप रहने वाले रिक्शा, ठेला और ऑटो चालकों का है। लॉकडाउन होने के साथ रोजगार बंद हो गया। किसी तरह एक माह तो काट दिया। लेकिन, अब दाने-दाने को मोहताज हो गए हैं।

कोरोना संक्रमण का खतरा और पुलिस के डंडे के डर से यहां के लोगों ने घरों से बाहर निकलना बंदकर दिया है। लेकिन, समस्या यह है कि जब कमाएंगे नहीं तो खाएंगे कहां से। इस तरफ किसी का ध्यान नहीं जाता है। कहीं से कोई राहत भी नहीं मिली है। अपने स्तर से जो हो सकता है वो करते हैं। स्थानीय रामचंद्र राम, ऑटो चालक राजू महतो और रिक्शा चालक पंकज महतो कहते हैं कि घर में खाने के लिए अन्न का दाना नहीं है। अपना पेट तो किसी तरह पाल लें। लेकिन, घर के सदस्यों का क्या करें। उनके लिए तो कहीं से व्यवस्था करना ही होगी। इसके लिए कर्ज भी ले चुके हैं। वे पैसा समाप्त होने को आये। ऐसा ही चलता रहा तो कर्ज कहां से चुकाएंगे।

दूसरा काम भी नहीं मिलताः मनोज सहनी, नीलम देवी, रूबी देवी और संजू देवी कहती हैं कि कोरोना के खतरे से अधिक तो भुखमरी की चिंता से बेहाल हो रहे हैं। बच्चों का भरन-पोषण करना मुश्किल हो रहा है। कोई दूसरा काम भी नहीं मिलता है, जिससे तत्काल गुजारा कर लें।

रविवार को बेला इमली चौक पर राहत सामग्री के लिए टकटकी लगाए लोग।

लोक कलाकार को राशन व अन्य सामग्री मुहैया कराते विभिन्न संगठनों के सदस्य।

केरमा में 30 परिवारों को मिला राशन, चेहरे पर लौटी खुशी

हिन्दुस्तान असर 1

मुजफ्फरपुर। केरमा में बसे सभी 30 किरोरी परिवारों को रविवार को राशन दिया गया। 'हिन्दुस्तान' में उनकी समस्या की खबर प्रकाशित होने के बाद 10 स्थानीय समाजसेवियों उनकी मदद को गांव पहुंचे। लोगों ने उनको चावल, दाल, आलू, प्याज समेत अन्य खाने की वस्तुएं दीं। इन सामग्रियों के मिलने के बाद यहां के परिवारों के 70 से अधिक लोगों के चेहरे पर खुशी लौट आयी। 75 वर्षीय छोटे कुरेरी व उनकी पत्नी शिव कुमारी देवी, विनोद कुरेरी, जयपत कुरेरी, सोम देवी, शितल कुरैरी, दिलीप कुरेरी ने राशन देने पर सभी का अभार प्रकट किया। मौके पर भीम आर्मी के मुकेश पासवान, रामबाबू सहनी, डॉ. अरविन्द कुमार, बालजीत कुमार, भोला बैठा, चंदन कुमार, शिवनंदन पासवान, इंद्र कुमार, रंजीत कुमार ने की।

रविवार को कुढ़नी के केरमा के किरोरी परिवारों में राशन वितरित करते समाजसेवी।

लोक कलाकारों की मदद को बढ़े कई हाथ

मुजफ्फरपुर। अपनी कला के जरिए जिले व सूबे का मान बढ़ाने वाले लोक कलाकार भी लॉकडाउन की वजह से संकट में हैं। आपके अपने अखबार 'हिन्दुस्तान' ने 'संकट में हैं जिले के कलाकार और हुनरमंद' खबर प्रकाशित कर उनकी पीड़ा को साझा किया। इसके बाद कई संगठनों ने इन कलाकारों की मदद के लिए हाथ बढ़ाया है। इन कलाकारों के घर पर जरूरत का सामान पहुंचाया गया है। वे कलाकार जो गीत गाकर, आयोजनों में अपनी कला का प्रदर्शन कर कमाई करते थे, उनके सामने भुखमरी की स्थिति है। कलाकार सुनील कुमार, शिव कुमार आदि कहते हैं कि सबसे दुखद यह है कि कलाकार किसी के सामने हाथ भी नहीं फैला सकते। 'हिन्दुस्तान' में खबर छपने के बाद सूर्या देवी मेमोरियल ट्रस्ट समेत कई लोगों ने मदद की है। खाने-पीने का सामान पहुंचाया गया है। मालीघाट मोहल्ले में बड़ी संख्या में कलाकार के परिवार हैं। वहीं, राहत पाकर इन कलाकारों ने खुशी जतायी है। (व.सं.)

बाजार का हाल

आलू, प्याज व चना के दाम में गिरावट

मुजफ्फरपुर। लॉकडाउन के बीच कालाबाजारियों पर लगाम रखने और लोगों को राहत देने के उद्देश्य से जिला प्रशासन बाजार पर नजर रख रहा है। रविवार को भी बाजार समिति में खाद्य सामाग्री का नया थोक व खुदरा दर जारी किया गया।

सामग्री	3 मई प्रति किलो/लीटर	एक अप्रैल
आटा	22 से 24 रुपये	30 रुपये
चावल मध्यम	28 रुपये	28 रुपये
चावल उसना	27 रुपये	29 रुपये
चावल अरवा	32 से 35 रुपये	32 से 35 रुपये
चावल फाइन	34 से 40 रुपये	34 से 40 रुपये
रहर दाल	81 से 82 रुपये	85 रुपये
चना दाल	53 से 59 रुपये	65 से 68 रुपये
मसूर दाल	62 से 66 रुपये	62 से 69 रुपये
मूंग दाल	108 से 110 रुपये	105 रुपये
सरसो तेल सलोनी	107 रुपये	107 रुपये
सरसो तेल धारा	105 रुपये	108 रुपये
तेल हाथी मार्का	115 रुपये	111 रुपये
सरसो तेल अन्य	90 से 95 रुपये	105 रुपये
रिफाईन नेचर फ्रेश	102 रुपये	106 रुपये
रिफाईन फॉर्चून	103 रुपये	106 रुपये
रिफाईन धारा	103 रुपये	106 रुपये
रिफाईन अन्य	85 से 87 रुपये	98 रुपये
नमक	8 से 12 रुपये	8 से 12 रुपये
चना	47 से 48 रुपये	60 से 62 रुपये
काबली चना	51 से 53 रुपये	62 से 68 रुपये
मैदा	24 से 25 रुपये	30 रुपये
चीनी	36 से 37 रुपये	37 से 38 रुपये
लहसून	60 से 63 रुपये	60 से 70 रुपये
मटर	53 से 55 रुपये	57 से 62 रुपये
आलू सफेद	17 से 18 रुपये	14 से 16 रुपये
आलू लाल	18 से 19 रुपये	16 से 17 रुपये
प्याज नासिक	10 से 11 रुपये	18 से 19 रुपये
प्याज इंदौर	10 से 11 रुपये	17 से 19 रुपये
लाल मिर्चा	160 से 165 रुपये	160 रुपये

गांव में दूध से आलू व लहसुन से बदल रहे चावल

औराई | एक संवाददाता

वस्तु विनियम का दौर

- लॉकडाउन में बाहर निकलने से गांव के लोग कर रहे परहेज
- विस्थापितों के साथ गांवों में अदलैन बदलैन का प्रचलन तेज

कोरोना संकट ने लोगों को कई चीजें सिखा दी। लॉकडाउन में बाहर निकलना मुश्किल हो गया तो लोग सदियों पुरानी परंपरा की ओर लौटे। अब फिर से गांवों में वस्तु विनिमय यानी एक सामान के बदले दूसरा सामान लेने-देने का दौर शुरू हो गया है। लोग गांव में ही एक दूसरे से जरूरत के सामान अदला बदली कर ले रहे हैं और बाहर जाने से बच रहे हैं।

इन दिनों औराई के विस्थापित गांवों में यह खुब देखने को मिल रही है। बागमती तटबंध उत्तरी व दक्षिणी के बीच बसे एक दर्जन गांवों में लोग अपने खेतों में उपजे लहसुन देकर चावल तो दूध देकर आलू, गेहूं देकर मक्का तो भिंडी देकर ग्रामीण चिकिक्सक से दवा बदलैन कर रहे हैं। वस्तुओं की कीमत के अनुसार उसका उसका वजन तैय होता है। रामपुर के राजकुमार राय ने बताया कि वे किसान हैं सब्जी व दूध देकर गांव के दुकानदार से बीज लिए हैं। उर्वरक की जगह गोबर का इस्तेमाल कर रहे हैं। बभनगावां के अशोक ठाकुर बताते हैं बैंक जाने में परेशानी है। कुछ लोगों के पास रुपये भी नहीं हैं। ऐसे में जरुरत की चीजें अदला बदली कर काम चला रहे हैं और बाजार जाने से परहेज कर रहे हैं। बेसी गांव के सब्जी उत्पादक किसान रविन्द्र सिंह ने बताया कि मजदूरों को भी रुपये के बदले अनाज व जरुरत की चीजें दी जा रही है।

आरोग्य सेतु एप बन रहा वरदान

मुजफ्फरपुर। आरोग्य सेतु एप प्रवासियों के लिए वरदान साबित हो रहा है। इससे उन्हें पूरी जानकारी मिल रही है। घर पहुंचते ही प्रवासी यह एप इंस्टॉल कर रहे हैं। इससे उन्हें पता चल पा रहा है कि वे किस जोन में हैं। यह खतरे से बचने को आगाह करा रहा है। कुढ़नी के चढ़ुआ स्कूल के प्रधानाध्यापक रामनरेश पंडित ने बताया कि एप इंस्टॉल करने से लोगों में कोरोना का भय कम होने लगा है।

कोरोना से मुक्ति के लिए घर-घर हुआ यज्ञ

मुजफ्फरपुर | कार्यालय संवाददाता

सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा, नई दिल्ली के आह्वान पर कोरोना से मुक्ति को रविवार को आर्य समाज के लोगों के घर-घर में यज्ञ किया गया। पूरे परिवार ने आहुति डाल कोरोना से निजात की कामना की। इस दौरान वेद, गायत्री मंत्र व महामृत्युंजय मंत्रोच्चारण गूंजते रहे।

प्रतिनिधि सभा के मंत्री प्रो. व्यासनंदन शास्त्री ने बताया कि विशेष प्रकार की जड़ी-बूटियों से यज्ञ में आहुति डाली गई है। इससे वायरस का खात्मा होगा और वातावरण शुद्ध हो जाएगा। डॉ. देवानंद आर्य, विमल किशोर उप्पल, सत्येन्द्र नारायण शर्मा, दीपक पाहुजा, अरुण कुमार आर्य, सुशीला देवी, मनोज कुमार व अनिल कुमार समेत कई लोगों के घरों में हवन पूरी निष्ठा के साथ किया गया है।

कोरोना से मुक्ति के लिए गुरुद्वारा में की विशेष अरदास

मुजफ्फरपुर। कोरोना से मुक्ति के लिए रविवार को कलमबाग चौक स्थित गुरुद्वारा कीर्तनगढ़ में नागरिक मोर्चा व गुरुद्वारा कमेटी ने विशेष अरदास की गई। इस दौरान संपन्न लोगों से भूखों व असहायों की मदद करने और उनके बीच अन्न दान करने की अपील की गई। मौके पर मोहन प्रसाद सिन्हा, सत्येन्द्र कुमार सत्येन, जयमंगल राम, रवि आनंद, सरदार हरि सिंह, सरदार सुखवंत सिंह व सरदार योगेन्द्र सिंह थे।

राशन कार्ड रद्द होने पर उपभोक्ताओं का हंगामा

मोतीपुर | एक संवाददाता

राशन कार्ड रद्द होने से उपभोक्ताओं ने रविवार को प्रखंड की कोड़ीगांवा पंचायत के डीलर की दुकान पर आपूर्ति विभाग के खिलाफ उपभोक्ताओं ने जमकर नारेबाजी की। गुस्साए उपभोक्ता मौके पर एमओ सहित वरीय अधिकारियों को बुलाने की मांग कर रहे थे।

सिसवां गांव की ललिता देवी, पूनम देवी, नीलम देवी, ममता देवी, मनोज ठाकुर, रौशन कुमार, नगीना कुंवर, अनिल गुप्ता, अंशु कुमारी, मालती देवी, सुनीता देवी, वीणा देवी आदि उपभोक्ताओं ने बताया कि कई सालों से अनाज मिलता था। लॉकडाउन के कारण लोगों की आर्थिक स्थिति चरमरा गई है। रोजी रोटी के लाले पड़े हैं। उपभोक्ताओं ने बताया कि जब राशन के लिए डीलर उमेश शर्मा की दुकान पर गए तो पॉश मशीन पर उन लोगों का राशन कार्ड रद्द बता रहा था। इसके कारण डीलर राशन देने से साफ इंकार कर दिया। बाद में डीलर व गांव के लोगों ने उपभोक्ताओं को समझाकर शांत कराया। इधर, एमओ प्रदीप कुमार झा ने बताया कि कार्ड किस परिस्थिति में रद्द हुआ है इसकी जांच होगी।

जरूरतमंदों तक राशन पहुंचा रही जीविका टीम

सकरा | अरुण कुमार सिंह

गरीब परिवार के बच्चे जेई व एईएस की चपेट में अधिक आते हैं। इसमें सबसे अधिक खाली पेट सोने, कुपोषण की चपेट में आकर कमजोर होने वाले बच्चे शामिल होते है। कोरोना से उत्पन्न संकट व लॉकडाउन से गरीब जीविका सदस्यों के घरों में चूल्हे बन्द नहीं हो।

जीविका की दीदियों ने जीविका के तत्वावधान में सरकार की अनाज सुरक्षा निधि योजना से जीविका समूहों के चिह्नित गरीब व निर्धन जीविका दीदियों के परिवार में अभियान चलाकर अनाज व पौष्टिक सामान पहुंचा रही है। ये बातें जीविका बीपीएम ने कही। चिह्नित जीविका दीदियों के घरों तक चावल, आटा, दाल, सोयाबीन, तेल, चना और मिठ्ठा और ग्लूकोच तक पहुंचा रही है। इन खाद्य सामग्रियों की कीमत दीदियों से तीन महीने में ग्राम संगठन वसूल करेगा। सकरा में चिह्नित 6743 परिवारों में खाद्य सामग्री वितरण अंतिम दौर में है। इन गरीब परिवारों में राशन सुनिश्चित करने के लिये खाद्यन्न सुरक्षा निधि योजना के अंतर्गत 33676723 रुपये खर्च किया गया है। इन सामान की कीमत चावल 25 से 31 रुपये, दाल मसूर 71 रुपये, चना 50 से 55 रुपये, मिठ्ठा 40 से 45 रुपये, तेल 106 से 115 रुपये और ग्लूकोच 105 रुपये प्रति किलो देना होगा।

> एईएस व जेई मुख्य रूप से उन्हीं बच्चों को हो रहा है जो कुपोषित है, खाली पेट धूप में खेलते व रात में सोते है। इसमें ग्लूकोच की मात्रा कम हो जाती है। जीविका की ओर से गरीब दीदियों के परिवार को चिह्नित कर राशन व ग्लूकोच कि उपलब्धता खाद्यान सुरक्षा निधि योजना से सुनिश्चित करा रही है। जो बाजार कम कीमत पर है।
> -मनोज कुमार, बीपीएम, जीविका

स्वास्थ्य विभाग बिहार सरकार

NATIONAL HEALTH MISSION
राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन
NATIONAL URBAN HEALTH MISSION

राष्ट्रीय शहरी स्वास्थ्य मिशन

(National Urban Health Mission - NUHM)

स्वस्थ बिहार समृद्ध बिहार

NUHM सरकार द्वारा संचालित एक महत्वाकांक्षी मिशन है। NUHM का लक्ष्य शहरी स्वास्थ्य स्थिति में सुधार विशेषकर स्लम, प्रवासी और बेघर कमजोर गरीब आबादी को गुणवत्तापूर्ण बुनियादी स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराना है। वर्त्तमान में राष्ट्रीय शहरी स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत राज्य के 25 शहरों यथाः औरंगाबाद, बेगुसराय, भागलपुर, भोजपुर, दरभंगा, कटिहार, मुंगेर, मुजफ्फरपुर, नालंदा, पटना, दानापुर, पुर्णिया, सासाराम, डेहरी डालमियानगर, सहरसा, गया बेतिया, बगहा, जहानाबाद, नवादा, बक्सर, मोतिहारी, हाजीपुर, सारण एवं सीवान में शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों (UPHCs) का संचालन किया जा रहा है।

शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र अन्तर्गत निम्न मुफ्त स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ उठाया जा सकता हैः-

- ओ०पी०डी० की सुविधाएँ (संचालन अवधिः पूर्वाह्न 11.00 बजे से अपराह्न 7.00 बजे तक)
- मातृत्व एवं बाल स्वास्थ्य सेवाएँ
- मुफ्त दवा वितरण
- नियमित टीकाकरण
- परिवार नियोजन
- गैर संचारी रोगों की जाँच, परामर्श एवं रेफरल
- आवश्यक पैथोलॉजी जाँच
- परामर्शी एवं रेफरल सेवा
- पटना जिला अंतर्गत UPHC में नेत्र जाँच एवं परामर्श सेवा
- UPHC अंतर्गत प्रत्येक माह विशेष स्वास्थ्य शिविर का आयोजन
- शहरी स्वास्थ्य, स्वच्छता एवं पोषण दिवस (UHSND) का आयोजन

शिकायत/सुझाव एवं शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों के पता की जानकारी हेतु 104 पर कॉल करें।

कार्यपालक निदेशक
राज्य स्वास्थ्य समिति, बिहार -सह- अपर सचिव, स्वास्थ्य विभाग

PR No - 017723 (Ni Ni) D. 2019-20

• SHSBihar
• BiharHealthDepartment

राज्य स्वास्थ्य समिति, बिहार
परिवार कल्याण भवन, शेखपुरा, पटना- 800 014

Website www.statehealthsocietybihar.org
Twitter @BiharHealthDepartment

अवैध शराब एवं मादक द्रव्य के सम्बंध में शिकायत टॉल फ्री नं. 18003456268 या 15545 पर करें।

लीची नहीं बिकने की आशंका से बीमार पड़ने लगे किसान

मीनापुर | कौशलेन्द्र झा

संकट में अन्नदाता

- व्यापारी के नहीं आने से उड़ी किसानों की नींद
- पैदावार अच्छी पर आमदनी की उम्मीद नहीं

मीनापुर में लीची से लदे पेड़ों को देखकर किसानों को अच्छी पैदावार और बेहतर आमदनी की उम्मीद पर पानी फिरता हुआ दिखने लगा है। क्योंकि, लॉकडाउन की वजह से व्यापारी नहीं आ रहे हैं। इससे हताश किसान अब बीमारी के शिकार होने लगे हैं। आलम ये है कि खरीदा हुआ बगान देखने को व्यापारी नहीं आ रहे हैं। किसानों के मन में सवाल उठने लगा है कि 17 मई के बाद भी लॉकडाउन जारी रहा और ट्रेन नहीं चली तो लीची बिहार से बाहर कैसे जायेगी और यदि लीची बाहर नहीं गई तो क्या होगा? सोच कर कई किसान बीमार पड़ चुके हैं।सहजपुर के लीची उत्पादक किसान भोला प्रसाद सिंह बताते हैं कि नुकसान की आशंका से कई रात सोये नहीं और ब्लड प्रेसर की चपेट में आकर बीमार हो गए। चार रोज पहले डॉक्टर ने फेसियल डिसऑडर की पुष्टि कर दी और अब वे विस्तर पर हैं। उनके पुत्र नीरज बताते हैं कि तीन एकड़ में लीची के बगान है। व्यापारी तीन लाख रुपये में खरीद भी चुका है और जनवरी में 25 हजार रुपये एडवांस भी कर गया था। किंतु, पिछले डेढ़ महीने से बगान को देखने कोई नहीं आया। हालात यही रहा तो एडवांस छोड़कर व्यापारी बैठ जाएगा है। 15 मई के बाद लीची पकने लगता है। लॉकडाउन और बढ़ा तो लीची पेड़ पर ही रह जाएगा।

मीनापुर के बाग में लीची के पौधे पर फल बड़े हो गए हैं। अब इनमें लाली आने लगेगी।

हो जाएंगे बर्बाद

यहां भोला सिंह अकेला नहीं हैं गांव के लीची उत्पादक किसान उमाशंकर सिंह, अरुण कुमार, प्रदीप सिंह समेत कई अन्य किसानों ने बताया कि इस वर्ष लीची की अच्छी पैदावार होने के बाद भी किसानों की आमदनी लॉकडाउन की भेंट चढ़ गई, तो किसान बर्बाद हो जाएंगे। इससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था चरमरा जाएगी। जिले में मुशहरी के बाद लीची की सर्वाधिक खेती मीनापुर में होती है। मीनापुर के करीब 895 हेक्टेयर जमीन पर लीची के बगान हैं और इस वर्ष किसानों को अच्छी आमदनी की उम्मीद थी।

पान व फूल उत्पादकों के चेहरे की लाली गायब

- बाजार बंद होने से किसान प्रभावित
- खेतों में ही फूल और पान को फेंक रहे है तोड़कर

कांटी | राकेश कुमार राय

कांटी के पान उत्पादक किसानों के मुंह की लाली व फूल की खेती करने वाले किसानों के चेहरे लॉकडाउन में मुरझा गए है। लॉकडाउन ने पान-फूल की खेती से जुड़े किसानों की खुशियां छीन ली है। बिक्री नहीं होने से किसानों तंगहाली में आ गया है। कांटी के पकड़ी, मधुवन, सरमस्तपुर व नरसंडा में लगभग 50 एकड़ में पान की खेती व कारोबार से करीब 300 किसान व व्यापारी जुड़े हुए है। चौरसिया महासभा के जिला उपाध्यक्ष वासुदेव भगत, विश्वनाथ चौरसिया, भोला भगत ने बताया कि यहां से पान का पत्ता गांव-देहात की पान दुकानों व शहर में भी सप्लाई होती है। लेकिन लॉक डाउन में पान की दुकान बंद है। पान के पत्ते की खपत नहीं हो रही है। खेतों में पान के पत्ते बर्बाद हो रहे हैं। भोला भगत, अनूप चौरसिया, राजू चौरसिया, बनारसी चौरसिया ने बताया कि अधिकतर कर्ज लेकर खेती करते है। ऐसे दोहरा नुकसान हो रहा है।

खेतों में सूख रहे फूल

यही हाल प्रखंड के फूल उत्पादकों का भी है। फूलों का बाजार बंद होने से फूल उत्पादक किसान खेतों में फूलों को तोड़कर फेंकने को विवश है। कांटी के फूल उत्पादक विपिन कुमार व अजय कुमार ने बताया कि बेहतर कमाई के लिए लीज पर खेत लेकर फूल लगाया था। लेकिन शादी विवाह रुकने व मंदिरों में पूजा-पाठ बंद होने से फूल का बाजार ठप है। ऐसे में फूल खेतों में सूख रहे है। राजेश कुमार, मुन्ना कुमार, राकेश कुमार ने बताया कि फूल माला व सजावट का काम करने वाले कलाकारों भी परेशान हैं।

लंबे अंतराल से पूरे देश में लॉकडाउन के कारण गाड़ियों से लेकर फैक्ट्रियां तक के बंद होने से कम हुआ प्रदूषण

अप्रैल-मई में न पड़ी ऐसी ठंड, न हुई ऐसी बारिश

मुजफ्फरपुर | गवेंद्र मिश्रा

गर्मी से राहत

- मई में पहली बार सता रही ठंड, 10 डिग्री नीचे रह रहा पारा
- चादर ओढ़सोने को लोग मजबूर 29 डिग्री पर ठहरा है तापमान

40 वर्षों में पहली बार कार्बन डाईऑक्साइड अपने न्यूनतम स्तर पर पहुंचा

20 वर्षों में अप्रैल माह में पहली बार दर्ज की गयी सबसे अधिक बारिश

डॉ. गुलाब सिंह, मौसम वैज्ञानिक

ताराकान्त मिश्र।

10 वर्षों में अप्रैल माह में बारिश

वर्ष	बारिश (एमएम)
2011	44
2012	11.2
2013	13.2
2014	00
2015	33.2
2016	3.2
2017	63.6
2018	41.4
2019	7.6
2020	135.8

प्रदूषण फैलाने वाली सभी ईकाइयां बंद होने सुधरा मौसम

डॉ. सिंह बताते हैं कि कारोना वायरस ने विश्व के विकास की गति को रोक दिया है। लेकिन, इसका एक साकारात्मक पहलू यह है कि मौसम में ऐसा सुधार दुनिया इतनी आसानी से नहीं कर सकती थी। विश्व भर में प्रदूषण फैलाने वाली ईकाइयां, फैक्ट्रियां, कल-कारखाने, गाड़ियां, ट्रेन सभी बंद हैं। इसलिए मौसम में सुधार है।

है। उत्तर बिहार में वर्ष 2001 से अभी तक अप्रैल महीने में इतनी बारिश नहीं हुई है। इस अप्रैल महीने में 135. 8 एमएम बारिश हुई है जो रिकार्ड है। बताते हैं कि प्रदूषण कम होने से अधिकतम तापमान सामान्य से आठ से 10 डिग्री नीचे है। अभी तापमान 38-39 डिग्री रहना चाहिए, लेकिन रह 30 डिग्री के आसपास है। वहीं, इस समय आद्रर्ता 50-60 प्रतिशत रहना चाहिए थी, लेकिन मौसम में हुए बदलाव से यह 80-90 प्रतिशत पर पहुंच गया है।

मौसम में उतार-चढ़ाव से सांस के मरीज बढ़े

मुजफ्फरपुर | हिन्दुस्तान प्रतिनिधि

सेहत पर असर

- सांस की बीमारी से पीड़ित सौ से अधिक मरीज पहुंचे एसकेएसीएच
- एक दर्जन मरीज को किया गया भर्ती, बच्चे-बुजुर्ग आ रहे चपेट में

एक माह से रुक-रुककर हो रही बारिश व ओलावृष्टि के चलते वैशाख माह में भी ठंड का अहसास हो रहा है। तापमान में उतार-चढ़ाव से लोगों की सेहत पर असर पड़ रहा है। सबसे अधिक सांस जनित बीमारी के पीड़ित मरीज परेशान हैं। इसकी चपेट में बच्चे व बुजुर्ग आ रहे हैं। सांस की समस्या से हर दिन सौ से अधिक मरीज इलाज के लिए एसकेएसीएच के ओपीडी व इमरजेंसी वार्ड में पहुंच रहे हैं।

लॉकडाउन के बाद भी शनिवार को चार सौ से अधिक मरीजों ने रजिस्ट्रेशन कराया। इनमें सौ से अधिक सर्दी-खांसी व सांस की समस्या से पीड़ित थे। इनमें एक दर्जन मरीज को भर्ती कर लिया गया है। एसकेएसीएच के मेडिसिन विभाग के डॉ. विजय कुमार राय ने बताया कि मौसम में उतार-चढ़ाव से लोगों की सेहत बिगड़ रही है।

अप्रैल-मई में तापमान बढ़ने के बजाय सामान्य से कम है। इससे कैंसर, हार्ट, शुगर व बीपी के मरीजों को परेशानी हो रही है। ब्रेन हेमरेज की समस्या भी आ रही है।

लोग सतर्क रहें। दवा का सेवन करते रहें। किसी प्रकार की समस्या होने पर जल्द डॉक्टर से सलाह लें। रात में कुलर व एसी में नहीं सोएं। बच्चे को भी साफ-सुथरी जगहों पर रखें। पौष्टिक आहार लें।

सकरा में चमकी बुखार से बचाव को किया जागरूक

सकरा | हिन्दुस्तान संवाददाता

प्रखंड की कटेसर पंचायत, गौरीहार और मझौलिया पंचायत में रविवार को चमकी बुखार और एईएस को लेकर जागरूकता कार्यक्रम चलाया गया। कटेसर पंचायत में सीडीपीओ शबीना अहमद के नेतृत्व में अभियान चलाया गया। सीडीपीओ ने डोर टू डोर जाकर लोगों से अपने बच्चों को तेज धूप से बचाने और रात में खाली पेट नहीं सुलाने की सलाह दी।

बच्चों को भरपेट भोजन कराने और रात में मीठा जरूर खिलाने की अपील की। बच्चों और घरों की साफ-सफाई रखने की हिदायत दी।कहा कि आपलोग खुद जागो तभी कोई जगायेगा और बीमारी से बच्चे को बचा पाएगा। मझौलिया में मुखिया जयकला कुशवाहा व रामप्रीत कुशवाहा के नेतृत्व में जागरूकता अभियान चलाया गया। गौरीहार में मुखिया महेश शर्मा और सीआरसी संजय कुमार चौधरी के नेतृत्व में चमकी बुखार व एईएस को लेकर जागरूकता कार्यक्रम चलाया गया। आशा कार्यकर्ता रिंकू देवी ने भी लोगों को जागरूक किया।

सलाह

- तेज धूप से बचाने व रात में खाली पेट न सुलाने की सलाह
- बच्चों और घरों में साफ-सफाई रखने की हिदायत

बुखार से बीमार बच्चा एईएस वार्ड में भर्ती

सकरा। रेफरल अस्पताल सकरा के एईएस वार्ड में रविवार को तेज बुखार से बीमार एक बच्चे को भर्ती कराया गया है। दो साल का अयान अली प्रखंड की रघुनाथपुर दोनमां पंचायत के बरी दोनमां गांव निवासी मो. अरशद अली का पुत्र है। परिजनों की सूचना पर एम्बुलेंस से बच्चे को अस्पताल लाया गया। अस्पताल में ड्यूटी पर मौजूद रहे डॉ. मो. फजल अहमद ने बताया कि परिजनों की सतर्कता बच्चे के इलाज में काम आयी। उसकी हालत में धीरे-धीरे सुधार हो रहा है।

समाज को बचाने वाले पुलिसकर्मी खुद खतरे में

मुजफ्फरपुर | चंदन चौधरी

बनी रहती आशंका

- थानों के संकीर्ण कमरों में साथ बैठते हैं दर्जनों पुलिस, फरियादी
- सोशल डिस्टेंसिंग को लागू कराने वाले पुलिस समूह में रहने को विवश
- सीमावर्ती जिलों में कोरोना से पुलिस कर्मियों व परिजनों की बढ़ी चिंता

कोरोना संकट से देश और समाज को बचाने के लिए दिन-रात जी-जान से जुटे पुलिस कर्मी खुद खतरे में हैं। थाना, बैरक व पुलिस लाइन में सोशल डिस्टेंसिंग का पालन कराने में दिक्कत आ रही है। पेट्रोलिंग, छापेमारी व दैनिक कार्य आदि के दौरान भी सोशल डिस्टेंसिंग का उल्लंघन होता है। इससे पुलिस कर्मी संक्रमित होने की आशंका से डरे रहते हैं।

सीमावर्ती जिले शिवहर, दरभंगा, छपरा, मोतिहारी व वैशाली में कोरोना पॉजिटिव केस मिलने से पुलिस कर्मियों में खौफ बढ़ गया है। सबसे अधिक असुरक्षित कोरोना से प्रभावित जिलों की सीमा से जुड़े थानों की पुलिस महसूस कर रही है। बाजार व मोहल्लों में सोशल डिस्टेंसिंग को बनाए रखने के लिए पुलिस कड़ी मेहनत कर रही है, जबकि थानों पर ही सोशल डिस्टेंसिंग का ख्याल नहीं रखा जा रहा है। सदर, ब्रह्मपुरा व काजी मोहम्मदपुर समेत दर्जनों थानों व ओपी में एक ही कमरे में दर्जन भर से अधिक पुलिस कर्मियों के अलावा फरियादी व संदिग्ध आरोपितों को बैठना पड़ता है। कमरा इतना छोटी है कि एक मीटर का फासला पुलिस कर्मी नहीं रख पाते हैं।

सोशल डिस्टेंसिंग के बाद थानों में बढ़े पुलिस कर्मी: सोशल डिस्टेंसिंग के लिए 67 प्रतिशत सरकारी कर्मियों को छुट्टी पर भेज दिया गया है। सरकारी कार्यालयों में बाहरी लोगों के प्रवेश पर रोक लगा दी गई है। इसके उलट थानों में अधिकारियों व जवानों की संख्या बढ़ गई है। समाज की हिफाजत करने वाले पुलिस कर्मियों को कोरोना से बचाने के लिए किसी तरह की पहल नहीं नजर आ रही है। स्नान की समुचित व्यवस्था नहीं होने के कारण पुलिस कर्मी भीड़भाड़ से लौटने के बाद ड्यूटी में सीधे शामिल हो जाते हैं।

कोरोना को लेकर पुलिस कर्मी सावधानी बरत रहे हैं। लॉकडाउन के बाद पुलिस महकमे में कर्मियों की संख्या बढ़ी है। हमलोगों की सर्वोच्च प्राथमिकता अपराध नियंत्रण व विधि व्यवस्था कायम रखना है। कोरोना से बचाव के साथ पुलिस कर्मियों को ड्यूटी की हिदायत दी गई है।

-नीरज कुमार सिंह, सिटी एसपी

मच्छर व दुर्गंध के बीच पल-पल गुजारना मुश्किल

दुर्गंध व मच्छर के कारण थाना व बैरक में पल-पल गुजारने में पुलिस कर्मियों को काफी कठिनाई होती है। थानों के पास जमी गंदगी से पुलिस कर्मी बीमारियों से संक्रमित होने को लेकर भयभीत रहते हैं। खिड़कियों में कांच आदि नहीं लगे होने के कारण पुलिस कर्मियों को बैठने से लेकर सोने तक में परेशानी होती है।

बाहर से आने वालों की सूचना दें पार्षद

मुजफ्फरपुर। नगर आयुक्त मनेश कुमार मीणा ने वार्ड पार्षदों को लॉकडाउन अवधि में अन्य राज्यों से आने वाले छात्रों व मजदूरों के बारे में सूचना देने का अनुरोध किया है। उन्होंने इसके लिए वार्ड में सतर्क रहने और अन्य राज्यों के किसी छात्र या मजदूर के घर लौटने की तत्काल सूचना नगर निगम कंट्रोल रूम या जिला कंट्रोल रूम के नंबर पर देने की अपील की है। इससे समय से बाहर से आने वाले छात्र व मजदूर की डॉक्टरी जांच हो सके और कोरोना से लोगों का बचाव हो। अन्य राज्यों से आये छात्रों एवं मजदूरों की सूचना देने के लिए नगर आयुक्त ने फोन नंबर भी जारी किया है। नगर निगम के कंट्रोल रूम का नंबर है- 0621 - 2212647 व जिला कंट्रोल रूम का नंबर है- 0621- 2266050, 51, 52, 54,55, 56 व 58 है।

बजबजा रहा कूड़ा, डंपिंग का हल नहीं

मुजफ्फरपुर | वरीय संवाददाता

रौतनिया में दो दिन पहले कूड़ा गिराने को लेकर उपजे विवाद के कारण शहर की हालत नारकीय हो गई है। इसके कारण पूरा शहर रविवार को नारकीय दिखा। इसी तरह शनिवार से पहले भी दो दिनों तक शहर में कूड़े का उठाव बाधित था। तब शनिवार को निगम ने कूड़े का उठाव शुरू किया। फिर भी शहर में चौतरफा फैली गंदगी की शिकायत आती रही। सबसे नारकीय हाल गोशाला रोड और कलमबाग रोड की रही। वैसे कम्पनीबाग समेत कई इलाकों में सड़क पर कूड़े का ढेर लगा हुआ है।

नगर आयुक्त मनेश कुमार मीणा से शहर में फैली गंदगी और नारकीय हालत के बारे में पूछने पर बताया कि निगम ने रौतनिया स्थित डंपिंग स्थल पर समझौते की सारी शर्तों को पूरा कर चुकी है। बावजूद वहां फिर से नाले का सिल्ट और कूड़ा गिराने पर विरोध शुरू हो गया है। बीते सप्ताह निगम ने वहां सिल्ट और कूड़ा गिराना शुरू किया था। लेकिन कुछ स्थानीय लोगों ने निगम को वहां कूड़ा गिराने से रोक दिया। इसके कारण यह संकट उत्पन्न हुई है। मामले की पूरी जानकारी डीएम और एसएसपी को दे दी गई। जल्द ही जिला प्रशासन की मदद से इसका हल निकाला जायेगा। इस सकंट के बाद निगम ने नया जगह तलाशना शुरू कर दिया है।

रविवार को गोशाला रोड स्थित चर्च के पास फैला कूड़े व मलबा का अंबार।

जस्टिस अजय के निधन पर शोक

मुजफ्फरपुर। पटना हाईकोर्ट के पूर्व जस्टिस अजय कुमार त्रिपाठी के निधन पर एलएस कॉलेज प्राचार्य डॉ. ओपी राय ने गहरी शोक संवेदना प्रकट की है। प्राचार्य डॉ. राय ने कहा कि जस्टिस त्रिपाठी छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्य न्यायाधीश थे। वे लोकपाल के भी न्यायिक सदस्य रहे। उनके निधन से न्यायिक जगत को अपूरणीय क्षति हुई है। शोक संवेदना व्यक्त करने वालों में डॉ. पंकज कुमार, डॉ. राजीव कुमार, डॉ. सुरेंद्र राय, डॉ. मोहन, डॉ. प्रशांत कुमार भारतीय, डॉ. चेतन शामिल थे। (व.सं.)

बरुराज के 10 मजदूर फंसे गुजरात में, बुलाने की मांग

मोतीपुर | एक संवाददाता

लॉकडाउन के नियमों में ढील दिए जाने के बाद दूसरे प्रदेशों में फंसे बिहारी मजदूरों के घर लौटने की आस जगी है। ट्रेनों से मजदूरों के लौटने का सिलसिला भी शुरू हो गया है। लेकिन गुजरात के गांधीनगर में फंसे बरुराज थाना क्षेत्र के छत्रपट्टी गांव के तकरीबन 10 मजदूर अब भी वहां फंसे है।

सभी वहीं आर्थिक तंगी और भूख से परेशान है। वे घर कैसे लौटे इसको लेकर उन्हें कोई रास्ता नहीं सूझ रहा है। गांधी नगर से बिहार के लिए ट्रेन कब खुलेगी वे इसकी बाट जोह रहे है। उधर, बिहार सरकार ने गुजरात से मजदूरों को लाने के लिए जिस नोडल पदाधिकारी को प्रतिनियुक्त किया है उनका मोबाइल नम्बर भी नहीं लगता है। गुजरात के गांधी नगर में फंसे इन मजदूरों में सुरेश भगत, मुनेश भगत, संजीत चौरसिया, रामबाबू प्रसाद, शिव शंकर, सुरेश भगत, राजकिशोर पासवान, विजय झा, नवल किशोर महतो सहित अन्य ने रविवार को मोबाइल फोन पर बताया कि वे काफी दिनों से यहां फंसे है। लॉकडाउन में काम धंधा बंद पड़ा है। खाने-पीने की समस्या भी हो रही है।

अग्रिम पेंशन नहीं आने से लाभुक परेशान

मुजफ्फरपुर | कार्यालय संवाददाता

लगा रहे चक्कर

- अधिकारी से पेंशनर राशि देने को लगा रहे गुहार
- अप्रैल में मिलनी थी दो माह की अग्रिम पेंशन राशि

सामाजिक सुरक्षा पेंशनरों को तीन माह का अग्रिम पेंशन देने का आदेश सीएम ने दिया था। मगर जिले के अधिकांश पेंशनरों के खाते में अब तक यह राशि नहीं भेजी गयी है।

इससे परेशान लाभुक संबंधित कार्यालयों का चक्कर काट रहे है। लॉकडाउन में आने-जाने की सुविधा नहीं होने से वे फोन पर ही अपनी समस्या को रख रहे है। इनमें वे भी पेंशनर शामिल है। जिन्हें साल 2016 से पहले पेंशन कार्ड पर हाथों में राशि मिलती थी। लॉकडाउन से पहले आवेदन देकर सुधार करवाने को दिया था, मगर उनके खाते तक राशि नहीं पहुंच सकी है। राज्य निशःक्तता आयुक्त की ओर से आयोजित ऑनलाइन कोर्ट में भी 30 लाभुकों ने पेंशन नहीं मिलने व 15-20 दिव्यांग लाभुकों ने राशन नहीं मिलने की शिकायते की थी। कांटी की गीता देवी मड़वन के राजकुमार महतो ने बताया कि अभी तक अग्रीम राशि नहीं आयी है। जिला सामाजिक सुरक्षा कोषांग के सहायक निदेशक ब्रजभूषण कुमार ने बताया कि राज्य निःशक्तता आयुक्त के कोर्ट में आये पेंशन के मामले का सामाधान किया जा रहा है।

चार पंचायत के दो सौ वृद्धों को दो वर्ष से नहीं मिल रही पेंशन

सकरा। प्रखंड की डिहुली इश्हाक, दुबहां, मुराहरलोचनपुर व सिराजाबाद पंचायत के दो सौ से अधिक वृद्ध सामाजिक सुरक्षा योजना की राशि भुगतान के लिए दो साल से चक्कर लगा रहे हैं। इन लोगों को दो वर्ष पहले पेंशन का भुगतान हुआ था। डिहुली इश्हाक पंचायत के कृष्णा राम के सहयोग से मजदूर दिवस के अवसर पर तीस वृद्धों का फिर से नया आवेदन पेंशन योजना के लिए पंचायत सचिव से अग्रसारित कराया है। पेंशन योजना की राशि भुगतान नहीं होने से वृद्धों के सामने आर्थिक तंगहाली और भोजन की समस्या उत्पन्न हो गयी है। पंचायत सचिव गरीबनाथ राय ने बताया कि डिहुली में तीस आवेदन को अग्रसारित किया है। इसमें वैसे वृद्ध हैं जिन्हे पहले पेंशन मिलता था लेकिन अचानक बंद कर दिया गया।

हिन्दुस्तान क्लासीफाइड
विज्ञापन के लिए संपर्क करें 1800 103 1800

व्यवसाय

व्यापार

ऋण/ आय

श्रीराम फाइनेंस (रजि. 232312) नो फाइलचार्ज, नो गारेंटर, आधार कार्ड, सर्टिफिकेट, पर्सनल, होम लोन घरबैठे मात्र24 घंटे में पाएं2% ब्याज,20%छूट * आकर्षक ऑफर 8986096141, 8936834661

(नो File चार्ज+ गारंटर) SAWRAJ फाईनेंस (Limited कंपनी) 12 घंटों में आधारकार्ड, मार्कशीट, प्रोपर्टी, बिजनेस समस्त लोन कम ब्याज ज्यादा छूट. मो. 9472131226

श्रीराम फाइनेंस भारत की नं.-1 कंपनी हर प्रकार का लोन पाएं कम ब्याज मार्कशीट, आधारकार्ड, होम लोन,बिजनेस पशुपालन लोनपाएं* 8569890338, 8569865626

आधार फाइनेंस (रजि.) नो फाईल चार्ज, नो गारंटर मार्कसीट, प्रोपर्टी पर्सनल,आधारकार्ड,समस्त लोन, ऑनलाईन सुविधा मात्र36 घंटों में* 9572598283, 9525541159

ज्योतिष

फ्री सेवा काम न होने पर पैसा वापस गारन्टी
जिन्दगी में हँसना सिखा दुँगा
2 घण्टे में घर बैठे अपनी A to Z समस्याओं का समाधान करवाएं
26 बार गोल्ड मेडलिस्ट
बाबा अल आयुष बंगाली
सबसे पहले काम करने का वादा
71 शक्तियों के माहिर बंगाल से सिद्धि प्राप्त
लव मैरिज, प्रेमविवाह, प्यार में धोखा, सौतन दुश्मन से छुटकारा, कारोबार में रूकावट मनमोहिनी, वशीकरण, गृहक्लेश,पति-पत्नी में अनबन, रूठों को मनाना, संतान प्राप्ति, शादी में रूकावट, सन्तान सुख आदि
स्पेशलिस्टः वशीकरण व मुठकरणी
प्यार में चोट खाए प्रेमी-प्रेमिका अवश्य मिले। समयः 10:00 से 5:00 बजे (रोज़ाना खुला)
7982540566,7982513123

आवश्यकता

KVY योजना SMS Job हेतु 865 लड़के / लड़कियाँ घर बैठे पार्ट/ फुलटाइम कमायें 18000-45000/- + मोबाइल+ लैपटॉप+ प्रिंटर फ्री। 8539060327/ 8809429171

पवित्र माह रमजान में इंसानियत की हिफाजत सबसे बड़ा काम

रोजे का वक्त

शिया

इफ्तार (सोमवार)	6:34 शाम
सेहरी (मंगलवार)	3:38 सुबह

सुन्नी

इफ्तार (सोमवार)	6:21 शाम
सेहरी (मंगलवार)	3:45 सुबह

मुजफ्फरपुर | कार्यालय संवाददाता

माह ए रमजान अल्लाह की इबादत वाला महीना होता है। यह पवित्र महीना है। इसमें हर मुसलमान पर रोजा फर्ज होता है। कुरानशरीफ इसी माह में अल्लाह के फरिश्ते हजरत मोहम्मद के पास लेकर आये थे। इसी कारण यह महीना जश्ने कुरान माना जाता है। रमजान में एक नेकी का अल्लाह 70 गुना सवाब देता है।

मुफ्ती मो. आलमगीर, इमाम बैंक रोड मस्जिद।

बैंक रोड जामा मस्जिद के इमाम मुफ्ती मो. आलमगीर कहते हैं कि रमजान में लॉकडाउन होने से मस्जिद भी सुरक्षा के दृष्टिकोण से बंद हो गये हैं। ऐसे में सारी इबादतें घर पर ही रहकर करें। खुद व परिवार की सुरक्षा को लेकर बहुत जरूरी काम होने पर ही घर से बाहर निकले। ज्यादा से ज्यादा वक्त खुदा की इबादत करें। लॉकडाउन में इंसानियत की हिफाजत सबसे बड़ा काम है। इसे सभी को मिलजुलकर करना चाहिए।

यह माह गमखारी व सब्र का है। गरीबों व राहगीरों की मदद करनी चाहिए। ज्यादा से ज्यादा दान भी देना चाहिए और खाना खिलाना चाहिए। कोई भूखा न रहे, इसका भी ख्याल रखें। चार की जगह दो रोटी खायें और गरीबों की मदद जरूर करें ताकि इस महामारी के दौर में उन्हें भी रोटी मिल सके। सामूहिक इफ्तार न करके अपने परिवार के सदस्यों के साथ ही इफ्तार करें। हर नमाज में खुदा से कोरोना से देश व समाज को महफूज रखने की दुआ करें। साथ ही कोरोना का खात्मा जल्द से जल्द हो इसकी भी दुआ अल्लाह से करें।

लॉकडाउन का असर

सेवई 25 फीसदी तक हुई महंगी

मुजफ्फरपुर | हिन्दुस्तान प्रतिनिधि

लॉकडाउन में रमजान होने से रोजेदारों को महंगाई की मार झेलनी पड़ रही है। बीते वर्ष 80 से 90 रुपये किलो मिलने वाली लच्छा सेवई इस बार 125 रुपये किलो मिल रही है।

खुदरा कारोबारी को बेचने के लिए भी सेवई नहीं मिल पा रही है। कंपनीबाग के कारोबारी मो. परवेज, मो. फूल, मो. शमशाद, मो. सद्दाम हुसैन आदि ने बताया कि लॉकडाउन के कारण सेवई 25 फीसदी तक महंगी हो गई है। आम लोगों के लिए महंगी सेवई खरीदना मुश्किल हो गया है। पहले बनारसी सेवई भी आ रही थी। अभी वो भी बंद है। सस्ती सेवई अभी मार्केट में नहीं आ सकी है। कारखाना वाले भी सेवई पर मनमाना भाव ले रहे हैं।

सेवई	भाव प्रति किलो
लच्छा सेवई	125-140 रुपये
माकुसी लच्छा	100-120 रुपये
मध्यम लच्छा	80-100 रुपये
भुनी सेवई	100 रुपये
हल्दीराम सेवई	300 रुपये

मालीघाट स्थित सेवई कारखाना के संचालक मो. अकबर ने बताया कि मांग अधिक है और उत्पादन कम है। मजदूर मिल नहीं रहे हैं। ऐसे में खर्च अधिक पड़ रहा है। मौसम ठीक नहीं रहने से रिफाइन सेवई, घी सेवई तैयार नहीं हो सकी है। मार्केट में हल्दीराम की सेवई भी आई है। कच्ची सेवई 50 से 60 रुपये में मिल रही थी।

स्वास्थ्य आपातकाल में न्यायिक मामलों को गैर आवश्यक कहकर सुनवाई स्थगित किया जाना एक गंभीर स्थिति है।
- परमानेंट कोर्ट ऑफ इंटरनेशनल जस्टिस

लाखों के सैनेटाइजर व ग्लब्स जले

मुजफ्फरपुर | वरीय संवाददाता

बेला औद्योगिक क्षेत्र फेज टू स्थित गैस रिफिलिंग प्लांट (एयर प्रोडक्टस) परिसर के दो कमरों में रविवार की सुबह बिजली के शॉट सर्किट से भीषण आग लग गई। इन कमरों में रखे लाखों के सैनेटाइजर, मास्क व ग्लब्स जल गए। हादसे से अफरातफरी मच गई। सूचना पर पहुंची फायर ब्रिगेड की टीम ने चार घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।इस बारे में बियाडा के विकास पदाधिकारी सौम्य वर्मा ने बताया कि एयर प्रोडक्टस को सिर्फ गैस रिफिलिंग के लिए ही लाइसेंस दिया गया था, जबकि यहां मेडिकल गुड्स मिले हैं। इसकी जांच होगी। यह प्लांट बालूघाट की आभा कुमारी के नाम पर है और इनके पति शंकर चौधरी इसकी देखरेख करते हैं। इधर, फायर अफसर संतोष कुमार पांडेय ने बताया कि सुबह सात बजे आग लगने की बात बतायी जा रही है। सूचना मिलने के करीब दो से तीन मिनट के अंदर चार यूनिट दमकल घटनास्थल के लिए भेजा गया। वह भी एक बड़ी गाड़ी लेकर बेला पहुंचे थे।

घटना की होगी जांच

- दो कमरों में रखे थे मेडिकल गुड्स, शॉट सर्किट से हादसा
- संचालक ने देर शाम तक नहीं सौंपा आवेदन

04 घंटे लगे आग पर काबू पाने में, दमकल की टीम को करनी पड़ी मशक्त

बेला औद्योगिक क्षेत्र फेज टू स्थित गैस रिफिलिंग प्लांट में अगलगी की जांच करती टीम।

आंखों में जलन दे रहा था फायर अफसर ने बताया कि मौके पर पहुंचने के बाद बताया गया कि कमरों में कागजात हैं। टीम ने आग पर काबू पाने के लिए काम शुरू किया, लेकिन कुछ देर बाद ही कमरे से निकल रहे धुंए से फायरमैन की आंखों में जलन होने लगी। सांस लेने में भी तकलीफ होने लगी। जब कमरे का मुआयना किया गया तो अंदर मास्क, ग्लव्स व सैनेटाइजर से भरे कार्टन रखे थे। इस संबंध में संचालक ने कोई ठोस जवाब नहीं दिया और मौके से गायब भी हो गए। इससे कई आशंकाएं पैदा हो रही हैं।

मुख्यालय को जाएगी रिपोर्ट फायर अफसर ने बताया कि प्लांट संचालक ने देर शाम तक आग लगने से हुई क्षति संबंधित आवेदन नहीं सौंपा है। उनसे कई बार रिपोर्ट मांगी गई है, लेकिन वे देने में टालमटोल कर रहे हैं। साथ ही हर बार बयान भी बदल रहे हैं। प्लांट संचालन के लिए एनओसी भी निर्गत नहीं कराया गया है। ऑडिट भी अबतक एक बार नहीं हो सकी है। इनके खिलाफ कार्रवाई करने को लेकर डीएम और मुख्यालय को रिपोर्ट भेजेंगे।

लीची बगान रेलवे कॉलोनी में पुलिस ने दोबारा की जांच, पास के एक चिकित्सक को थी घटना की भनक

पत्नी की हत्या में स्टेशन अधीक्षक को जेल

हिन्दुस्तान फॉलोअप

मुजफ्फरपुर | हिन्दुस्तान प्रतिनिधि

माड़ीपुर लीची बगान स्थित रेलवे क्वार्टर में मृत मिली कुमारी हेमलता की हत्या में गिरफ्तार पति मुजफ्फरपुर के स्टेशन अधीक्षक शंभू कुमार को पूछताछ के बाद रविवार को पुलिस ने कोर्ट में पेश किया। यहां से उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। पुलिस ने उससे कई बिंदुओं पर पूछताछ की। वह पुरानी बातों को ही दोहराया रहा।

इसके बाद काजीमोहम्मदपुर थानेदार मो. शुजाउद्दीन फिर रेलवे कॉलोनी पहुंचे। यहां स्टेशन अधीक्षक का क्वार्टर बंद मिला। आसपास के लोगों से पूछताछ की गई। लेकिन, सभी ने चुप्पी साध ली। घटना के संबंध में किसी ने कोई ठोस जानकारी नहीं दी। वहीं, पूर्व में हुई छानबीन में पुलिस को पता चला था कि एक चिकित्सक वहां मौजूद थे। उन्हें पता था कि सही में उस महिला के साथ क्या हुआ था। लेकिन, चिकित्सक से पुलिस की मुलाकात नहीं हो सकी। पूछताछ करने के लिए उनकी खोजबीन हो रही है। मृतका के भाई विकास कुमार के बयान पर दर्ज हत्या की एफआईआर में आरोप लगाया गया है कि उनकी बहन की हत्या करने के बाद शव को पंखे से लटका दिया गया, ताकि आत्महत्या प्रतीत हो। वहीं, साक्ष्य नष्ट करने के लिए शव को बिना सूचना दिए जला दिया गया।

पेट था फूलाऔर हाथ पर थे काले निशानः मृतका के भाई ने बताया कि जब उन्होंने अपनी छोटी भांजी आरूषि से पूछताछ की तो उसने बताया कि जब मम्मी को पंखे से उतारा गया तो उसका पेट काफी फूला हुआ था। होठ काला पड़ चुका था। हाथ पर कई जगहों पर काला निशान था। शव ले जाने के लिए एंबुलेंस भी बुलाया गया था। पुलिस उस एंबुलेंस चालक की भी तलाश कर रही है।

पहले से घर में कोल्डड्रिंक थाः पुलिस जांच में पता लगा कि घर में पहले से कोल्डड्रिंक की कई भरी बोतलें थीं। इसके बावजूद स्टेशन अधीक्षक ने दो रेलकर्मियों को कोल्डड्रिंक लेकर भेजा था। पुलिस संभावना जता रही है कि वह दूसरे लोगों से पत्नी की मौत के बारे में पता करवाना चाह रहा था, ताकि पुलिस को उसपर संदेह न हो।

जांच की चल रही कवायदः साड़ी का बना फंदा व श्मशान घाट से जब्त अवशेष की जांच एफएसएल से कराने की कवायद की जा रही है। इनको साक्ष्य के तौर पर सुरक्षित रख लिया गया है। वहीं, आरोपित के मोबाइल की कॉल डिटेल खंगाली जा रही है। शनिवार रात से लेकर सुबह तक उसके मोबाइल पर जिन-जिन लोगों की कॉल आयी, सभी से पूछताछ की जाएगी। घटनास्थल के समीप टावर डंप भी कराया जाएगा।

- पूछताछ में आरोपित ने पुरानी बात दोहराई
- पुलिस घटना की कई बिंदुओं पर कर रही जांच

पत्नी के आरोपित स्टेशन अधीक्षक को जेल ले जाती पुलिस।

अधीक्षक होंगे निलंबित, प्रक्रिया शुरू

मुजफ्फरपुर। स्टेशन अधीक्षक शंभू कुमार को निलंबित करने की प्रक्रिया सोनपुर रेलमंडल ने शुरू कर दी है। केंद्र सरकार के गाइडलाइन के अनुसार स्टेशन अधीक्षक को निलंबित किया जाएगा। मंडल कार्यालय के वरीय परिचालन अधिकारी राजीव रंजन के अनुसार अगर केंद्र सरकार का कोई भी कर्मचारी 48 घंटे तक जेल में रहता है तो वह स्वतः निलंबित हो जाता है। शंभू पर भी इसी नियम के तहत निलंबन की कार्रवाई की जाएगी। उन्हें जेल भेजे जाने की पूरी जानकारी मुजफ्फरपुर जंक्शन के एरिया अधिकारी से मांगी गई है। इसके आधार पर उसे निलंबित किया जाएगा। स्टेशन अधीक्षक की पत्नी की शनिवार को मौत हो गयी थी। हत्या के आरोप में स्टेशन अधीक्षक को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है।

महिला दुकानदार की हत्या में सुराग नहीं

हथौड़ी | एक संवाददाता

हथौड़ी पुलिस रविवार को दिनभर सहबाजपुर गांव में दुकानदार मीना देवी हत्याकांड की गुत्थी सुलझाने के लिए खाक छानती रही। लेकिन पुलिस को कोई खास सफलता हाथ नहीं लगी। दूसरी ओर मामले में अबतक एफआईआर भी नहीं हो सकी है। जानकारी हो कि शनिवार शाम सहबाजपुर गांव में चाय दुकानदार 65 वर्षीया मीना देवी को दुकान से खींच कर चाकू से गोद कर हत्या कर दी गई थी। इस हत्याकांड में पुलिस ने श्वान दस्ता का भी मदद लिया था लेकिन पुलिस को कोई ठोस सुराग नहीं मिला। मीना देवी सहबाजपुर चौक पर चाय की दुकान चलाकर ही अपने बीमार पति, विधवा बहू व पोते का भरण-पोषण करती थी। हत्यारों ने मीना देवी की हत्या के साथ इस परिवार के गुजरबसर का आखरी सहारा भी छीन लिया। इस घटना के बाद सहबाजपुर व इसके आस पास के गांव में सन्नाट पसरा हुआ है। इधर, ग्रामीणों का कहना है कि वृद्धा की किसी से कोई दुश्मनी नहीं थी। फिर क्यों किसी ने उसकी निर्मम हत्या कर दी।

वहीं पोस्टमार्टम के बाद वृद्धा का शव गांव लाया गया। शव आते ही परिजनों में कोहराम मच गया। छोटे पुत्र ने वृद्धा का दाह संस्कार किया। हथौड़ी थानाध्यक्ष जितेन्द्र देव दीपक ने बताया कि पुलिस कई बिंदुओं पर छानबीन कर रही है। लेकिन परिजन कुछ भी जानकारी नहीं दे रहे हैं। अबतक परिजन की ओर से आवेदन भी नहीं दिया गया है।

कांटी में काली पट्टी बांधकर जताया विरोध

कांटी। सन्नी गुप्ता हत्याकांड के विरोध में युवाओं ने सोशल डिस्टेंसिंग के साथ कांटी में रविवार को काली पट्टी बांधकर रोष जताया। हत्याकांड के दोषियों को जल्द सजा दिलाने व परिवार को सुरक्षा देने की मांग भी की गई। इसमें उज्ज्वल गुप्ता, अखिलेश साह, अरविंद कुमार, शिवम गुप्ता, संदीप सोनी, ऋषभ, रोहित, राकेश भी थे।

वृद्धा को जिंदा जलाने का प्रयास

मुजफ्फरपुर। सदर थाना क्षेत्र में रविवार को दो पक्षों के बीच हिंसक झड़प हुई। इसमें दोनों ओर कई लोग जख्मी हो गए। 60 वर्षीय महिला पर डायन होने का आरोप लगाने पर विवाद भड़का। एक पक्ष ने वृद्धा पर केरोसिन उड़ेल जिंदा जलाने का भी प्रयास किया। बीच-बचाव करने गए उसके बेटे को रॉड से मारकर सिर फोड़ दिया। साथ ही महिला पर गंदा भी फेंका गया। आसपास के लोगों ने एकजुट होकर हस्तक्षेप कर विवाद शांत कराया। दूसरे पक्ष ने भी आरोप लगाया कि घर की एक महिला पूजा करने निकली थी। तभी आरोपितों ने उसे घेर लिया। गाली-गलौज करते हुए उसके साथ मारपीट कर कपड़े फाड़ दिए।

डॉक्टर दंपती के खिलाफ शिकायत

मुजफ्फरपुर। सदर थाना के खबड़ा निवासी सुदर्शन कुमार ने डॉक्टर दंपती के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। कहा कि उनकी निजी जमीन पर दंपती कोई कार्य नहीं करने देते हैं। जमीन वापस करने की धमकी दी जाती है। गाली-गलौज कर प्रताड़ित किया जाता है। विरोध करने पर झूठे केस में फंसाने की धमकी मिल रही है। शिकायत मिलने के बाद पुलिस छानबीन में जुट गई है। बता दें कि एक सप्ताह पूर्व डॉक्टर ने भी शिकायत दर्ज कराई थी। इसमें निजी जमीन पर लगे फल और फूल के पौधों को तोड़ने का आरोप लगाया था।

घटनाक्रम

मीनापुर में ट्रांसफॉर्मर जला, बढ़ी परेशानी

मीनापुर। मीनापुर चौक का ट्रांसफॉर्मर जलने से मीनापुर के प्रधान डाकघर में पिछले एक सप्ताह से कामकाज प्रभावित हो रहा है। बिजली विभाग के सहायक अभियंता प्रभात कुमार ने रविवार को इसको गंभीरता से लेते हुए बताया कि शीघ्र ही नया ट्रांसफॉर्मर लगाया जाएगा। स्मरण रहे कि करीब एक सप्ताह पहले यहां लगा 65 केवीए का ट्रांसफॉर्मर जल गया। इससे चौक के करीब 50 से अधिक कारोबारी और पोस्ट ऑफिस में अंधेरा छा गया है। पोस्ट मास्टर विशन देव ने बताया कि ग्राहकों के अधिक भीड़ होने पर जेनरेटर चलाना पड़ता है। बिजली के अभाव में अधिकतर कार्य बाधित है।

वार्ड सदस्य व मुखिया में विवाद, एफआईआर दर्ज

पारू। प्रखंड के पारू दक्षिणी पंचायत के वार्ड संख्या पांच में अतिक्रमण कर नाला निर्माण कार्य को रोकने पर वार्ड सदस्य मीरा देवी व उनके पति विजय ठाकुर पर मुखिया पति व उसके समर्थकों ने हमला कर दिया। मामले में वार्ड सदस्या ने मुखिया पति व समर्थकों पर एफआईआर दर्ज करायी है। वहीं मुखिया पति बदरुल हसन ने वार्ड सदस्या पति विजय ठाकुर और उसके पुत्र पर रंगदारी मांगने और जान मारने की दिए धमकी देने का आरोप लगाते हुए केस कराया है।

मारपीट में युवक समेत दो को भेजा गया जेल

मुजफ्फरपुर। सदर थाना क्षेत्र में बीते शनिवार को चोरी का आरोप लगा युवक को बंधक बना पीटने पर दोनों तरफ से एफआईआर दर्ज कराई गई है। रविवार को युवक समेत दो लोगों को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। जेल जाने वालों में युवती का पिता भी शामिल है। बता दें कि मनियारी के रहने वाले युवक ने एफआईआर दर्ज कराई थी। इसमें बताया था कि युवती से तीन साल से प्रेम प्रसंग चल रहा है। उसने उसे कॉल कर घर पर मिलने के लिए रात में बुलाया और मारपीट की गई।

बाजार समिति में फल दुकान से हजारों की चोरी

मुजफ्फरपुर। अहियापुर बाजार समिति में एक फल दुकान से शनिवार रात चोरों ने 50 हजार से अधिक का सामान चुरा लिया। सूचना पर रविवार को पुलिस ने मौके पर पहुंच छानबीन की। इस संबंध में दुकानदार विशाल कुमार ने शिकायत दर्ज कराई है। बताया कि चोरों ने दुकान का ताला तोड़कर गल्ले में रखे 35 हजार रुपये समेत अन्य सामान चुरा लिया। सुबह जब वह दुकान पर पहुंचे तो चोरी का पता लगा। थानेदार विकास कुमार राय ने बताया कि आसपास लगे सीसीटीवी के फुटेज को खंगाला जा रहा है।

कांटी में जर्जर सर्विस लेन में रोज हो रहे हादसे

कांटी। कांटी ओवरब्रिज के दोनों तरफ बने सर्विस लेन की जर्जर हालत व जल जमाव के कारण अक्सर हादसे हो रहे हैं। जल जमाव से गंदगी व बदबू फैल रही है। इससे लोगों को आने-जाने में काफी परेशानी हो रही है। यूनाइटेड बैंक ऑफ इंडिया के सामने जलजमाव के कारण बैंक जाने में लोग परेशान होते हैं। जल जमाव के कारण रोड में बने गड्ढों में संतुलन खोने से रोज बाइक व साइकिल सवार पानी में गिरकर चोटिल हो रहे हैं। रविवार को एक मालवाहक टेम्पो पलट गया जिसमें चालक जख्मी हो गया।

कोर्ट परिसर में राष्ट्रीय लोक अदालत 11 जुलाई को

मुजफ्फरपुर। सुलह-समझौते के आधार पर बैंक लोन केस आदि मामलों के निपटारे के लिए आगामी 11 जुलाई को सिविल कोर्ट परिसर में राष्ट्रीय लोक अदालत लगेगी। इसके लिए जिला विधिक सेवा प्राधिकार ने तैयारी शुरू कर दी है। लॉकडाउन के कारण 11 अप्रैल व नौ मई को लगने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत स्थगित कर दी गई है। आठ फरवरी को अंतिम बार राष्ट्रीय लोक अदालत लगी थी। मौके पर दोनों पक्षों के समझौते के आधार पर सुलहनीय आपराधिक मामले, पारिवारिक विवाद, बिजली व टेलीफोन बिल, श्रम, नगर निगम आदि विभागों से जुड़े मामलों का निपटारा होगा।

जिले में सजा पाने वालों की संख्या घटी

मुजफ्फरपुर | कार्यालय संवाददाता

लूटपाट समेत कई गंभीर आपराधिक वारदातों के लिए सुखिर्यों में रहने वाले मुजफ्फरपुर में सजा पाने वाले अपराधियों की संख्या में लगातार गिरावट आ रही है। इससे पुलिस की कार्रवाई पर सवाल उठ रहे हैं। विधि विभाग ने सीआईडी की ओर से मिली रिपोर्ट के आधार पर पुलिस को कई आवश्यक बिंदुओं पर काम करने का निर्देश दिया है।

वर्ष 2017 में 228, 2018 में 190 और 2019 में महज 154 अपराधियों को सजा मिली है। यह आंकड़ा विधि विभाग के संयुक्त सचिव ने जारी किया है। सजा पाने वाले अपराधियों की संख्या घटने पर संयुक्त सचिव ने स्पीडी ट्रायल व स्पीडी अपील से संबंधित मामलों में सख्ती से कार्रवाई करने की आवश्यकता जतायी है।

बीते वर्षों में मुजफ्फरपुर के अलावा पटना, बेतिया व बगहा समेत 18 जिलों में सजा पाने वाले अपराधियों की संख्या में गिरावट दर्ज की गई है। वहीं मुजफ्फरपुर रेल पुलिस, वैशाली, सीतामढ़ी, मोतिहारी, शिवहर व समस्तीपुर समेत 23 जिलों में सजा पाने वाले अपराधियों की संख्या में बढ़ोतरी हुई है। राज्य भर में 2019 में पांच हजार 860 अपराधियों को सजा मिली है। इस बार विधि विभाग ने राज्य में आठ हजार अपराधियों को सजा दिलाने का लक्ष्य तय किया है।

हर जिले में बेहद गंभीर व संवेदनशील 50 आपराधिक वारदातों पर स्पीडी ट्रायल की आवश्यकता जतायी है। इसके लिए गवाहों व सक्ष्यों को मजबूती से कोर्ट के समक्ष प्रस्तुत करने के लिए पुलिस को कई बिंदुओं पर दिशा निर्देश दिए गए है।

आंकड़ा जारी

- आपराधिक वारदातों के लिए सुखियों में रहा है मुजफ्फरपुर
- 2017 में 228, 2018 में 190 व 2019 में 154 को सजा

18 जिलों में सजा पाले वालों की संख्या में गिरावट

- विधि विभाग ने अधिक संख्या में अपराधियों को सजा दिलाने के लिए दिए दिशा-निर्देश

सकरा में दो पिकअप वैन में टक्कर, मुर्गा लूटने की होड़

सकरा | हिन्दुस्तान संवाददाता

प्रखंड के रूपनपट्टी पेट्रोल पंप के पास एनएच 28 पर रविवार सुबह लाइन होटल के पास खड़ी मुर्गा लोड पिकअप में सामने से दूसरी पिकअप ने टक्कर मार दी। हादसे के बाद सड़क पर बिखरे मृत और जिंदा मुर्गा लूटने की होड़ ग्रामीणों में मच गयी।

बाद में सूचना पर पहुंची सकरा पुलिस को देखकर सभी भाग गए। तब कुछ बचे हुए जख्मी मुर्गी को व्यवसायी दूसरी गाड़ी से ले गए। पिकअप वैन समस्तीपुर मुसरीघरारी के निकट से मुर्गा लोडकर मोतिहारी जा रही थी। पिकअप के दुर्घटनाग्रस्त होने से इसपर लोड करीब ढाई लाख रुपये के मुर्गे की क्षति हुई है। पिकअप के चालक मो. इस्तेयाक ने इसकी पुष्टि की है। सकरा थानाध्यक्ष राजेश कुमार ने बताया कि दो पिकअप में टक्कर और मुर्गी के मरने की सूचना है। लेकिन अबतक कोई आवेदन नहीं मिला है।

पहुंची पुलिस

- खड़ी पिकअप में सामने से दूसरी पिकअप ने मारी ठोकर
- ढाई लाख से अधिक के मुर्गा लोड थे पिकअप वैन पर

पुलिस की गिरफ्त से फरार हुआ शराब माफिया, शागिर्द धराया

शराब मुक्त बिहार

मुजफ्फरपुर | वरीय संवाददाता

नगर थाने की पुलिस ने विशेष अभियान के तहत शराब माफिया समेत पांच अलग-अलग शराब के मामले में वांछित धंधेबाजों को विभिन्न इलाकों से दबोचा। लेकिन, शराब माफिया सूरज कुमार गुप्ता अमर सिनेमा के समीप से पकड़ाने के बाद पुलिस की गिरफ्त से भाग निकला। उसके पकड़े जाने के बाद शराब सिंडिकेट के करीब एक दर्जन लोग जुट गए और पुलिस से नोकझोंक और धक्का-मुक्की की। इसका फायदा उठाकर सूरज भाग निकला। लेकिन, उसके शागिर्द को पुलिस ने दबोचा लिया।

मामले में दारोगा महेश कुमार ठाकुर के बयान पर थानेदार ओमप्रकाश ने सूरज गुप्ता, रंजन कुमार व अज्ञात 15 पर एक्साइज एक्ट में एफआईआर दर्ज की है। साथ ही रविवार को पकड़े गए शराब धंधेबाज रंजन कुमार, दिपू शर्मा, विनोद कुमार उर्फ बिंदु व राहुल पटेल उर्फ कुकु को कोर्ट में पेश किया। यहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। वहीं, बालूघाट बांध रोड निवासी सूरज को पड़ने के लिए पुलिस ने उसके ठिकानों पर ताबड़तोड़ छापेमारी की। लेकिन, वह नहीं मिला। उसका मोबाइल भी बंद है। नगर डीएसपी रामनरेश पासवान ने बताया कि इस मामले में एफआईआर दर्ज की गई है। फरार सूरज की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। जल्द ही उसको दबोच लिया जाएगा।

सीसीए प्रस्ताव भेजने की चल रही कवायदः पुलिस सूत्रों की माने तो सूरज के खिलाफ नगर पुलिस सीसीए का प्रस्ताव डीएम के समक्ष भेजने की तैयारी कर रही है। नगर थाने में सूरज के खिलाफ एक्साइज एक्ट में आधा दर्जन मामले दर्ज हैं।

एक कार्टन शराब बेचने पर मिलता था हजार रुपये बोनसः न्यायिक हिरासत में भेज गए धंधेबाजों ने पूछताछ में पुलिस को बताया कि सूरज से मिलकर वे लोग शराब का धंधा करते हैं। एक कार्टन शराब बचेन पर एक हजार रुपये बोनस दिया जाता। वे प्रतिदिन करीब 10 हजार रुपये का शराब विभिन्न इलाकों में खपा देते थे।

तलाश तेज

- अमर सिनेमा रोड से पुलिस ने किया था गिरफ्तार
- सिंडिकेट के लोगों के जुटने पर हुआ फरार

01 दर्जन से अधिक लोगों ने पुलिस से की धक्का-मुक्की

परती टोला से दो कार्टन विदेशी शराब जब्त

मुजफ्फरपुर। नगर थाना क्षेत्र के परती टोला में गुप्त सूचना के आधार पर नगर थानेदार ओमप्रकाश के नेतृत्व में सुबोध पटेल के घर रविवार की सुबह छापेमारी की गई। इस दौरान पलंग और ट्रंक में छिपाकर रखे विदेशी शराब को पुलिस ने जब्त कर लिया। छापेमारी होता देख धंधेबाज परिजनों से संग मौके से भाग निकला। नगर थानेदार ने इस संबंध में दारोगा महेश कुमार ठाकुर के बयान पर सुबोध पटेल व अन्य के खिलाफ एफआईआर की है। साथ ही उसकी गिरफ्तारी के लिए उसके एक रिश्तेदार के घर भी पुलिस ने रेड किया। लेकिन वह पुलिस को नहीं मिला। नगर थानेदार ने शराब जब्ती की पुष्टि की है। साथ ही बताया कि सुबोध भी सूरज कुमार गुप्ता के शराब सिंडिकेट से जुड़ा हुआ है। पुलिस सुबोध की आपराधिक कुंडली खंगाली रही है। गिरफ्तार नहीं होने पर इसके खिलाफ कोर्ट से अनुमति लेकर इश्तेहार और कुर्की जब्ती की कार्रवाई शीघ्र की जाएगी।

हथौड़ी में गड्ढे में डूबने से युवक की मौत, मातम

हथौड़ी | एक संवाददाता

क्षेत्र के भुताने गांव में रविवार को मवेशी को नहलाने के दौरान पैर फिसलने से चिमनी भट्ठा के गड्ढे में डूबने से अशोक महतो के पुत्र कमलेश कुमार (15) की मौत हो गयी।

सूचना मिलते ही हथौड़ी पुलिस घटना स्थल पर पहुंच कर शव को कब्जे में ले कर अंतपरिक्षण के लिए अस्पताल भेज दिया। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया। आसपास के सैकड़ों लोग जमा हो गए। सभी लोग पीड़ित परिवार को ढांढ़स बंधा रहे थे। बोचहां अंचल अधिकारी ने पीड़ित परिवार को सरकारी सहायता राशि का चेक उपलब्ध कराया।

मिला मुआवजा

- भुताने गांव में मवेशी को नहलाने के दौरान घटी घटना
- बोचहां सीओ ने पीड़ित परिवार को दिया मुआवजे का चेक

36 दिनों से अटकी पेरोल की फाइल

मुजफ्फरपुर | वरीय संवाददाता

सूबे के विभिन्न सेंट्रल, मंडल व उपकारा में बंद सजावार व विचाराधीन बंदियों को इमरजेंसी पेरोल पर छोड़ने से संबंधित फाइल मुख्यालय में करीब 36 दिनों से अटकी है। इस पर अबतक कोई फैसला नहीं हो सकता है। निर्देश के अनुसार, जेलों से मुख्यालय को भेजी गयी बंदियों की सूची की समीक्षा कर तीन सदस्यीय कमेटी को उनको पेरोल पर छोड़ने का आदेश देना था।

मार्च के अंतिम सप्ताह में सुप्रीम कोर्ट ने कोविड-19 के प्रसार को लेकर विभिन्न काराओं में बंद विचाराधीन व सजावार बंदियों को इमरजेंसी पेरोल पर छोड़ने को कहा था। इसके बाद कारा एवं सुधार सेवाएं निरीक्षणालय ने सूबे के सभी सेंट्रल जेल, मंडल कारा और उपकारा के अधीक्षक से सात साल से कम सजा वाले बंदियों की सूची 27 मार्च को मांगी थी। कारा अधीक्षकों ने रिपोर्ट मुख्यालय को अविलंब भेज दी थी। लेकिन, अब तक कोई निर्देश नहीं आया है।

892 बंदियों की सूची भेजी गई थी मुख्यालयः मुजफ्फरपुर सेंट्रल जेल के अधीक्षक राजीव कुमार सिंह ने 892 बंदियों को पेरोल पर छोड़ने से संबंधित रिपोर्ट मुख्यायल को भेजी थी। मुख्यायल को बताया गया था कि रिपोर्ट भेजे जाने के दिन तक कारा में करीब 23 सौ से अधिक बंदी हैं।

इनमें से 892 सजावार और 1463 विचाराधीन बंदी हैं। जेल अधीक्षक ने बताया कि इसबीच गया और समस्तीपुर जेल में दो बार में 187 बंदियों को भेजा गया है।

फैसला नहीं

- सुप्रीम कोर्ट ने कोरोना से बचाव को लेकर दिया था निर्देश
- सेंट्रल जेल व काराओं से भी भेजी गई थी बंदियों की सूची

अनजान महिला को देख हड़कंप

मुजफ्फरपुर। काजीमोहम्मदपुर थाना के अघोरिया बाजार में एक अनजान महिला से पहुंचने से हड़कंप मच गया है। वह एक दुकान के बाहर चादर बिछाकर दो दिनों से रह रही है। उसकी भाषा किसी को समझ नहीं आ रही है। वह कौन है और कहां से आई है, कुछ भी जानकारी देने में असमर्थ है। महिला के पास एक पॉलीथीन भी है। वह जींस और टी-शर्ट पहने हैं। गले में एक रूमाल है। आशंका जतायी जा रही है कि वह किसी दूसरे प्रदेश की रहने वाली है। रविवार शाम इसकी सूचना मिलने पर थानेदार मो. शुजाउद्दीन छानबीन में जुट गए हैं। उन्होंने बताया कि महिला से पूछताछ कर आगे कार्रवाई की जा रही है। महिला को इस हालत में देखकर लोगों में कई चर्चाएं हैं।

पूर्व मध्य रेल

खुली निविदा सूचना

खुली निविदा सूचना – SPJ-ST-S-04-2020 मंडल रेल प्रबन्धक/संकेत एवं दूर संचार/समस्तीपुर निम्न कार्य हेतु भारत के राष्ट्रपति के ओर से खुली ई–निविदा आमंत्रित करते है। **क) कार्य का नाम एवं स्थानः** समस्तीपुर मंडल के SPJ-KGG एवं MNE-SHC-PRNA में BPACs की विश्वसनीयता सुधार। **ख) अनुमानित लागतः** रूपये 46,92,382/– (रूपये छयालिस लाख बानवे हजार तीने सौ बयासी मात्र)। **ग) अग्रधन जो जमा करना हैः** रूपये 93,900/– (रूपये तिरानवे हजार नौ सौ मात्र)। **घ) निविदा जमा करने की तिथि एवं समय एवं निविदा खुलने की तिथि एवं समयः** 21/05/2020 अपराह्न 16:00 तक। 21/05/2020 अपराह्न 16:30 तक। **ङ.)** वेबसाईट का विवरण जहॉ ई–निविदा का पूर्ण विवरण देखा जा सकता है– **www.ireps.gov.in** अधिक जानकारी के लिए वेबसाईट **www.ireps.gov.in** का अवलोकन करें।

मंडल रेल प्रबंधक/संकेत एवं दूर संचार
पूर्व मध्य रेल/समस्तीपुर
पीआर/114/एसपीजे/एसएण्डटी/टी/20–21/36

राज्य में अपराध व नक्सल गतिविधियों को रोकने के लिए 85 नए थाने हुए थे सृजित, कहीं जमीन तो कहीं राशि के अभाव में नहीं हो सका काम

अधिसूचना के छह साल बाद भी नहीं खुल सके जिले में नौ नए थाने

हिन्दुस्तान खास

मुजफ्फरपुर | सोमनाथ सत्योम

अप्रैल 2014 में बिहार सरकार के तत्कालीन उप सचिव रामजीवन सत्यार्थी ने अपराध व नक्सली गतिविधियों पर नकेल कसने के लिए सूबे में 85 नए थानों के सृजन संबंधित अधिसूचना जारी की थी। इसमें मुजफ्फरपुर जोन (वर्तमान में कई रेंज में बदल गए हैं) के भी कई जिले शामिल थे। इस अधिसूचना के जारी हुए छह साल से अधिक हो गए। इस दौरान तिरहुत रेंज के मुजफ्फरपुर जिले में बीते दो साल में आपराधिक घटनाओं में बढ़ोतरी हुई है, लेकिन, पानापुर ओपी व बेला को छोड़ अन्य थाने नहीं खुल सके।

इसके अलावा सीतामढ़ी में तीन, शिवहर में एक और वैशाली में चार सृजित थाने अबतक नहीं खुले हैं। इसका प्रस्ताव पुलिस कार्यालयों के विभिन्न फाइलों में दबा है। अधिकांश थाने को छह साल बाद भी जमीन नहीं मिल सकी। इससे थानों के लिए भवन निर्माण नहीं हो सका। भवन नहीं होने की वजह से सृजित थाने नहीं खुले। मालूम हो कि वर्ष 2018 में तिरहुत रेंज में करीब 29 हजार 785 और 2019 में 31 हजार 94 संज्ञेय अपराध घटित हुए हैं।

वैशाली में अबतक नहीं खुले सृजित थानेः इसके अलावा वैशाली में चार नए थाने बनने थे, लेकिन अबतक एक भी नहीं बन सका है। सीतामढ़ी में सात नए थानों को मंजूरी मिली थी। इसमें तीन नहीं बने। शिवहर में तीन की स्वीकृति मिली थी। अबतक दो थाने खुल चुके हैं। एक जमीन के अभाव में नहीं खुल सका है।

जारी हुई थी अधिसूचना

- जिले में लगातार हो रही अपराधिक घटनाएं
- अधिकांश थानों की फाइल विभिन्न कार्यालयों में दबी

03 थाने सीतामढ़ी में सृजित करने की जारी हुई थी अधिसूचना

मुजफ्फरपुर में सृजित हुए थे 11 थाने, खुले सिर्फ दो :

मुजफ्फरपुर में 11 थानों का सृजन हुआ था। इसमें साहेबगंज में राजेपुर, कटरा में जजौर, मीनापुर में रामपुरहरि व पानापुर, पारू में चक्की सुहागपुर, अहियापुर में गरहां, झपहां व मेडिकल कॉलेज थाने का गठन होना था। पर बेला व पानापुर ओपी का गठन हुआ। वर्तमान में यह संचालित स्थिति में भी है। वहीं, रामपुरहरि थाने के लिए जमीन भी मिल चुकी है। भवन निर्माण के लिए राशि भी आवंटित हो चुकी है। लॉकडाउन की वजह से निर्माण कार्य शुरू नहीं हो सका है।

मुजफ्फरपुर में रामपुरहरि थाना के लिए राशि की स्वीकृति मिल चुकी है। लॉकडाउन की वजह से कार्य शुरू नहीं हो सका है। शिवहर में जमीन के अभाव में फतहपुर थाने का गठन नहीं किया जा सका है। सीतामढ़ी में भी जमीन की तलाश की जा रही है। वैशाली में थाना खोलने की प्रक्रिया तेज की गई है। जल्द खुल जाएंगे।

-गणेश कुमार, आईजी तिरहुत रेंज

हिन्दुस्तान

अच्छे विज्ञान की मांग

आधुनिक दुनिया ने विज्ञान का महत्व बहुत पहले ही जान लिया था, लेकिन आज दुनिया एक ऐसे दौर में है, जब लगभग पूरी बागडोर ही विज्ञान के हाथों में दिखने लगी है। क्या भविष्य की राह विज्ञान और केवल विज्ञान द्वारा ही तय होगी? क्या अर्थव्यवस्था और सामाजिकता जैसे विषय अब प्राथमिक नहीं रहे, केवल विज्ञान ही प्राथमिक है? अब विज्ञान ही बोलेगा, तब हम घर से बाहर निकलेंगे? इन दिनों विज्ञान की प्राथमिकता सिद्ध होने का एक कारण यह भी है कि ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ने चिकित्सकीय चेतावनियों को हल्के में लिया था, इसकी कीमत उन्हें कोरोना पीड़ित होकर चुकानी पड़ी। पीड़ित होने के बाद वह मजबूरन विज्ञान की शरण में गए, अर्थव्यवस्था या सामाजिकता जैसे विषय उनके लिए गौण हो गए। इस अकेले उदाहरण ने दुनिया में असंख्य लोगों को मजबूर कर दिया कि वे विज्ञान की शरण में जाएं। अमेरिका में भी विज्ञान की अवहेलना हुई, पर जब वहां तबाही मची, तब अमेरिका भी विवश हो गया। आज अर्थव्यवस्था से शायद ही किसी को उम्मीद है, आज सामाजिकता झूठी-सी लग रही है, केवल विज्ञान की ओर लोग टकटकी लगाए बैठे हैं कि वह जल्द से जल्द कोई उपचार बताए। दुनिया के वैज्ञानिकों के बीच यह भी चर्चा है कि क्या कोरोना के सामने विज्ञान नाकाम हो गया? कई डॉक्टरों का मानना है, हमने चिकित्सा तंत्र पर तो पूरा ध्यान दिया, लेकिन समाज-तंत्र को भूल गए। टेस्ट किट, मास्क, वेंटिलेटर, कुछ दवाइयां सुनिश्चित हो गईं, लेकिन डॉक्टरों या वैज्ञानिकों ने लोगों के सामाजिक व्यवहार के बारे में ज्यादा नहीं सोचा। जैसा केन्याई अर्थशास्त्री व बुद्धिजीवी डेविड नडी ने बताया, 'हमारे चिकित्सा/महामारी विशेषज्ञ रोग के स्रोत और प्रसार को समझते हैं, लेकिन वे लोक/ समाज को समझने में सक्षम नहीं हैं, और यह एक समस्या है।'

पूरी दुनिया के लिए कोरोना एक बड़ा सबक है, इसके बाद हमें अच्छे विज्ञान की मांग और आपूर्ति को पर्याप्त निवेश करते हुए बढ़ाना है।

विज्ञान का पूरा लाभ उठाने में कमी तो रही है, लेकिन ध्यान रहे, जितनी कमी विज्ञान में थी, उससे कहीं ज्यादा कमी समाज में थी और कोविड-19 जैसी घातक बीमारी को भयावह होने के मंच जगह-जगह मिल गए। अप्रैल के खत्म होते-होते दुनिया में तीस लाख से अधिक लोग कोरोना संक्रमित हो गए और दो लाख से अधिक मारे गए। वैज्ञानिक भी यही मान रहे हैं कि हमें सारे फैसले विज्ञान पर नहीं छोड़ने चाहिए। विज्ञान वास्तव में यह नहीं बताता है कि हमें क्या करना है। इसकी बजाय वैज्ञानिक तमाम चीजों के बीच संबंधों को समझने-समझाने की कोशिश करते हैं, ताकि यह अनुमान लगाया जा सके कि हम क्या करेंगे, तो क्या हो सकता है। समाज या दौर कोई भी हो, वास्तव में यह राजनीति तय करती है कि हमें क्या करना है। इसलिए कहा जाता है कि लोकतंत्र में जिस सरकार के पास जितनी ज्यादा सूचनाएं और पारदर्शिता होती है, वह उतने ही अच्छे फैसले लेती है।

कोरोना के दौर में कई देशों की राजनीति व उनकी सरकार की पोल खुली है। जिन देशों ने अच्छे विज्ञान और बुरे विज्ञान में भेद करना छोड़ दिया था, जिनकी सर्वोच्च प्राथमिकता मानव जीवन नहीं रह गया था, वे कोरोना में ज्यादा फंसे। कोरोना एक बड़ा सबक है, इसके बाद हमें अच्छे विज्ञान की मांग और आपूर्ति को पर्याप्त निवेश करते हुए बढ़ाना है। फैसला हमें और हमारी सरकारों को करना है कि पोषण उसी विज्ञान का हो, जो दुनिया के 'कोरोनाओं' को धूल चटाता हमारे साथ चले।

गरीबों की उच्च शिक्षा का क्या होगा

मध्य और निम्न आय वर्ग के नौजवानों के लिए तो स्थिति विकट हो ही गई है, विदेश जाकर पढ़ने वालों का संकट भी अब गहरा गया है।

हरिवंश चतुर्वेदी
डायरेक्टर, बिमटेक

पिछले सौ वर्षों में उच्च शिक्षा के क्षेत्र में जो तरक्की हुई, उसने विश्व-स्तर पर मानव सभ्यता को चहुंमुखी प्रगति प्रदान की। मगर विगत मार्च से उच्च शिक्षा की तरक्की का यह पहिया एकदम थम-सा गया है। यूनेस्को के अनुसार, आज 191 देशों में 25 करोड़ नौजवान उच्च शिक्षा से और लगभग 120 करोड़ बच्चे स्कूली शिक्षा के पारंपरिक रूप से वंचित हो गए हैं। जाहिर है, इस महामारी ने जितना नुकसान दुनिया की अर्थव्यवस्था, कारोबार, रोजगार, कृषि और आवागमन को पहुंचाया है, इससे कहीं ज्यादा नुकसान उसने उच्च शिक्षा और स्कूली शिक्षा का किया है।

भारत में भी कोरोना के कारण 16 मार्च से उच्च शिक्षा की तेज रफ्तार थम गई है। देश भर के एक हजार विश्वविद्यालयों और 55 हजार महाविद्यालयों में सन्नाटा छा गया है। उच्च शिक्षा पर आए इस भीषण संकट का, जो एक सुनामी या भूकंप की तरह है, समाज के अलग-अलग वर्गों पर अलग-अलग तरह से असर पड़ेगा। समाज का संपन्न वर्ग तो इस स्थिति का मुकाबला आसानी से कर लेगा, क्योंकि इस तबके के अभिभावकों के पास अपने बच्चों को घर पर रखकर पढ़ाई कराने के समुचित साधन उपलब्ध हैं। मगर समस्या उस मध्य वर्ग और निम्न वर्ग की है, जिनके पास न तो पर्याप्त आर्थिक साधन हैं और न ही ऐसे संपर्क सूत्र, जो अच्छे कॉलेजों में उनके बच्चों को दाखिला दिलाने में मददगार हों। इन वर्गों की समस्या इसलिए भी गहरा गई है, क्योंकि इनके रोजगार और व्यवसाय पर कोरोना का भयंकर असर पड़ा है। ऐसे मां-बाप लंबे अरसे से रात-दिन मेहनत करके अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा दिलाने की कोशिश करते रहे हैं। उन्हें उम्मीद रहती है कि उनकी संतान अच्छे कॉलेज या यूनिवर्सिटी में दाखिला लेकर अच्छी नौकरी हासिल करेगी। मगर अब ऐसे करोड़ों परिवारों में चिंता, संताप और निराशा की स्थिति है, क्योंकि उन्हें नहीं मालूम कि उच्च शिक्षा का अब क्या होगा और कोविड-19 संकट की समाप्ति के बाद उच्च शिक्षा कैसे चलेगी?

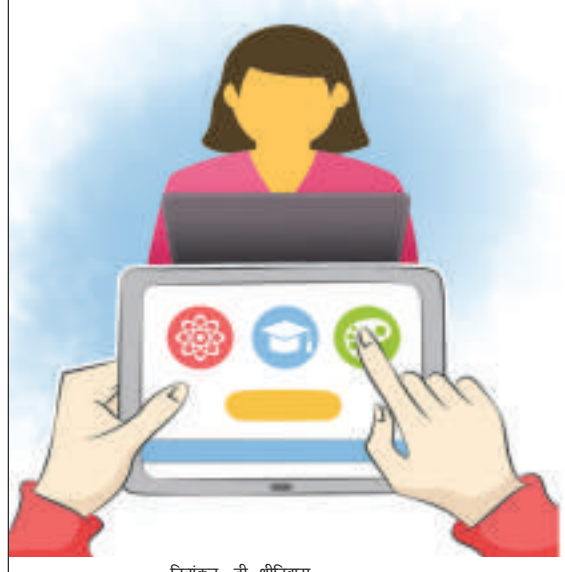

चित्रांकन : डी. श्रीनिवास

इस महामारी ने दुनिया के ज्यादातर देशों की तरह भारत की अर्थव्यवस्था को जिस तरह से भारी नुकसान पहुंचाया है, उसके कारण मध्य वर्ग और गरीब तबके के करोड़ों परिवारों को लगने लगा है कि जिंदा रहने के लिए ही जब जरूरी खर्चों का इंतजाम करना भारी पड़ रहा है, तो फिर पढ़ाई-लिखाई के लिए धन कहां से जुटाएंगे? बहुत से परिवार सरकारी और निजी बैंकों से शिक्षा-ऋण लेकर काम चला लेते थे, लेकिन लॉकडाउन की वजह से अब इसमें भी कई रुकावटें हैं।

कोविड-19 संकट गरीब वर्गों के लिए खासतौर से घातक होगा। हमारे शिक्षण संस्थानों में आपको ऐसे लाखों विद्यार्थी मिल जाएंगे, जो छोटी-मोटी नौकरियां करके या ट्यूशन आदि पढ़ाकर अपनी पढ़ाई-लिखाई का खर्च जुटाते रहे हैं। आज इन युवक-युवतियों के छोटे-मोटे रोजगार और अंशकालिक कामकाज खतरे में पड़ गए हैं। लाखों ग्रामीण और कस्बाई नौजवानों का शहर में किराए के मकान में रहकर पढ़ाई-लिखाई करना मुश्किल हो गया है। इसलिए उच्च शिक्षा के नीति-निर्धारकों का ध्यान इस तबके पर सबसे पहले जाना चाहिए। इसके पास पढ़-लिखकर आगे बढ़ने का जज्बा तो है, लेकिन समुचित साधन नहीं हैं।

मानव संसाधन विकास मंत्रालय, यूजीसी और एआईसीटीई ने कोविड-19 के कारण घोषित लॉकडाउन की अवधि में महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों को ऑनलाइन माध्यम से बकाया कक्षाओं के संचालन, प्रैक्टिकल, मौखिक परीक्षा, प्रवेश-प्रक्रिया, कैंपस को खोलने और विद्यार्थियों, शिक्षकों व स्टाफ को कोरोना संक्रमण से बचाने के लिए विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए हैं। इन दिशा-निर्देशों से यह तो स्पष्ट है कि कक्षाएं, परीक्षाएं और प्रवेश-कार्य कैसे किए जाएंगे, लेकिन यह नहीं बताया गया है कि भारत के दूरदराज के गांवों और कस्बों में रहने वाले गरीब परिवारों के नौजवान किस प्रकार स्मार्टफोन और इंटरनेट कनेक्टिविटी जुटा पाएंगे?

उच्च शिक्षा के अब तक के वैश्विक अनुभवों में ऑनलाइन शिक्षण को पारंपरिक फेस-टु-फेस शिक्षण से संबद्ध माना गया है। लेकिन कोविड-19 ने इसको उल्टा कर दिया है। अब ऑनलाइन शिक्षण ही मुख्य हो चला है और पारंपरिक शिक्षण को उसके सहायक की भूमिका निभानी है। क्या आज की परिस्थितियों में, जब 10 करोड़ से ज्यादा लोग अपने काम-धंधे और रोजगार से हाथ धो बैठे हैं, भारत में ऑनलाइन शिक्षण से वंचित वर्ग के लोगों को गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा मिल पाएगी?

कोविड-19 ने दुनिया के करीब 200 देशों की आर्थिक-सामाजिक व्यवस्था को बुरी तरह प्रभावित किया है। इसका व्यापक असर उच्च शिक्षा के अंतरराष्ट्रीयकरण पर भी पड़ेगा। पिछले तीन दशकों में विद्यार्थियों में विदेशी विश्वविद्यालयों में जाकर पढ़ने की प्रवृत्ति तेजी से बढ़ी है। कोविड-19 के प्रकोप से पहले दुनिया भर में हर साल करीब 75 लाख विद्यार्थी उच्च शिक्षा हासिल करने के लिए दूसरे देश में जाते थे। इसमें अब भारी कमी आने की आशंका है। यूनेस्को का अनुमान है कि इस संख्या में 50 प्रतिशत तक की गिरावट आ सकती है। भारत से हर वर्ष करीब दो लाख विद्यार्थी उच्च शिक्षा के लिए दुनिया भर में जाते रहे हैं, वहीं सिर्फ 50 हजार विदेशी विद्यार्थी हमारे यहां अध्ययन के लिए आते हैं। इन दोनों संख्याओं में अब बहुत गिरावट आने की आशंका है। जाहिर है, अब लोग अपने घर के पास और अपने देश में ही उच्च शिक्षा ग्रहण करना पसंद करेंगे।

सवाल यह है कि भारत की उच्च शिक्षा और उसकी गुणवत्ता को स्तरीय बनाए रखने के लिए अब क्या किया जाना चाहिए? सबसे पहले तो गरीब विद्यार्थियों, शिक्षण संस्थानों और शिक्षकों को आर्थिक राहत देने की जरूरत है। गरीब विद्यार्थियों को बैंकों से बिना ब्याज के शिक्षा-ऋण दिए जाने चाहिए, अभी इसकी ब्याज-दर 10-12 प्रतिशत है। इसी तरह, छात्रवृत्तियों की दर और संख्या भी बढ़ाई जानी चाहिए। भारत सरकार किसी कंपनी के साथ अनुबंध करके ऐसा सस्ता स्मार्टफोन बनवाए, जो पांच-छह हजार रुपये में मिल सके। छोटे शहरों, कस्बों व गांवों में इंटरनेट कनेक्टिविटी में सुधार बहुत जरूरी है। पर यह सब तभी संभव होगा, जब वित्तीय वर्ष 2020-21 में उच्च शिक्षा के मद में केंद्र सरकार के बजट-आवंटन को कम से कम 50 हजार करोड़ रुपये बढ़ाया जाए।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

नश्तर

छोटी भूल के बड़े नतीजे

ऐसा तो नहीं कि परिपक्व प्रजातंत्र राजसी खंडहरों को उनकी हैसियत बताने को कटिबद्ध है?

इतिहास साक्षी है कि अनजाने में हुई मानवीय भूलों के नतीजे भयंकर होते हैं। कोई सोचे कि यदि राम को सीता के साथ चौदह वर्ष का वनवास न हुआ होता या सीता मायावी रावण के प्रलोभन में लक्ष्मण-रेखा न लांघतीं, तो लंका और रावण के खानदान का (विभीषण के अपवाद के अलावा) विनाश कैसे होता? यदि शकुनि की चाल में फंसकर युधिष्ठिर राजपाट और द्रौपदी को गंवाकर हर प्रकार से चौपट न हुए होते, तो क्या महाभारत का विध्वंस संभव था?

यदि भारत सरकार समय रहते समुचित कदम न उठाती, तो क्या कोरोना से प्रभावी तरीके से जूझना मुमकिन होता? फिर भारत के प्रगतिशील बुद्धिजीवी कैसे अफसोस जताते कि यदि और टेस्ट होते, तो परिणाम अधिक वास्तविक आते? जैसे वे सब दुखी हैं कि भारत ने संक्रमित रोगियों का विश्व कीर्तिमान क्यों नहीं बनाया? वह भी लाइलाज मर्ज से पीड़ित इतने लोगों का अस्पताल पहुंचना और फिर सकुशल घर लौट आना?

एक निराश बुद्धिजीवी दिल का दर्द कुछ यूं बयां करते हैं, 'और किसी क्षेत्र में हो न हो, आंकड़े और उनके प्रचार-प्रसार में इस सरकार की बराबरी नहीं है?' पहले तो परिवार तंत्र को ही प्रजातंत्र का पर्याय समझ लिया जाता था। अब इन निष्ठावान बुद्धिजीवियों को कोई कैसे समझाए कि भारत आज पारिवारिक एकतंत्र न होकर संसार का विशाल और गतिशील प्रजातंत्र है। इसमें यह कैसे संभव है कि कल का युवराज ही भविष्य में जनतांत्रिक आका बने? दीगर है, उसके परिवार की गौरवशाली परंपरा ने आजादी के बाद देश को तीन प्रधानमंत्री दिए हैं।

इन स्थापनाओं को निर्मूल सिद्ध करते हुए ऐसी अनहोनी हुई कि एक चाय वाला लोकतंत्र के सर्वोच्च पद पर आज आसीन है। ऐसा तो नहीं है कि वर्तमान का परिपक्व प्रजातंत्र अब इन राजसी खंडहरों को उनकी वास्तविक हैसियत बताने को कटिबद्ध है? प्रजातंत्र के पारिवारिक वायरस का विस्तार आज केंद्र से राज्य तक है। कहीं ऐसा न हो कि एक जाए, तो दूसरा खुद-ब-खुद विदा हो ले?

गोपाल चतुर्वेदी

नजरिया

भीड़भाड़ में खरीदारी के दिन अब लदने वाले हैं

लॉकडाउन के समय उपभोक्ताओं के व्यवहार और सोच में आए बदलाव से अब और तेजी से बढ़ेगा ई-कॉमर्स।

जयंतीलाल भंडारी
अर्थशास्त्री

दुनिया के 46 प्रतिशत लोगों का मानना है कि वे अब कभी भीड़भाड़ में नहीं जाएंगे। विश्व प्रसिद्ध ग्लोबल डाटा एजेंसी स्टेटिस्टा द्वारा लॉकडाउन व कोविड-19 के बाद जिंदगी में आने वाले बदलावों के बारे में जारी रिपोर्ट हमें यही बताती है। ऐसे में निश्चित रूप से लोगों की खरीदी की आदत भी बदलेगी और वे ई-कॉमर्स के माध्यम से घर बैठे तमाम वस्तुएं प्राप्त करना चाहेंगे।

देश में लॉकडाउन की अवधि 17 मई तक बढ़ाए जाने के मौके पर सरकार द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार, ई-कॉमर्स के माध्यम से जरूरी सामान ग्रीन, ऑरेंज और रेड, तीनों जोन के लोगों द्वारा मंगाए जा सकेंगे। दुनिया की तमाम कंपनियों और व्यापार संगठनों को भारत जैसी बड़ी आबादी वाले देश में खुदरा कारोबार के ई-कॉमर्स बाजार की चमकीली संभावनाओं का पता चल चुका है। हमारा समाज ई-कॉमर्स की ओर तेजी से बढ़ने के लिए विवश है। गौरतलब है, 22 अप्रैल को लॉकडाउन के बीच ही रिलायंस जियो और फेसबुक के बीच ई-रिटेल शॉपिंग में उतरने को लेकर एक बड़ी डील हुई है। अब रिलायंस का जियोमार्ट और फेसबुक का वाट्सएप प्लेटफॉर्म मिलकर भारत के करीब तीन करोड़ खुदरा कारोबारियों और किराना दुकानदारों को पड़ोस के ग्राहकों से जोड़ने का काम करेंगे। पड़ोस की दुकानों से ग्राहकों को सामान जल्द मिलेगा और छोटे दुकानदारों का कारोबार भी बढ़ेगा। भारत में वाट्सएप के करीब 40 करोड़ यूजर्स हैं, जबकि जियो के 38 करोड़ ग्राहक हैं।

जहां अधिकांश ई-कॉमर्स कंपनियां अपनी नई रणनीति बनाने में जुटी हैं, वहीं ऑफलाइन रिटेल एसोसिएशन कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (सीएआईटी) ने भी उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्द्धन विभाग (डीपीआईआईटी) के साथ मिलकर देश के सात करोड़ कारोबारियों के लिए राष्ट्रीय ई-कॉमर्स बाजार तैयार करने की रणनीति तैयार करने के संकेत दिए हैं। सीएआईटी का कहना है कि एक ऐसी व्यवस्था विकसित की जाएगी, जहां स्थानीय किराना दुकानें ऑनलाइन ऑर्डर लेने में सक्षम होंगी। दूरदराज तक किफायती आपूर्ति, डिजिटल भुगतान संभव हो जाएगा।

वर्ष 2019 की एक रिपोर्ट में बताया गया था कि भारत का ई-कॉमर्स बाजार वर्ष 2021 तक 84 अरब डॉलर का हो जाएगा, जो 2017 में महज 24 अरब डॉलर का था। अब कोविड-19 के बाद अनुमान है कि वर्ष 2028 तक यह कारोबार 200 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है। निस्संदेह, ई-कॉमर्स ने देश में खुदरा कारोबार में क्रांति ला दी है। देश में इंटरनेट के उपयोगकर्ताओं की संख्या 62 करोड़ से अधिक है, जैसे-जैसे यह संख्या बढ़ेगी, ई-कॉमर्स में और तेजी आएगी।

लेकिन इस क्षेत्र में कुछ चुनौतियां भी हैं, जैसे वैश्विक और भारतीय कंपनियों को काम करने का समान अवसर देना होगा। यह भी ध्यान रखना होगा कि ई-कॉमर्स के कारण छोटे-छोटे खुदरा कारोबारियों को भी नुकसान न हो। यह सरकार का दायित्व है कि ई-कॉमर्स से देश की विकास आकांक्षाएं पूरी हों तथा बाजार भी विफलता व विसंगति से बचा रहे। ई-कॉमर्स कंपनियों द्वारा ग्राहकों के डाटा की सुरक्षा और उसके व्यावसायिक इस्तेमाल को लेकर पाबंदी बहुत जरूरी है। नई वैश्विक अर्थव्यवस्था में डाटा की वही अहमियत होगी, जो आज कच्चे तेल की है। भारत में उपभोक्ताओं की संख्या और उनके डाटा को

भारतीय ई-कॉमर्स बाजार में ग्राहकों को खुश रखना सबसे जरूरी है, तभी यह क्षेत्र विकास को बल दे पाएगा।

एक अहम आर्थिक संसाधन के रूप में मान्यता देनी होगी। ई-कॉमर्स नीति में सिर्फ विदेशी कारोबारियों की ही नहीं, घरेलू कारोबारियों की भी अहम भूमिका होनी चाहिए। ई-कॉमर्स कंपनियों की यथोचित निगरानी भी जरूरी होगी, ताकि वे भारतीय अर्थव्यवस्था को किसी भी तरह से नुकसान न पहुंचा सकें।

ध्यान रहे, एक बड़ी आबादी भारत में ऐसी भी है, जिसे ई-कॉमर्स पर बहुत भरोसा नहीं है। ऐसे लोगों को ई-कॉमर्स से जोड़ने के लिए ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म को आसान बनाने के साथ ही किसी भी तरह की धोखाधड़ी पर लगाम लगाने की जरूरत है। उपभोक्ताओं की सही सेवा सबसे ऊपर है। आशा है, देश में ई-कॉमर्स का सही ताना-बाना कोविड-19 के बाद करोड़ों उपभोक्ताओं की संतुष्टि और विकास दर को बढ़ाने में भी प्रभावी भूमिका निभाएगा। साफ है, लोगों को भीड़भाड़ के जोखिम से बचाने की सर्वाधिक जिम्मेदारी अब ई-कॉमर्स कंपनियों पर है।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

विदेशी अखबार से

आदर्श नेतृत्व

नेतृत्व को परिभाषित करना कठिन हो सकता है, मगर मुश्किल वक्त में इसकी पहचान आसानी से हो जाती है। जिस तरह से महामारी ने खौफ, बीमारी और मौत का प्रसार किया है, इसमें दुनिया भर के राष्ट्रीय नेताओं की गंभीर परीक्षा हुई है। इस परीक्षा में कुछ नेता निराश करने की हद तक कमजोर साबित हुए, लेकिन कई नेताओं का कद इस मुश्किल घड़ी में ऊंचा हुआ है। उन्होंने जबर्दस्त साहस, संवेदनशीलता, विज्ञान के प्रति सम्मान व शालीनता का प्रदर्शन किया है, और इस वजह से उनके देश के लोगों पर इस महामारी का असर भी कुछ कम हुआ। न्यूजीलैंड की 39 साल की प्रधानमंत्री जेसिंडा अर्डन इसमें एक नजीर बनकर उभरी हैं। 21 मार्च को, जब उनके मुल्क में सिर्फ 52 पुष्ट मामले थे, उन्होंने अपने देशवासियों से बात की और बहुत साफ लफ्जों में अपना पैगाम दिया, 'ये फैसले न्यूजीलैंड वासियों की गतिविधियों पर आधुनिक इतिहास की सबसे बड़ी पाबंदी लगाने वाले हैं। मगर वायरस की रफ्तार को थामने और जिंदगियों को बचाने का यही सबसे अच्छा तरीका है।' और फिर उनके करुणा में डूबे अल्फाज थे, 'हौसला रखिए, और कोविड-19 से मुकाबले में एकजुट व दयालु बनिए।' लिबरल जेसिंडा ने इसके बाद अपने ऑस्ट्रेलियाई समकक्ष, जो कि कंजरवेटिव दल से ताल्लुक रखते हैं, के साथ मिलकर इस महामारी को अपने-अपने देशों में परास्त करने की साझी रूपरेखा बनाई।

The New York Times

इसी तरह, दक्षिण कोरिया, ताईवान से लेकर जर्मनी, ग्रीस और आइसलैंड के नेताओं के त्वरित व निर्णायक फैसलों ने इस महामारी के प्रभाव को कम करने में अहम भूमिका निभाई है। दुनिया भर में महिला नेताओं के हाथों में नेतृत्व की बागडोर काफी कम है, लेकिन इस समय उनका नेतृत्व अधिक प्रभावशाली रूप में सामने आया है। जेसिंडा की तरह ही जर्मनी की चांसलर एंजेला मर्केल भी वायरस-प्रसार की प्रकृति का पता लगते फौरन सक्रिय हो गईं और तेजी से कोविड-19 की जांच शुरू करा दी। आइसलैंड, डेनमार्क और फिनलैंड की प्रधानमंत्रियों ने भी बेहतरीन काम किया है।

द न्यूयॉर्क टाइम्स, अमेरिका

साइबर संसार

मौत और आंकड़े

मेरे घर के ठीक सामने श्मशान घाट है। बनारस में मणिकर्णिका घाट भी गया हूं, सारनाथ भी पहुंचा हूं। एक बात मैंने हमेशा पाई कि जो अक्सर श्मशान जाते रहते हैं, वे बड़े लापरवाह हो जाते हैं। हंसते हैं, खैनी रगड़ते हैं। अंतिम संस्कार कराने वाले तो बिल्कुल ऐसी अवस्था में होते हैं, जैसे कपड़े की दुकान में पैंट-शर्ट दिखाने वाले रहते हैं। बिल्कुल निर्लिप्त। मैं उनकी सहजता समझता हूं। यह उनको मिले किसी ज्ञान से नहीं आती, बल्कि रोज की आदत से आ जाती है। मुझमें भी आ गई है। दसियों साल से तनख्वाह लेकर समाचार लिख रहा हूं। आजकल मेरे हिस्से में दैनिक कोरोना रिपोर्ट आती है। मैं लिखता जाता हूं। देश में कोरोना संक्रमण का आंकड़ा इतने हजार से ऊपर पहुंचा। मरने वालों की कुल तादाद यह है, पिछले चौबीस घंटों में इतने मर गए, वगैरह-वगैरह। जब यह नहीं था, तब किसी दुर्घटना में मरने वालों के आंकड़े बताते थे। थोड़ी आसानी हो जाए, इसके लिए पत्रकारों ने एक ढंग अपनाया। लिखने और बताने लगे- दर्जन भर मारे गए। पहले मन में घिन उठी कि आदमी गिन रहे हैं कि केले? फिर समझ आया कि ये सहज हो गए हैं। रोज का काम है। लेकिन क्या श्मशान वाले और हम किसी अपने की मौत पर इतने ही सहज हो सकते हैं? या अपनी मौत को लेकर कंफरटेबल हो सकते हैं?

पहले मन में घिन-सी उठी कि आदमी गिन रहे हैं कि केले? फिर समझ आया कि ये सहज हो गए हैं।

नितिन ठाकुर की फेसबुक वॉल से

मनसा वाचा कर्मणा

जोखिम उठाना पड़ेगा

अपनी मौजूदा नौकरी से नाखुश होने के बाद भी वह उसे सिर्फ यह सोचकर उम्र भर नहीं बदल पाए कि क्या पता, वह दूसरी जगह ठीक से जम भी पाएंगे या नहीं? हालांकि वह अच्छे-खासे पढ़े-लिखे और एक आकर्षक व्यक्तित्व के मालिक हैं। वह यही सोचते रहे कि कहीं ऐसा न हो, चौबे चले थे बनने छब्बे, दूबे ही रह गए।

हम सब धरती, सागर, अंबर नापना चाहते हैं, दुनिया अपनी मुट्ठी में करना चाहते हैं, चांद पर अपना घर बनाना चाहते हैं, लेकिन किसी भी काम में जोखिम देखते ही अपने कदम तुरंत पीछे खींच लेते हैं। पर अगर हम गौर करें, तो पाएंगे कि हमारे चारों तरफ जोखिम ही जोखिम है। रिश्तों में दरार पड़ने का जोखिम, तो जी-तोड़ मेहनत के बाद भी टीम में चयन न होने का जोखिम। हमें एक बात हमेशा याद रखनी होती है कि किसी भी महत्वपूर्ण काम को करने में जोखिम होता है। इससे डरकर हम जितनी दूर विफलता को धकेलते हैं, उतनी ही दूर अपनी सफलता को भी कर देते हैं।

मशहूर अमेरिकी लेखक जिग जिगलर अपनी किताब *स्टेप्स टु द टॉप* में लिखते हैं- मैंने लगभग हरेक सफल व्यक्ति के व्यक्तित्व में, जिनको मैं जानता हूं, एक बात समान रूप से देखी है, और वह है विफलता के प्रति उनका जोखिम उठाने का साहस।

प्रसिद्ध अमेरिकी फिल्म कलाकार विल्स रोजर का यह कथन कितना सही है कि आपको बाहर आकर पेड़ की शाखा पर चढ़ना ही होता है, क्योंकि फल वहीं लगा है। ख्वाहिश अगर चांद छूने की है, तो फिर यह जरूरी है कि 'नो रिस्क, नो गेन' के सूत्र को जेहन में अच्छी तरह से बिठा लिया जाए।

भारत भूषण आर्य

80 साल पहले

हिन्दुस्तान
Hindustan

पाकिस्तान योजना नामंजूर

देहली, शनिवार। ''पाकिस्तान योजना एक गंभीर समस्या को हल करने के लिए अत्यन्त विवेकहीन प्रयास है।'' खां अल्लाबख्श ने आज तीसरे पहर ४।। बजे गान्धी मैदान में शुरू हुए अखिल भारतीय राष्ट्रीय मुस्लिम सम्मेलन के अध्यक्ष पद से भाषण देते हुए कहा। अपने भाषण के दौरान भूतपूर्व प्रधानमन्त्री ने मुस्लिम लीग की भारत बंटवारे की योजना तथ्यहीन सिद्ध की और यह तजवीज की कि कांफ्रेंस ऐसे प्रस्ताव तैयार करे, जो कि एक स्थायी हिन्दू-मुस्लिम समझौते के आधार बन सकें। भारत के अधिकांश मुसलमान भारत को आजाद देखना चाहते हैं और वे इसके लिए एक विधान पंचायत में शामिल होकर शासन विधान बनाने के लिए तैयार हैं। खां अल्लाबख्श ने घोषणा की कि केवल यही मुस्लिम कांफ्रेंस आज ऐसी स्थिति में है कि जो एक योजना तैयार करके राजनीतिक संकट का अन्त कर सकती है। उन्होंने कहा, ''यदि आप सब लोग किसी साम्प्रदायिक समझौते के आधार के बारे में सहमत हो जाएंगे, तो कांग्रेस को जो कि देश की सबसे शक्तिशाली संस्था है, आपके प्रस्तावों पर विचार करना पड़ेगा।'' आपके निर्णय की इस देश में तथा विदेशों में भी उत्सुकता के साथ प्रतीक्षा की जा रही है।

(उस समय राज्यों के मुख्यमंत्री को प्रधानमंत्री कहते थे)

28 अप्रैल, 1940 को प्रकाशित

मेल बॉक्स

अफवाहों से बचें

सभी तरह के उपायों के बावजूद कोरोना महामारी तेजी से पैर पसार रही है। चीन से निकले इस वायरस ने दुनिया के ज्यादातर देशों में अपना घर बना लिया है। चूंकि इसके खिलाफ अब तक टीका नहीं बन सका है, इसलिए संक्रमण से बचाव बहुत जरूरी है। मगर इसके साथ जरूरी यह भी है कि इस बीमारी को लेकर समाज में मौजूद भ्रम खत्म हो। जैसे, यदि आपके आसपास संक्रमण का कोई मामला सामने आता है, तो घबराएं नहीं। स्थानीय प्रशासन को पूरा सहयोग दें और जो निर्देश वह देता है, उस पर अमल करें। कोरोना संक्रमित मरीज या उनके परिजनों से किसी तरह का भेदभाव करने से बचें। ध्यान रखिए कि संक्रमित शख्स बीमार है, अपराधी नहीं। जरूरी यह भी है कि लोगों का आपसी शारीरिक संपर्क भले न हो, मगर वे एक-दूसरे से फोन आदि पर संपर्क बनाए रखें। ऐसा करने पर अकेलेपन का डर नहीं सताएगा।

रजत यादव, सुजानपुर
rajat.yadav.7619911186@gmail.com

मौका भी, दस्तूर भी

जहां एक तरफ कोविड-19 ने पूरी दुनिया को हैरत में डाल रखा है, वहीं भारत के लिए यह एक बड़ा अवसर भी लेकर आया है। असल में, विश्व की कई कंपनियां चीन से अपना बोरिया-बिस्तर समेटने लगी हैं और उनमें से अनेक ने भारत में दिलचस्पी दिखाई है। भारत सरकार को चाहिए कि वह राज्य सरकारों से समन्वय स्थापित करके एक कारोबारी रणनीति तैयार करे और इन कंपनियों को अपने यहां लाने का पूरा प्रयास करे। खबर है कि गुजरात और उत्तर प्रदेश की सरकारें इस दिशा में आगे बढ़ने भी लगी हैं, और उन्होंने अपने-अपने स्तर पर प्रयास करना शुरू कर दिया है। अगर केंद्र सरकार इन कंपनियों को अपने यहां ला सकी, तो निश्चय ही विश्व मंच पर भारत की एक अलग तस्वीर उभरकर सामने आएगी, जिसका हमें काफी फायदा मिलेगा।

राजन कुशवाहा
mr.rk73@gmail.com

अस्पतालों की सुधरे सेहत

आबादी की लिहाज से भारत विश्व में दूसरा स्थान रखता है, लेकिन यहां आबादी के मुताबिक स्वास्थ्य सुविधाएं नहीं मिलतीं। अस्पतालों में डॉक्टरों की कमी, दवाइयों का अभाव, खराब पड़े मशीन आम बात हैं। इन परेशानियों से आम आदमी का सरकारी अस्पतालों से विश्वास कम हो गया है। हमें यह सच स्वीकार करना होगा कि आज भी बड़ी संख्या में लोग इलाज के अभाव में दम तोड़ रहे हैं। डॉक्टरों पर मरीजों का अधिकाधिक भार है। इसीलिए नए डॉक्टरों की नियुक्ति के साथ-साथ हमें अस्पतालों की सेहत भी सुधारनी होगी। इतनी बड़ी आबादी को संभालने के लिए डॉक्टरों का चेन बनाया जा सकता है, जहां शुरुआती इलाज नजदीकी डॉक्टर से हो और उसी की रिपोर्ट के आधार पर तहसील, जिला या राजधानी के स्तर के अस्पतालों में इलाज हो। इससे बड़े अस्पतालों में मरीजों का बोझ घटेगा और सभी को गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सुविधा मिल सकेगी।

महेश कुमार
mkumar.sidhmukh@gmail.com

कोरोना के खिलाफ

जहां पूरा विश्व कोरोना वायरस से जूझ रहा है, वहीं भारत में कुछ लोग इसकी आड़ में अपनी सांप्रदायिक नीतियों को आगे बढ़ा रहे हैं। इसकी जितनी भी निंदा की जाए, वह कम है। हम इस बीमारी का तभी मुकाबला कर पाएंगे, जब एकजुट होकर इससे लड़ेंगे। हमारी संस्कृति भी भेदभाव करना नहीं सिखाती। मगर कहीं संतों की हत्या हो रही है, कहीं चिकित्सकों पर हमले हो रहे हैं, तो कहीं मुसलमानों को घेरा जा रहा है। सभी लोग समान रूप से इस मुल्क में रहने के हकदार हैं। इसलिए हमें धार्मिक भेदभाव को महत्व नहीं देना चाहिए। हमें आपसी तनाव को भूलकर युद्ध-स्तर पर इस महामारी से लड़ना होगा। अगर हम ऐसा नहीं कर सके, तो देश भले कोरोना से होने वाले शारीरिक संक्रमण से उबर जाए, लेकिन मानसिक संक्रमण से यह शायद ही उबर पाएगा।

पंकज कुमार, धनबाद

पत्र भेजने के अलावा आप ईमेल से भी अपनी राय भेज सकते हैं। हमारा पता है- **मेल बॉक्स, हिन्दुस्तान, एनएच-28, सदातपुर, मुजफ्फरपुर, 843108।** ईमेल से 'आपकी राय' भेजने के लिए हमारा पता है- muzaffarpur@livehindustan.com

महामारी में नागरिकों के मौलिक अधिकार निलंबित हैं, ऐसे में सभी देशों की न्यायपालिकाओं को ज्यादा सक्रिय हो जाना चाहिए। **स्टॉकहोम सेंटर फॉर इंटरनेशनल लॉ एंड जस्टिस**

ऑब्जेक्टिव सवालों का जवाब देने के लिए गहनता से पढ़ना जरूरी

मुजफ्फरपुर | वरीय संवाददाता

यूजीसी की नई गाइडलाइन के अनुसार ओएमआर शीट पर परीक्षा लेने सुझाव दिया गया है। ऐसे में ऑब्जेक्टिव सवालों का पैर्टन लागू होता है तो छात्रों को गहनता से पढ़ाई करना जरूरी होगा। सब्जेक्टिव प्रश्नों के आधार पर परीक्षा देना और ऑब्जेक्टिव के आधार पर परीक्षा देने में काफी अंतर है। यूजीसी की गाइडलाइन के अनुसार परीक्षा होगी और स्नातक व पीजी में ऑब्जेक्टिव सवाल पूछे जाते हैं तो छात्रों को हर चैप्टर ध्यानपूर्वक पढ़ना होगा। यह कहना है कि विशेषज्ञों का। वे बताते हैं कि सब्जेक्टिव सवालों के जवाब देने में कुछ बातें खुद भी जोड़ सकते हैं। पर ऑब्जेक्टिव सवालों के जवाब देने में ऐसा नहीं होता। अगर उत्तर गलत हुए तो नंबर नहीं मिलेंगे।

राजभवन के निर्देश के बाद आगे की कार्रवाईः बीआरए बिहार विवि यूजीसी की गाइडलाइन आने के बाद राजभवन के दिशा-निर्देश के बाद इस पर आगे कार्रवाई करेगा। राजभवन से निर्देश आने के बाद विवि अपने तमाम निकायों से पास कराने के बाद फिर राजभवन को भेजेगा। राजभवन की मंजूरी के बाद लागू किया जा सकेगा।

ऑब्जेक्टिव का कोई शॉर्टकट नहीं होता

ऑब्जेक्टिव परीक्षा आसान नहीं होती। इसका रेंज बहुत बड़ा होता है। हर चैप्टर को गंभीरता से पढ़ना पड़ेगा। सब्जेक्टिव में अनुमान लगाया जा सकता है कि कौन से प्रश्न आ सकते हैं। ऑब्जेक्टिव का कोई शॉर्टकट नहीं होता। ऐसे में सिलेबस छोटा भी होना चाहिए। वैसे परीक्षा में ज्यादा बदलाव करना उचित नहीं होगा। यह हो सकता है कि जिस तरह बड़े विवि में कॉपियों की जांच कॉलेज स्तर पर हो जाती है वैसा हो ताकि कम समय में रिजल्ट आ जाए।

-डॉ. ओम प्रकाश सिंह, प्राचार्य, आरडीएस कॉलेज

टेक्स्ट बुक को विस्तार से पढ़ना होगा

बच्चों को टेक्स्ट बुक विस्तृत रूप से पढ़ना होगा। सब्जेटिक्व सवालों वाली परीक्षा में कई विकल्प पहले से दिए होते हैं। लेकिन ऑब्जेक्टिव सवालों वाली परीक्षा और रिजल्ट में निकलने में समय कम लगता है। ऐसे में छात्रों को अनी पढ़ाई गहनता से करनी होगी। ऐसा इसलिए क्योंकि छात्रों के पास विकल्प नहीं होगा। क्योंकि ऑब्जेक्टिव में सवाल का जवाब सही होने पर ही पूरे नंबर मिलेंगे और उत्तर गलत होने पर उसमें कुछ नहीं मिलेगा।

-डॉ. ओम प्रकाश राय, प्राचार्य, एलएस कॉलेज

हर चैप्टर से 20-20 सवाल बनाएं

टेक्स्ट बुक को पूरा पढ़ना जरूरी है। जो भी पढ़ें, प्वाइंटवाइज तैयारी करें। उसे लिखकर लगातार प्रैक्टिस करें। कुछ प्रश्नों को छांट लें। हर चैप्टर में 20-20 ऐसे सवाल तैयार करें जिसका उत्तर एक लाइन में हो। इसकी तैयारी करें, क्योंकि ऑब्जेक्टिव कहीं से भी पूछा जा सकता है। जब ऐसी परीक्षा होती है तो अक्सर सिलेबस थोड़ा छोटा होता है। ऐसा होता है तो छात्रों को तैयारी में मदद मिलेगी। समय के अनुसार प्रैक्टिस करनी होगी।

-डॉ. ममता रानी, प्राचार्य, आरबीबीएम कॉलेज

एबीवीपी ने 12 लाख रुपये दान कराये पीएम फंड में

मुजफ्फरपुर | वरीय संवाददाता

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के महाअभियान अंशदान महादान पीएम केयर फंड में जिला इकाई ने 12 लाख 32 हजार 323 रुपये दान कराये हैं।

इस अभियान के जिला प्रमुख अभिनव राज, जिला सह प्रमुख सुप्रिया कुमारी, महानगर प्रिंस कुमार ने संयुक्त रूप से कहा कि इस अभियान के तहत छात्र, व्यवसायिक वर्ग, शिक्षक वर्ग के साथ समाज के विभिन्न वर्गों के सहयोग से दान किया गया है। जिला संगठन मंत्री पुरुषोत्तम कुमार ने लोगों से प्रशासन के निर्देशानुसार कोई कदम उठाने के लिए आग्रह किया।

जिला संयोजक चंद्रभानु सिंह, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य प्रभात मिश्रा ने कहा कि विद्यार्थी परिषद की ओर से इस लॉकडाउन में ऑनलाइन प्रतियोगिताओं के साथ संगीत कार्यक्रम आवाज मुजफ्फरपुर प्रस्तुत किया जा रहा है इसमें शहर के कई कलाकारों को उभरने का मौका मिल रहा है।

बीआरए बिहार विश्वविद्यालय में दो महीने पहले बनी डिग्रियां छांटी जा रहीं जिलावार

दो हजार छात्रों की डिग्री की स्टेटस रिपोर्ट वेबसाइट पर

मुजफ्फरपुर | वरीय संवाददाता

बीआरए बिहार विवि के दो हजार छात्रों की डिग्री को अपडेट किया जा रहा है। ताकि छात्रों को यह पता चल सके कि उनकी डिग्री बनी चुकी है। इन छात्रों की डिग्रियों के लिए उनके रोल व रजिस्ट्रेशन के आधार पर वेबसाइट पर अपलोड किया जा रहा जा रहा है। परीक्षा विभाग में दो हजार से अधिक ऐसे डिग्रियों को अपडेट करने का काम चल रहा है।

ये विवि के पांचों जिलों के छात्रों के हैं। इसमें मुजफ्फरपुर, पूर्वी, पश्चिम चंपारण, सीतामढ़ी व वैशाली जिले के कॉलेजों के छात्र हैं। विवि परीक्षा विभाग में दो महीना पहले तक बनी डिग्रियों को कर्मचारी जिलावार छांट रहे हैं। फिलहाल नई डिग्री बनाने का काम नहीं हो रहा है। कुलसचिव व परीक्षा नियंत्रक डॉ. मनोज कुमार ने कहा कि जो डिग्री लॉकडाउन के पहले बनकर तैयार थीं, उन्हें जिलावार व कॉलेजों के अनुसार अलग-अलग छांटा जा रहा है। साथ ही विवि की वेबसाइट इसे अपडेट किया जा रहा है। छात्र विवि की वेबसाइट पर अपनी डिग्री का स्टेटस चेक कर सकते हैं। छात्रों को रजिस्ट्रेशन व रोल नंबर के माध्यम से चेक करना होगा। उनकी डिग्री बनी है या नहीं, यह उन्हें घर बैठे पता चल जाएगा। कुलसचिव ने कहा कि कॉलेज खुलने के बाद इन डिग्रियों को भेज दिया जाएगा। छात्र वहीं इसे हासिल कर सकते हैं। कुलसचिव का कहना है नई डिग्रियों के बनाने का काम फिलहाल नहीं हो रहा है। इसके लिए अधिक लोगों की आवश्यकता होगी। इसी को ध्यान में रखते हुए इस वक्त डिग्री को छांटने व उसके स्टेटस को अपडेट करने का काम चल रहा है ताकि सोशल डिस्टेंसिंग का भी पालन हो सके। इस काम को दो से तीन दिन में पूरा कर लिया जाएगा।

छात्रों को लाभ

- रजिस्ट्रेशन व रोल नंबर से जान सकेंगे अपनी डिग्री की स्टेटस
- मुजफ्फरपुर, चंपारण, सीतामढ़ी व वैशाली के कॉलेजों के छात्रों को लाभ

03 दिनों के अंदर विवि में पूरा होगा डिग्री अपडेशन का काम

100 से अधिक पीएचडी अभ्यर्थियों को मिली राहत

मुजफ्फरपुर। पीएचडी करने वाले अभ्यर्थियों को छह महीने का समय मिलने से बड़ी राहत मिली है। यूजीसी की ओर से पीएचडी थीसिस जमा करने का समय छह महीने बढ़ाया गया है। इससे पीएचडी कर रहे करीब सौ अभ्यर्थियों को इसका सीधा लाभ मिला है। बीआरएबीयू में ऐसे करीब सौ अभ्यर्थियों को थीसिस जमा करनी थी जिनका पीएचडी का निर्धारित समय पूरा हो रहा था। यह समय मार्च से जून तक का था। इस अवधि में उन्हें अपने रिसर्च की थीसिस जमा कर देनी थी। लॉकडाउन के कारण विवि में काम बंद होने से अभ्यर्थियों की थीसिस नहीं जमा हो सकी थी और अगले एक दो महीना इस पर संदेह था। इस समय में थीसिस जमा नहीं होने से उन्हें पीएचडी पूरा करने में परेशानी हो जाती। ऐसे में यूजीसी की ओर से थीसिस जमा करने की समय सीमा को छह महीना बढ़ाने से इन पीएचडी अभ्यर्थियों को राहत मिली है। बता दें कि एकेडमिक कैलेंडर व परीक्षा आदि के लिए यूजीसी की ओर से कमेटी का गठन किया गया था। कमेटी की रिपोर्ट के आधार पर यूजीसी ने तमाम विश्वविद्यालयों के लिए गाइडलाइन जारी की है। इसमें छात्रों को नुकसान न हो, इसका ख्याल रखा गया है। पीएचडी में छह महीने का समय बढ़ाने से इनके कार्य को पूरा करने का मौका मिला है। हालांकि, विवि इस दिशा-निर्देश के अनुसार अपने निकायों से मंजूरी लेकर और राजभवन की इजाजत के बाद लागू करेगा। (वसं.)

वेतन में कटौती के आदेश से आक्रोश

मुजफ्फरपुर/दरभंगा। शिक्षा विभाग की ओर से गत 29 अप्रैल को निर्गत पत्र में विश्वविद्यालय के शिक्षकों एवं शिक्षकेतर कर्मियों के लिए मार्च, अप्रैल एवं मई 2020 के वेतन एवं पेंशन के भुगतान का आदेश दिया गया है। इसमें शिक्षकेतर कर्मचारियों के लिए भुगतान करने का आदेश दिया गया है जिसमें बिंदु 5 (13) में शिक्षकेतर कर्मचारियों को 25 प्रतिशत वेतन कटौती कर भुगतान करने का आदेश दिया गया है। शिक्षकेतर कर्मचारी महासंघ ने इसे तुगलकी फरमान बताया है। इससे कर्मचारियों में आक्रोश व्याप्त है।

आंदोलन की चेतावनी

इसे वापस लेने के लिए विश्वविद्यालय कर्मचारी महासंघ के महासचिव राघवेंद्र कुमार ने शिक्षा विभाग के प्रधान सचिव को पत्र लिखा गया है। पत्र में इस आदेश को अविलंब वापस लिए जाने की मांग की गयी है, अन्यथा आंदोलन करने की चेतावनी दी गयी है। इस फरमान के विरुद्ध विवि कर्मचारी महासंघ, पटना को राज्य के सभी विश्वविद्यालय संघों ने अपनी सहमति दी है। कहा गया है कि महासंघ जो भी निर्णय करेगा उस पर खरे उतरेंगे। ऐसा नहीं किया गया तो पूरे बिहार के सभी विश्वविद्यालयों को अनिश्चितकाल के लिए बंद किया जा सकता है। यह जानकारी महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष शंकर यादव ने रविवार को दी। **(हि.टी.)**

कन्या उत्थान से वंचित बेटियां 15 तक करें सुधार

अच्छी खबर

मुजफ्फरपुर | वरीय संवाददाता

कन्या उत्थान योजना से वंचित इंटर पास बेटियों को विभाग की ओर से एक मौका और दिया गया है। वे 15 मई तक अपने ऑनलाइन आवेदन में सुधार कर सकती हैं। 2019 में इंटर पास सभी कोटि की बेटियों को कन्या उत्थान योजना के तहत 10 हजार रुपये का लाभ मिलना है। छात्राओं की सूची जिलावार एनआईटी के पोर्टल पर अपलोड की गई। इसके लिए छात्राओं को खुद ही ऑनलाइन आवेदन करना था।

इस योजना का लाभ पाने के लिए छात्राओं का अविवाहित होना मुख्य शर्त थी। छात्राओं को बैंक खाता, बैंक शाखा का नाम, आईएफएससी कोड, आधार नंबर, मोबाइल नंबर तथा अविवाहित होने संबंधित सूचना देनी थी। इसके बाद ही छात्राओं के खाते में राशि भेजी जानी थी। जिले समेत पूरे सूबे में 30 हजार 883 छात्राओं को अब तक लाभ नहीं मिल पाया है। ऑनलाइन आवेदन में बैंक खाता, आईएफएससी कोड समेत अन्य सूचना गलत या अधूरा भरे जाने से इन छात्राओं का मामला लटका है।

एक और मौका

- आवेदन में खाता, आईएफएससी कोड समेत अन्य सूचना अधूरी
- रजिस्ट्रेशन के साथ जन्मतिथि या इंटर के कुल अंक की जरूरत

30 हजार 883 छात्राओं को सूबे में अब तक नहीं मिला लाभ

मुजफ्फरपुर और वैशाली में सबसे अधिक छात्राएं हैं वंचित

तिरहुत प्रमंडल में मुजफ्फरपुर व वैशाली जिले में इस योजना का लाभ नहीं पाने वाली छात्राओं की संख्या सबसे अधिक हैं। मुजफ्फरपुर में 1765 छात्राओं को आवेदन में गड़बड़ी के कारण लाभ नहीं मिल पाया है। वहीं वैशाली में 1994, प.चंपारण में 633, पूर्वी चंपारण में 830, शिवहर में 65, सीतामढ़ी में 442 छात्राएं से लाभ से वंचित हैं। माध्यमिक शिक्षा निदेशक गिरिवल दयाल सिंह ने निर्देश दिया है कि अगर निर्धारित तिथि तक छात्राएं आवेदन में सही सूचनाएं नहीं भरती हैं तो माना जाएगा कि संबंधित छात्राएं इस योजना का लाभ लेने के योग्य नहीं हैं। पोर्टल पर आवेदन में सुधार करने के लिए रजिस्ट्रेशन के साथ जन्मतिथि या इंटर के कुल अंक की जरूरत होगी।

चंपारण की 830 छात्राओं को लाभ

मुजफ्फरपुर/मोतिहारी। मुख्यमंत्री कन्या उत्थान योजना 2019 अन्तर्गत मुख्यमंत्री बालिका प्रोत्साहन योजना से वंचित 830 छात्राओं को जल्द ही राशि भेजी जाएगी। इसके एनआईसी के पोर्टल पर अपलोड की सूचनाओं को दुरुस्त करना होगा। इस संबंध में माध्यमिक शिक्षा निदेशक गिरिवर दयाल सिंह ने डीईओ और डीपीओ लेखा एवं योजना को पत्र भेजा है। उन्हें एनआईसी पोर्टल पर अपलोड सूचनाओं में अविलंब सुधार करने का निर्देश दिया गया है। निर्देश इसलिए दिया गया है ताकि योजना के लाभ से वंचित छात्राओं को समय पर राशि भेजी जा सके।

सूचना करें दुरुस्त

राज्य स्तर पर 30,883 छात्राओं की ओर से गलत या अधूरा सूचना को पोर्टल पर अपलोड किया गया था। इनमें से 850 छात्राएं पूर्वी चंपारण की हैं। एनआईसी उनकी ओर से अपलोड की गई सूचनाओं को सत्यापित नहीं कर पा रहा है। ऐसे में इनकी सूचनओं का सत्यापन नहीं होने के कारण इन छात्राओं को प्रोत्साहन राशि भी नहीं भेजी जा सकी है। सूचना सही होने पर ही राशि भेजी जा सकेगी। अब इस संबंध में निदेशक श्री सिंह ने वंचित छात्राओं को जागरूक करने तथा वांछित सूचनाओं को एकदम सही अपलोड करने की दिशा में कार्रवाई करने का निर्देश डीईओ व डीपीओ को दिया है। **(हि.टी.)**

मिथिला विवि का नये सत्र का शैक्षणिक कैलेंडर तैयार

मुजफ्फरपुर/दरभंगा | हि.प्र.

ललित नारायण मिथिला विवि में कुलपति पद पर योगदान के साथ ही प्रो. राजेश सिंह ने लंबित व अनुसूचित परीक्षाओं के संचालन का कार्यक्रम बनाने का निर्देश परीक्षा नियंत्रक को दिया था। लॉकडाउन के कारण कॉलेज व विवि में उत्पन्न विषम परिस्थितियों के मद्देनजर ऑनलाइन पाठ्यक्रम को पूरा करने का निर्देश भी जारी किया था। यूजीसी के दिशा-निर्देश जारी होने के साथ ही कुलपति प्रो. सिंह ने परीक्षा परिषद, शैक्षणिक कैलेंडर समिति व विद्वत परिषद की बैठक कराने का निर्णय लेकर संबंधित सदस्य सचिवों को ऑनलाइन बैठक आयोजित करने की जिम्मेवारी सौंपी।

इसी कड़ी में रविवार को कुलपति की अध्यक्षता में परीक्षा परिषद एवं शैक्षणिक कैलेंडर समिति की बैठक हुई। शैक्षणिक कैलेंडर समिति की बैठक में सत्र 2020-2021 के लिए यूजीसी के दिशा-निर्देश के आलोक में तैयार विवि में विभिन्न पारम्परिक, स्ववित्त पोषित योजना के तहत चल रहे सामान्य, टेक्निकल एवं व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में नामांकन, वर्ग संचालन, परीक्षा-प्रपत्र भरने, परीक्षा संचालन एवं परीक्षाफल प्रकाशन की तिथि को सर्वसम्मति अनुमोदित किया गया। बीडीएस की परीक्षा की तिथि में परिवर्तन का प्रस्ताव संकायाध्यक्ष दंत संकाय ने रखा एवं पीएटी - 2020 की परीक्षा को कैलेंडर में शामिल किये जाने का प्रस्ताव संकायाध्यक्ष ललित कला संकाय ने रखा जिसे सर्वसम्मति स्वीकार कर लिया गया तथा परीक्षा नियंत्रक को सुधार करने को अधिकृत किया गया।

बैठक में संकायाध्यक्ष विज्ञान प्रो. शीला, वाणिज्य संकायाध्यक्ष प्रो. डीपी गुप्ता, सामाजिक विज्ञान संकायाध्यक्ष प्रो. गोपी रमण सिंह, दंत संकाय संकायाध्यक्ष डॉ. रोहित मिगलानी, ललित कला संकायाध्यक्ष प्रो. पुष्पम नारायण, कुलसचिव कर्नल निशीथ राय, विभागाध्यक्ष इतिहास विभाग प्रो. प्रभास मिश्र, प्रधानाचार्य विमेंस कॉलेज समस्तीपुर डॉ. शंभू यादव, प्रधानाचार्य एसके महिला कॉलेज बेगूसराय डॉ. विमल कुमार, परीक्षा नियंत्रक डॉ. एसएन राय एवं उप परीक्षा नियंत्रक (तृतीय) डॉ. आनंद मोहन मिश्र थे।

प्रस्ताव स्वीकृत

- परीक्षा परिषद एवं शैक्षणिक कैलेंडर समिति की हुई बैठक
- बीडीएस की परीक्षा की तिथि में परिवर्तन का प्रस्ताव स्वीकृत

04 मई को विद्वत परिषद की ऑनलाइन बैठक है प्रस्तावित

पेंशन भुगतान में हो रही कठिनाई

मुजफ्फरपुर/दरभंगा। ललित नारायण मिथिला विवि के 875 पेंशनभोगियों को मार्च से पेंशन भुगतान में समस्या आ गई है। इन लोगों ने नो योर पेई फॉर्म भरकर विवि में अब तक जमा नहीं किया है। कुलपति प्रो. राजेश सिंह ने हर हाल में इसे नौ मई तक जमा करने का निर्देश दिया है ताकि पेंशन का भुगतान हो सके। इस आशय की सूचना विवि की वेबसाइट पर भी डाल दी है। राज्य सरकार ने मार्च से मई तक की राशि स्वीकृत कर दी है। **(हि.टी.)**

एटीएल के बच्चों की ट्रेनिंग आज से

मुजफ्फरपुर | वरीय संवाददाता

एटीएल (अटल टिंकलिंग लैब) के बाल वैज्ञानिकों को ऑडिनो कोडिंग से लेकर मोबाइल एप बनाने की ट्रेनिंग सोमवार से मिलेगी। इस ट्रेनिंग के माध्यम से बच्चे ना केवल कई तरह से खुद से कोडिंग कर सकेंगे बल्कि कई तरह के एप भी बना सकेंगे।

लॉकडाउन में बच्चों को तकनीक से जोड़ने और उन्हें नए प्रयोग के लिए प्रेरित करने को नीति आयोग की ओर से यह पहल की गई है। इसके लिए एटीएल निदेशक को नीति आयोग की ओर से निर्देश दिया गया है। एटीएल की आइडी पर ही बच्चे इस ऑनलाइन कार्यशाला में शामिल हो सकेंगे। प्लेज्मो टेक एकेडमी की वेबसाइट के माध्यम से यह ट्रेनिंग दी जा रही है।

नीति आयोग की पहल

- नीति आयोग की ओर से पहल बच्चे बना सकेंगे मोबाइल एप
- एटीएल की आइडी पर बच्चे इस कार्यशाला में हो सकेंगे शामिल

एक घंटे की होगी कार्यशाला

मणिका स्थित एटीएल के निदेशक सतीश कुमार ने बताया कि आठ मई तक यह ऑनलाइन कार्यशाला आयोजित होगी। इसमें एक घंटे तक प्रतिदिन बच्चों की ट्रेनिंग होगी। अलग-अलग आयु वर्ग के हिसाब से बच्चों को ट्रेनिंग दी जाएगी। इस ट्रेनिंग के जरिए बच्चे खुद से एप बना सकते हैं और ऑडिनो कोडिंग भी। लॉकडाउन में बच्चों के लिए यह एक बेहतर अवसर है। बच्चे एटीएल के आईडी 57326880 के जरिए इस ट्रेनिंग में शामिल हो सकते हैं।

एमजेके कॉलेज में किया गया प्रशासनिक फेरबदल

मुजफ्फरपुर/बेतिया | हि.टी.

एमजेके कॉलेज में भौतिकी विभागाध्यक्ष डॉ. टीएच अंसारी के निधन के बाद प्रशासनिक फेरबदल किया गया है। प्राचार्य डॉ. सुरेंद्र केसरी ने बताया कि भूगोल विभाग की डॉ. तृप्ति कुमारी को बर्सर आय का जिम्मा दिया गया है।

रसायन विभाग के डॉ. विनोद कुमार को भौतिकी विभागाध्यक्ष बनाया गया है। बायोटेक विभाग की समन्वयक बॉटनी विभागाध्यक्ष डॉ मेंनिका को बनाया गया है। क्रीड़ा विभागाध्यक्ष अंग्रेजी विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. तथागत बनर्जी को बनाया गया है। सचिव भूगोल विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. बरखा चप्पलों को बनाया गया है। वहीं, दूरस्थ शिक्षा का समन्वयक जूलॉजी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. एच रहमान को बनाया गया है।

बुलटू रेडियो

लोक कलाकारों ने उठाया कोरोना से बचाव के लिए जागरूकता का बीड़ा

इनसे सीखें

मुजफ्फरपुर | वरीय संवाददाता

देशवा में आइले कोरोना हो, संक्रमण के भगाव। मास्क लगाव हो गमछा लगाव, घर में सब लोग रहा हो संक्रमण के दूर भगाव...। घर से बाहर तुम ना निकलना, भाग जाएगा दूर कोरोना। दुनिया की है हकीकत पुरानी, चल के रुकना और फिर चलना है रवानी..। लोक गीत से लेकर कव्वाली। अपनी कला में माहिर जिले के हुनरमंद लोक कलाकारों ने सकंट के बाद भी कोरोना से बचाव के जागरूकता का बीड़ा उठाया है। लोक कलाकारों का काम बंद है, लेकिन उनकी कला नहीं। अधिकांश की रोजी-रोटी पर भी आफत है। इसके बाद भी ग्रामीण क्षेत्र के लोक कलाकार इकट्ठा होकर लॉकडाउन के नियम का पालन करने को प्रेरित कर रहे हैं। इसके लिए इन कलाकारों ने बुलटू रेडियो को माध्यम बनाया है। ग्रामीण कलाकार इस बुलटू रेडियो पर लगातार लोक गीत-संगीत को रिकार्ड कर रहे हैं। इसके माध्यम से ग्रामीण महिलाएं भी क्षेत्रीय भाषा में गीत गाकर घरों में रहने समेत अन्य नियमों के पालन की अपील कर रही हैं।

कोरोना से बचाव के लिए गीत-संगीत के माध्यम से जागरूकता फैलाते लोक कलाकार सुनील कुमार व अन्य साथी कलाकार।

बनारस से आए कलाकारों की बंद नहीं हुई शहनाई

लोक कलाकार सुनील कुमार बताते हैं कि घर पर ही सभी गाना व कव्वाली रिकार्ड कर रहे हैं। उन्हें इंटरनेट रेडियो पर साझा करते हैं और फिर पंचायतों में भेज देते हैं। वहां सभी सामान्य मोबाइल की मदद से भी इसे चलाते हैं। इसे यूट्यूब व अन्य सोशल मीडिया पर भी साझा किया जा रहा है। कला संस्कृति विभाग को भी इससे संबंधित रिकार्डिंग भेजी गई है। बनारस से हर साल लग्न में आने वाले शहनाई वादक शोभनाथ भारती कहते हैं कि लॉकडाउन में कमाई नहीं हो रही, लेकिन लोगों को जागरूक करने का जरिया शहनाई बन रही है।

आज का भविष्य

पं. राघवेन्द्र शर्मा

मेष : आत्मसंयत रहें। क्रोध व आवेश के अतिरेक से बचें। पारिवारिक जीवन कष्टमय रहेगा। दिनचर्या अव्यवस्थित रहेगी।

वृष : मानसिक शांति तो रहेगी। खर्चों की अधिकता से चिंतित भी रहेंगे। मित्रों का सहयोग मिलेगा। सेहत का ध्यान रखें।

मिथुन : कारोबार की वृद्धि होगी। लाभ के अवसर मिलेंगे। नौकरी में कठिनाई का सामना करना पड़ सकता है। परिश्रम बढ़ेगा।

कर्क : कार्यों के प्रति जोश व उत्साह रहेगा। परिवार में मान-सम्मान की प्राप्ति होगी। रहन-सहन अव्यवस्थित हो सकता है।

सिंह : आत्मसंयत रहें। मन अशांत रहेगा। सेहत का ध्यान रखें। चिकित्सकीय खर्च अधिक रहेंगे। संतान को कष्ट होगा।

कन्या : मानसिक शांति तो रहेगी, पर आत्मविश्वास में कमी भी रहेगी। धार्मिक संगीत में रुचि बढ़ सकती है। खर्च अधिक रहेंगे।

तुला : मानसिक कठिनाई रहेंगी। परिवार का साथ मिलेगा। वाहन सुख में कमी आएगी। सेहत का ध्यान रखें। भौतिक सुख में वृद्धि होगी।

वृश्चिक : वस्त्रों आदि के प्रति रुझान बढ़ सकता है। कार्यक्षेत्र का विस्तार हो सकता है। परिश्रम अधिक रहेगा। आय में कठिनाई आ सकती है।

धनु : मन अशांत रहेगा। धैर्यशीलता में कमी आ सकती है। नौकरी में तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। कार्यक्षेत्र का विस्तार होगा।

मकर : आलस्य की अधिकता रहेगी। पारिवारिक जीवन कष्टमय हो सकता है। संतान से सुखद समाचार मिल सकते हैं।

कुंभ : नौकरी में अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है। परिश्रम अधिक रहेगा। भाई-बहनों से विवाद की स्थिति रहेगी।

मीन : मानसिक शांति तो रहेगी पर वाणी में कठोरता का भाव रहेगा। सेहत का ध्यान रखें। भाई-बहनों का साथ मिलेगा।

व्रत और त्योहार

पंचांग

मोहिनी एकादशी व्रत। द्वादशी तिथि का क्षय। त्रिस्पर्शी महाद्वादशी। सूर्य उत्तरायण। सूर्य उत्तर गोल। वसंत ऋतु। प्रातः 7.30 बजे से प्रातः 9 बजे तक राहुकालम्।

04 मई, सोमवार, 14 वैशाख (सौर) शक 1942, 21 वैशाख मास प्रविष्टे 2077, 10, रमजान सन् हिजरी 1441 वैशाख शुक्ल एकादशी प्रातः 6.13 बजे तक उपरांत शुक्ल द्वादशी रात्रि 2.54 बजे तक तदनंतर त्रयोदशी, उत्तरा-फाल्गुनी नक्षत्र सायं 7.19 बजे तक तदनंतर हस्त नक्षत्र व्याघात योग प्रातः 8.55 बजे तक पश्चात् हर्षण योग रात्रि 4. 44 बजे तक पश्चात् वज्र योग, भद्रा (करण), प्रातः 6.13 बजे तक। चंद्रमा कन्या राशि में (दिन-रात)।

पं. वेणीमाधव गोस्वामी

रोजनामचा

सुडोकू 5231

बहुत आसान★

		4	8		3		9	
3						1		
	8	5	1	7		2		4
6			5		7	4		2
		2				3		
4		1	9		2			5
5		9		6	4	7	8	
		8						6
	4		3		8	5		

खेलने का तरीका : दिमागी खेल और नम्बरों की पहेली है यह। तर्क से इसे हल कर सकते हैं। ऊपर नौ-नौ खानों के नौ खाने दिए गए हैं। आपको 1 से 9 की संख्याएं इस तरह लिखनी हैं कि खड़ी और पड़ी लाइनों के हरेक खाने में 1 से 9 की सभी संख्याएं आएं। साथ ही 3x3 के हरेक बक्से में भी 1 से 9 तक की संख्याएं हों। पहेली का हल हम कल देंगे।

वर्ग पहेली 6146

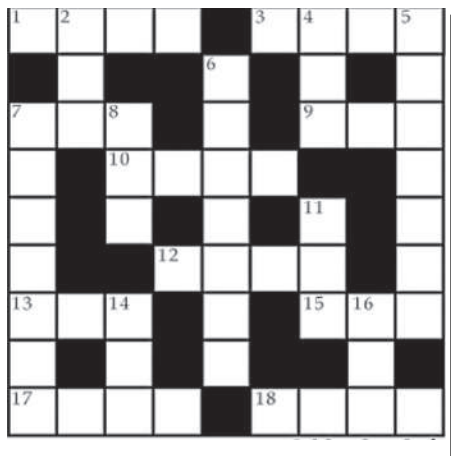

बाएं से दाएं

1. फैलना; पैर फैला कर सोना (4)
3. देखभाल; निरीक्षण; निगरानी (4)
7. उद्धार; उन्नति; जीर्णोद्धार; नवीकरण; स्थिति में हुए अच्छे परिवर्तन (3)
9. धुआं जमने का रंग; स्याही (3)
10. अर्थ; अभिप्राय; आशय; उद्देश्य (4)
12. उभाड़ना; उठाना; तत्पर करना (4)
13. धनुष; उच्चसत्ता; सेना का अंग (3)
15. खुश होना; प्रेम करना; मुग्ध होना (3)
17. पान की बेल; पान (4)
18. अपना बनाना; अनुसरण करना (4)

ऊपर से नीचे

2. यज्ञ काष्ठ; हविष्य ईंधन; होमेंधन (3)
4. डर; भय; चिंता; दरवाजे की सिटकनी (3)
5. अप्रिय सत्य कहना; दो टूक बात कहना; सच्ची बात कहना (2,2,3)
6. अंत करना; अस्तित्व मिटाना; जड़ से उखाड़ना; समूल नष्ट करना (4,3)
7. नियत करना; भली भांति निश्चित करना (4,3)
8. पांसे फेंक शुभ-अशुभ जानने की विद्या (3)
11. कन्नी; किनारा; कोना; पतला गोटा (3)
14. नया; नवीन; नूतन; सुंदर; उज्ज्वल (3)
16. पहाड़ से नीचे गिरता हुआ सोता; ऊपर से गिरती जलधारा; अनाज छानने की बड़ी छलनी (3)

हरीश चन्द्र सन्सी (प्रस्तुति : विविधा विधा)

(उत्तर अगले अंक में)

हल: सुडोकू नं. 5230

9	3	5	8	1	6	2	7	4
2	8	1	9	7	4	6	5	3
7	4	6	2	5	3	1	8	9
3	9	2	4	6	8	5	1	7
5	1	4	3	2	7	8	9	6
8	6	7	1	9	5	3	4	2
4	2	9	6	8	1	7	3	5
1	7	3	5	4	2	9	6	8
6	5	8	7	3	9	4	2	1

© पैपाकॉक की पहेलियां। हल के संकेत और कम्प्यूटर प्रोग्राम के लिए www.sudoku.com

हल: वर्ग पहेली नं. 6145

बाबूबरही थाना क्षेत्र के गोट बरही गांव की घटना, अपनी माताओं के साथ तालाब में नहाने गयी थीं बच्चियां

मधुबनी में तालाब में डूबने से तीन बच्चियों की मौत

बाबूबरही (मधुबनी) | निज संवाददाता

बाबूबरही थाना क्षेत्र के गोट बरही गांव के तालाब में डूबने से रविवार को करीब दस बजे दिन में तीन बच्चियों की मौत हो गयी। मृतक बच्चियां एक ही गांव के अलग-अलग परिवारों की थीं। वे रविदेव भगवान की पूजा के लिए अपनी-अपनी मां के साथ स्नान करने तालाब गई थीं।

मिली जानकारी के अनुसार, गांव के रमेश कुमार सिंह की पुत्री प्रीती कुमारी (10), कुशे महतो की पुत्री सुधा कुमारी (10) और रामसेवक महतो की पुत्री ममता कुमारी (13) की मौत डूबने से हो गई। तीनों बच्चियों के एक-एक भाई व दो दो बहनें हैं। तीनों स्नान करने के दौरान गहरे पानी में चले जाने से डूब गईं। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, तालाब से स्नान कर महिलाएं वहां से चली गयीं। इसके बाद सभी बच्चियां वहीं पर स्नान करने लगीं।

कुछ देर बाद बच्चियों को तालाब में उपलाते हुए गांव के लोगों ने देखा। यह सुनते ही लोग सन्न रह गये और अपनी बच्चियों को ढूंढने लगे। सभी बच्चियों को तालाब से निकाला गया और इलाज के लिए अस्पताल लाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। ग्रामीणों के अुनसार, उक्त तालाब में कुछ साल पहले जेसीबी से मिट्टी काटी गयी थी। थानाध्यक्ष संजय कुमार ने घटना की पुष्टि की है।

बाबूबरही के बरही में अपनी बेटी सुधा की मौत से आहत मां को संभालते परिजन।

सहरसा व सुपौल में डूबने से तीन बच्चों की मौत

सहरसा/सुपौल। सहरसा व सुपौल में डूबने से तीन बच्चों की मौत हो गयी। स्थानीय लोगों द्वारा बचाने की कोशिश की गयी लेकिन तबतक बहुत देर हो चुकी थी। मौत की खबर सुनते ही परिजनों में कोहराम मच गया।

सहरसा के महिषी थाना के झिटकी गांव में बच्चों के साथ खेलने के दौरान गड्ढे भरे पानी में गिरने से शुभंकर मुखिया के 2 वर्षीय बालक रविकिशन की डूबने से मौत हो गयी।

बच्चे की मां के हल्ला करने पर आसपास के लोगों ने निकालकर महिषी अस्पताल पहुंचाया, जहां डाक्टर ने मृत घोषित कर दिया। वहीं नवहट्टा की हाटी पंचायत के कठुआर गांव में कोसी नदी में नहाने के दौरान कोसी नदी में सात वर्षीय आशुतोष बह गया। वह अपनी मां रामपरी देवी के साथ रविवार व्रत के समापन को लेकर नहाने गया था।

इसे भी ग्रामीणों द्वारा बचाने की कोशिश की गयी थी।वहीं, सुपौल जिला के थुमहा में अमर कुमार (11) अपने दोस्तों के साथ तिलाबे नदी में नहाने गया था। इसी क्रम में वह गहरे पानी में चला गया।

गंगा में डूब रही मां-बेटी को नाविकों ने बचाया

भागलपुर

भागलपुर | वरीय संवाददाता

आर्थिक तंगी से जूझ रही महिला और उसकी तीन साल की बेटी को बरारी पुलिस के सहयोग से नाविक ने डूबने से बचा लिया। घटना बरारी पुल घाट की है। महिला बांका जिले के अमरपुर थाने के जानकीपुर गांव की रहने वाली है। बरारी थाने के हाउसिंग बोर्ड कालोनी के जर्जर मकान में रहकर दूसरों के यहां चौका-बर्तन करती थी लेकिन कोरोना संकट के दौरान उसे काम से हटा दिया गया है।

बरारी थाना प्रभारी नवनीश कुमार ने कहा कि पुल घाट पर पुलिस की तैनाती है। दोपहर करीब एक बजे घाट किनारे नाविकों ने चिल्लाया तो पुलिस वहां पहुंची। महिला बच्ची के साथ गंगा की धारा में आगे बढ़कर डूबने का प्रयास कर रही थी लेकिन नाविकों ने महिला को बच्ची संग बाहर निकाल लिया। थाने पर महिला दारोगा ने पूछताछ की पर वह कुछ बता नहीं रही थी। भूखी महिला और उसकी बेटी को पहले भोजन कराया गया। महिला ने कहा कि पति कुछ नहीं करते हैं। मायके में रहती थी। बड़ी बेटी को मायके में छोड़कर छोटी बेटी के साथ हाउसिंग बोर्ड कालोनी में रहती हैं। कोरोना संक्रमण व लॉकडाउन के कारण काम छूट गया। खरीक में एक व्यक्ति ने वृद्ध दंपती की सेवा करने के लिए बुलाया था। पैदल खरीक गए लेकिन वहां पर रखने के लिए तैयार नहीं हुए। रविवार सुबह खरीक से पैदल चले थे। हाउसिंग बोर्ड कालोनी पहुंचने पर कमरा पर दूसरे व्यक्ति ने कब्जा कर लिया था। वह भूख से भी बेहाल थी। कहा कि जिंदगी से तंग आकर खुदकुशी करने जा रही थी। थानेदार ने कहा कि महिला के पति को सूचना दी गई है। महिला को पुलिस की सुरक्षा में थाने पर रखा गया है।

बरारी पुल घाट

- आर्थिक तंगी से जूझ रही थी महिला, कहा-कई दिनों से भूखी थी
- बांका जिले के अमरपुर थाने के जानकीपुर की रहने वाली है महिला

भागलपुर में छह मरीज मिले, एक मुंगेर का

भागलपुर | कार्यालय संवाददाता

भागलपुर जिले में रविवार शाम को छह कोरोना मरीज मिले हैं। इनमें एक मरीज मुंगेर का निकला। एक मरीज शहर के सिकंदरपुर क्षेत्र का है, जबकि चार अन्य विभिन्न प्रखंडों के हैं। मुंगेर के रहनेवाले मरीज ने अपना पता नाथनगर लिखवाया था लेकिन पूछताछ में वह मिर्जापुर, बरदह-मुंगेर का रहने वाला निकला। वह अर्द्धसैनिक बल का पूर्व जवान बताया जा रहा है। सभी मरीजों को मायागंज अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

इसके साथ ही जेएलएनएमसीएच में कोरोना पॉजिटिव मरीजों की कुल संख्या 10 हो गयी है। इनमें से चार मरीज एक सप्ताह से अस्पताल के एमसीएच कोरोना आइसोलेशन वार्ड में भर्ती हैं। इनमें तीन भागलपुर के और एक बांका के रहनेवाले हैं। सिविल सर्जन डॉ. विजय कुमार सिंह ने बताया कि कहलगांव के शिवनारायणपुर की महिला (26), बिहपुर प्रखंड के बभनगामा की महिला (62), सिकंदरपुर क्षेत्र के 55 साल के पुरुष, शाहकुंड क्षेत्र के 17 साल के किशोर और रंगरा प्रखंड के जहांगीरपुर वैसी गांव के 21 साल के युवा का सैंपल जांच के लिए पटना भेजा गया था।

छह नये मिले

- दो मरीज शहरी क्षेत्र के नाथनगर व सिकंदरपुर के युवा
- जिले में कुल कोरोना पॉजीटिव मरीजों की संख्या नौ हुई

औरंगाबाद में संक्रमण का बढता जा रहा खतरा

औरंगाबाद । औरंगाबाद में कोरोना का संक्रमण दिन ब दिन बढ़ता ही जा रहा है। रविवार को पांच लोगों के कोरोना वायरस से संक्रमित होने की जानकारी सामने आई। इसके साथ ही जिले में कोरोना मरीजों की संख्या बढ़ कर 13 हो गई है। इन पांच लोगों का सैंपल दो मई को लिया गया था जिसकी रिपोर्ट रविवार की देर शाम आई। इसमें से चार लोगों का सैंपल सदर अस्पताल से रेफर करने के बाद गेट स्कूल में नवस्थित कलेक्शन सेंटर पर लिया गया था जबकि एक युवक पूर्व में मिले मरीज के संपर्क में था जिसके कारण उसका भी सैंपल भेजा गया था। जिन पांच लोगों में कोरोना संक्रमण की पुष्टि हुई है, उसमें रफीगंज का एक, नवीनगर के दो लोग शामिल है।

पीजी डॉक्टर समेत दो युवाओं ने दी कोरोना को मात

भागलपुर। 11 दिनों से मायागंज अस्पताल के एमसीएच कोरोना आइसोलेशन वार्ड में भर्ती छह में से दो मरीजों ने कोरोना को मात दे दी है। इनमें एक मायागंज अस्पताल में पीजी की पढ़ाई कर रहा छात्र व दूसरा बांका जिले के शंभूगंज का रहने वाला है। इनके अलावा जांच के लिए दोबारा भेजे गये तीन कोरोना के मरीजों के सैंपल की रिपोर्ट का इंतजार है। जबकि बांका जिले के ही एक और कोरोना पॉजीटिव मरीज की रिपोर्ट का इंतजार है। अब तक इस अस्पताल में भर्ती हुए कुल नौ कोरोना के मरीज पूरी तरह से स्वस्थ होकर अपने-अपने घर जा चुके हैं।

गया : जंगल से तीन आईईडी बम बरामद

बाराचट्टी (गया) | एक संवाददाता

धनगांई थाना क्षेत्र के चकनवा, बरसुदी जंगल में शनिवार की रात सुरक्षाबलों ने 10-10 किलो के तीन आईईडी बम बरामद किया है। इस दौरान भारी मात्रा में जिलेटिन, लोहा प्लेट, 25 बोतल तरल पदार्थ सहित अन्य सामान भी सुरक्षाबलों के हाथ लगे हैं। बाद में पूरे इलाके की घेराबंदी कर कोबरा वाहिनी के बम निरोधक दस्ते ने बरामद आईडी बम को निष्क्रिय किया। बारी-बारी से तीन आईडी बम के धमाके से पूरा इलाका दहल उठा। सुरक्षाबलों को नुकसान पहुंचाने के मकसद से भारी मात्रा में विस्फोटक रखे गए थे।

प्रखंड के बरवाडीह स्थित 205 कोबरा वाहिनी की टीम बिहार झारखण्ड सीमा पर बरसुदी चकनवा पहाड़ी ईलाके मे लॉग रेज पेट्रोलिंग अभियान को लेकर निकली थी। वाहिनी के कमांडेट दिलीप श्रीवास्तव को मिले खुफिया इनपुटस के बाद असिस्टेंट कमांडेट स्वप्निल मिश्रा के नेतृत्व में एक टीम को संबंधित इलाके में भेजा गया जहां सर्च अभियान के दौरान दस किलो के तीन तैयार आईडी बम सहित अन्य सामान बरामद किए गए।

जंगलों में इन विस्फोटकों को छिपाकर रखा गया था और समझा जाता है कि इसे जमीन में प्लांट किया जाना था। मगर समय रहते कोबरा की इस कार्रवाई ने सुरक्षाबलों के साथ ग्रामीणों को बड़ी अनहोनी से बचा लिया। सुरक्षाबलों का मानना है कि नक्सली अगर अपने मकसद में सफल हो जाते तो पूरा इलाका धमाकों से दहल जाता एंव सुरक्षाबलों को भारी नुकसान पहुंचता।

सफलता

- कोबरा वाहिनी बम निरोधक दस्ते ने आईडी को किया निष्क्रिय
- बारी-बारी से तीन आईडी बम के धमाके से पूरा इलाका दहला

गया में दस-दस किलो के तीन आईईडी बम मिले जिन्हें निष्क्रिय किया गया।

मैनाटांड़ में सर्वे करने गई टीम से दुर्व्यवहार

मैनाटांड़/इनरवा(प.च.) | ए.प्र./ए.सं.

मानपुर थाना क्षेत्र के सहनौला पकड़ी गांव में रविवार को कोरोना को लेकर सर्वे करने गई स्वास्थ्य विभाग की टीम के साथ ग्रामीणों ने दुर्व्यहार किया। ग्रामीण किसी भी कीमत पर सर्वे कराना नहीं चाहते थे। वे टीम को गांव से बाहर जाने के लिए कह रहे थे। इस दौरान ग्रामीणों ने टीम से कागजात छीनकर फाड़ दिए।

टीम में शामिल कर्मी लीलावती देवी, ज्ञातनी देवी व सुपरवाइजर प्रभात रंजन ने इसकी सूचना विभाग के अधिकारियों को दी। इस पर हेल्थ मैनेजर विनोद कुमार सिंह, डॉ. इम्तियाज, बीसीएम अनिल कुमार घटनास्थल पहुंचे।

उन्होंने मानपुर पुलिस को इसकी सूचना दी। थानाध्यक्ष विक्रांत सिंह पुलिस बल के साथ गांव में पहुंचे। इसके बावजूद ग्रामीण मानने के लिए तैयार नहीं थे। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी व पुलिस ने लोगों को समझाने का प्रयास किया।अधिकारियों ने ग्रामीणों से कहा कि कोरोना की रोकथाम को लेकर टीम घर-घर सर्वे कर रही है। यह सरकार का आदेश है।

वर्दी में लूटपाट करते होमगार्ड जवान सहित चार धराए

शिवहर | हिन्दुस्तान प्रतिनिधि

शिवहर- मधुबन पथ पर श्यामपुर भटहां थाना क्षेत्र के पहाड़पुर पुल के पास से शनिवार की रात लूटपाट करते एक होमगार्ड जवान सहित चार लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। उनके पास से लूटे गए 1450 रुपये, एक नकली फाइबर का पिस्टल, दो बाइक व चार मोबाइल जब्त किये गये। लूटपाट में शामिल चार बदमाशों में से एक होमगार्ड जवान पुलिस वर्दी में था। अन्य बदमाश भी खाकी कलर का जैकेट पहने हुए था।

एसडीपीओ राकेश कुमार ने प्रेस वार्ता में बताया कि श्यामपुर भटहां थाने की पुलिस को एक पिकअप के चालक व खलासी ने सूचना दी कि एनएच 104 पर पहाड़पुर पुल के पास बदमाशों ने उसके साथ मारपीट की और पिस्टल का भय दिखाकर 1450 रुपए लूट लिये। श्यामपुर भटहां थानाध्यक्ष युसूफ अंसारी तुरंत कार्रवाई करते हुए पिकअप चालक के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। उन्हें देखते ही चारों बदमाश गाड़ी रोकने के लिए नकली पिस्टल तान कर खड़े हो गए। थानाध्यक्ष के उतरते ही सभी भागने लगे। पुलिस ने खदेड़ कर चारों को पकड़ लिया। इसके बाद उक्त ड्राइवर से सभी की पहचान कराई गई।

एसडीपीओ ने बताया कि लूटपाट में शामिल होमगार्ड का जवान खाकी वर्दी में था। इसके अलावा एक अन्य व्यक्ति भी खाकी रंग का जैकेट पहने हुए था। उन्होंने बताया कि इस मामले में श्यामपुर भाटहां थाने के पहाड़पुर निवासी होमगार्ड के जवान राहुल कुमार सिंह के अलावा उसी गांव के कामेश्वर प्रसाद सिंह के पुत्र अभिषेक राज तथा चितरंजन सिंह के पुत्र राजा कुमार के अलावा मथुरापुर निवासी स्वर्गीय गौरी साह के पुत्र जितेंद्र कुमार साह को गिरफ्तार कर लिय गया है। गिरफ्तार होमगार्ड का जवान राहुल कुमार सिंह शिवहर थाने में प्रतिनियुक्त है। उन्होंने बताया कि इस सिलसिले में श्यामपुर भटहां थाने में चारों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कर ली गई है।

गिरफ्तार बदमाशों के साथ एसडीपीओ।

बच्चे के अगवा होने की अफवाह पर किया हमला

औरंगाबाद (मदनपुर) | ए.सं.

औरंगाबाद

- ग्रामीणों ने की घरों में लूटपाट एवं तोड़फोड़
- पुलिस पर किया पथराव, बाल बाल बचे पुलिस जवान

मदनपुर थाना क्षेत्र के घटराईन टोले भुईयां बिगहा में बच्चे का अपहरण करने का आरोप लगा कर एक घर पर हमला कर दिया गया। इस दौरान घर में तोड़-फोड़ करते हुए लाखों रुपए की संपत्ति लूट ली गई। लूट पाट के दौरान ही तीन लोगों को पीट कर घायल कर दिया गया। सूचना पर पहुंची पुलिस पर भी पथराव किया गया। पुलिस ने हल्का बल प्रयोग कर लोगों को खदेड़ दिया। पुलिस ने 25 लोगों को हिरासत में भी लिया है। जिस व्यक्ति पर बच्चे के अपहरण का आरोप लगाया जा रहा था, वह आरोप भी निराधार निकला।

गया जिले के आमस थाना के मोंगराईन निवासी राम सियाराम मांझी की ससुराल घटराईन टोले भुईयां बिगहा में है। उसकी पत्नी गीता देवी एक माह पूर्व मोंगराईन से अपने बेटे रोहित के साथ घटराईन गांव अपने मायके आई थी। उसका दस वर्षीय बेटा रोहित कुमार शनिवार को खेत में खेल रहा था और इसी दौरान अचानक गायब हो गया। रविवार को परिजनों को एक युवक ने जानकारी दी कि उसका बेटा विनोद तिवारी के घर में बंद है। इसके बाद भुईयां बिगहा के चार सौ से अधिक लोग विनोद तिवारी के घर पर पहुंचे और वहां अचानक हमला बोल दिया। यहां बगल में ही गोपाल तिवारी, विनोद तिवारी, राजेन्द्र तिवारी तथा वक्की तिवारी का घर है जहां लूट पाट की गई। विनोद तिवारी की पत्नी संगीता देवी ने आरोप लगाया कि वे लोग लाखों रुपये मूल्य की संपत्ति घरों में घुस कर लूट कर चलते बने। करीब 40 हजार रुपये नगद समेत सामान लूट लिए गए और मार पीट की गई जिसमें तीन लोग घायल हो गए।

20-25 लोगों को हिरासत में लिया गया

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस के द्वारा छान बीन की जा रही थी तभी उन पर पथराव कर दिया गया। एक गाड़ी का शीशा तोड़ दिया गया और उसे क्षतग्रिस्त भी किया गया। एसडीपीओ अनूप कुमार ने बताया कि एक बच्चा का अपहरण करने के मामले को लेकर एक सामुदाय के लोगों के द्वारा हमला कर मारपीट की गई है। दोनों पक्षों से थाना में आवेदन प्राप्त होने पर जांच कर कार्रवाई की जाएगा।

बिहार प्लस

गांव में पहुंचे हिरण के तीन बच्चे

इमामगंज (गया)। गर्मी का मौसम आते ही जंगल में पानी का जल स्त्रोत सूख जाने के बाद जंगली जानवर पानी की खोज में गांव की ओर आ रहे हैं। रविवार को पानी खोजते हुए हिरण का तीन बच्चा सुबह में ही इमामगंज बाजार में पहुंच गया। इस पर ग्रामीणों की नजर पड़ते ही तीनों हिरण इधर उधर भागने लगे। इनमें एक हिरण को ग्रामीणों ने इमामगंज में व दूसरा को रानीगंज गड़ेरिया गांव में पकड़ लिया। वहीं तीसरा हिरण जंगल की ओर भाग गया। ग्रमीणों के द्वारा हिरण पकड़े जाने की खबर मिलने के बाद बीडीओ जयकिशन और फॉरेस्ट विभाग के वनपाल घटना स्थल पर पहुंचकर फारेस्ट कार्यालय में लाकर रखा गया हैं।

बांका में नाई की पीट पीटकर हत्या

अमरपुर (बांका)। थाना क्षेत्र के नवटोलिया गांव के एक नाई की शनिवार की देर रात बदमाशों ने पीट पीटकर हत्या कर दी। रविवार की सुबह लोगों ने मैनमा गांव के बाहर कुशहा तालाब किनारे उसका शव देखा। मृतक की पत्नी मुसो देवी ने इस संबंध में पंचायत की मुखिया के अलावा मैनमा गांव के सात लोगों पर हत्या की प्राथमिकी दर्ज कराई है।

भूमि विवाद में मारपीट गोली लगने से दो घायल

लक्ष्मीपुर (जमुई)। मोहनपुर पंचायत स्थिर मंगरार तेंतरिया चौडीहा गांव में शनिवार की रात दस धुर जमीन को लेकर दो पक्षों में मारपीट हुई। मारपीट के दौरान दोनों पक्षों की ओर से गोलीबारी के दौरान एक पक्ष के मुकेश यादव और आनंदी यादव गोली लगने से जख्मी हो गए। वहीं दूसरे पक्ष के तीन लोगों को मारपीट कर जख्मी कर दिया दिया गया।

फरार मुन्ना भाई चढ़ा पुलिस के हत्थे

भागलपुर। सबौर पुलिस ने इंटर परीक्षा में धांधली के आरोपी उत्तम कुमार मंडल को गिरफ्तार कर लिया। उसके खिलाफ धोखाधड़ी व जालसाजी के आरोप में सेंटर के परीक्षा नियंत्रक ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी। उस वक्त घोघा थाना क्षेत्र के दिलदारपुर गांव के पप्पू मंडल को गिरफ्तर कर लिया गया था। आरोपी घर से फरार चल रहा था।

दुष्कर्म कर हत्या की साजिश विफल

बैरगनिया। बैरगनिया थाना क्षेत्र में मोबाइल मरम्मत करवाने पहुंची एक लड़की को दुकान में बंद कर छेड़खानी करने व विरोध पर सामूहिक दुष्कर्म कर हत्या की साजिश रचते समय पुलिस ने पहुंचकर लड़की को मुक्त कराया। साथ ही एक को गिरफ्तार कर लिया। जबकि, अन्य फरार हो गए।

ट्रक की ठोकर से महिला की मौत

दरभंगा। सड़क किनारे मचान पर बैठकर बातचीत कर रहे कुछ लोगों को करकट लदे एक मिनी ट्रक ने ठोकर मार दी। घटना में एक महिला की मौत हो गई जबकि वहां मौजूद तीन लोग बाल-बाल बच गए। घटना दोनार-बेनीपुर एचएच पर सोनकी ओपी क्षेत्र के देकुली चट्टी चौक पर शनिवार की रात हुई। घटना में बेचन महतो की पत्नी ममता देवी की मौत हो गई जबकि उसके पुत्र प्रिंस कुमार, किशन महतो की पत्नी प्रियंका देवी एवं चंदा कुमारी बाल-बाल बच गयी।

बकरी चरा रहे अधेड़ को मारी गोली

रून्नीसैदपुर। महिन्दवारा थाना क्षेत्र के बसुदेव गांव के समीप सड़क किनारे बकरी चरा रहे एक 55 वर्षीय अधेड़ को गोली मार कर जख्मीं कर दिया। जख्मी की पहचान बसुदेव निवासी 55 वर्षीय स्व खेलावन मंडल के पुत्र सुरेंद्र मंडल के रूप में की गई है। जख्मीं को इलाज के लिए निजी अस्पताल लाया गया जहां उसकी गंभीर स्थिति देखते हुए एसकेएमसीएच रेफर कर दिया गया। घटना की सूचना पर महिन्दवारा थाना पुलिस मौके पर पहुंचकर मामाले की छानबीन की। मौके से पुलिस ने दो खोखा बरामद किया है। स्थानीय लोगों ने बताया कि जख्मी सुरेंद्र मंडल सड़क किनारे बकरी चरा रहा था।

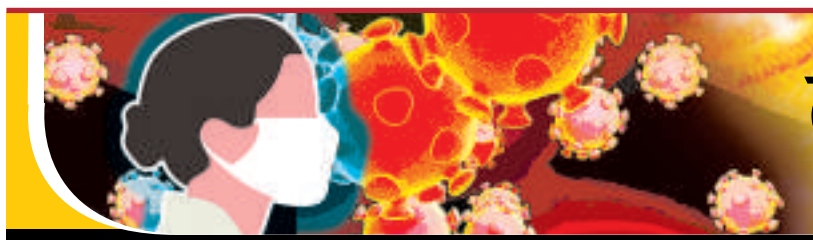

सेना के तीनों अंगों ने महामारी को शिकस्त देने में जुटे देशभर के डॉक्टर, नर्सों, मेडिकल स्टाफ और सफाईकर्मियों पर पुष्पवर्षा कर उनका आभार जताया

थल, जल और नभ से कोरोना के योद्धाओं को नमन

सम्मान

नई दिल्ली | एजेंसी

कोरोना वायरस को शिकस्त देने में जुटे देशभर के डॉक्टर, नर्सों और मेडिकल स्टाफ, सफाईकर्मियों के प्रति आभार जताते हुए सेना के तीनों अंगों ने रविवार को पुष्पवर्षा की। वायुसेना के विमानों ने श्रीनगर से त्रिवेंद्रम और डिब्रूगढ़ से कच्छ तक फ्लाई पास्ट किया। नौसेना के हेलीकॉप्टर ने कोरोना अस्पतालों पर आसमान से फूल बरसाए। वहीं, सेना ने देशभर के सभी जिलों में कोविड अस्पतालों में माउंटेन बैंड बजाए।

इसकी शुरुआत सुबह आठ बजे श्रीनगर की डल झील से फ्लाई पास्ट से हुई। वायुसेना के विमानों ने डल झील के ऊपर फ्लाई पास्ट किया। दिल्ली और बेंगलुरु में वॉर मेमोरियल और कोरोना अस्पतालों पर फूल बरसाए गए।

फ्लाई पास्ट में ये विमान शामिल रहे : फ्लाई पास्ट में सुखोई 30, मिग 29 और जगुआर फाइटर विमानों ने हिस्सा लिया। इनमें सी-130जे सुपर हरक्यूलिस ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट भी शामिल रहा। यह ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट 10 से 12 घंटे उड़ान भर सकता है।

नौसेना के जहाजों पर रोशनी : महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई में गेट ऑफ इंडिया के पास तैनात नौसेना के पांच जहाजों पर शाम 7:30 से रात 11:59 बजे के बीच रोशनी की जाएगी। नौसेना की पश्चिमी कमान के इन जहाजों पर 'इंडिया सैल्यूट्स कोरोना वॉरियर्स' लिखे बैनर नजर आएंगे। शाम 7:30 बजे साइरन बजेगा और आतिशबाजी दिखेगी। विशाखापट्टनम, पोरबंदर, कारवाड़, चेन्नई, कोच्चि में तैनात जंगी जहाजों पर भी ऐसा नजारा दिखेगा।

मुंबई

मुंबई में रविवार को नौसेना के आईएनएएचएस हेलीकॉप्टर से अश्विनी अस्पताल के कोरोना योद्धाओं पर फूल बरसाकर उन्हें सलामी दी गई। इस दौरान कोरोना के मरीजों का इलाज कर रहे डॉक्टर, नर्स, एवं अन्य मेडिकल स्टाफ बाहर मौजूद रहकर विक्ट्री चिह्न बनाते दिखे। ● एपी

नई दिल्ली

नई दिल्ली के एलएनजेपी अस्पताल के ऊपर वायुसेना के हेलीकॉप्टर ने फूल बरसाए।

बंगाल की खाड़ी

आईएनएस जलाश्व ने बंगाल के समुद्री तट पर महामारी के खिलाफ लड़ रहे कोरोना वारियर्स को अनोखे अंदाज में सलामी दी। नौसैनिकों ने जय हिंद का प्रतीक बनाकर थैंक्यू लिखा।

प्रधानमंत्री मोदी ने सैन्य पुष्पवर्षा को सराहा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को कोरोना योद्धाओं के प्रति आभार प्रकट करने के लिए विभिन्न शहरों एवं नगरों के प्रमुख अस्पतालों पर सैन्य विमानों के फ्लाईपास्ट और पुष्पवर्षा करने सहित व्यापक अभियान की प्रशंसा की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस बारे में एक ट्वीट में कहा कि उन लोगों को सलाम जो सबसे आगे खड़े होकर कोविड-19 से बहादुरी से लड़ रहे हैं। हमारे सशस्त्र बलों ने शानदार काम किया। उन्होंने एक छोटा सा वीडियो भी पोस्ट किया, जिसमें सैन्य विमान, हेलीकॉप्टर और सैन्य बैंड स्वास्थ्य कर्मियों सहित अन्य कोरोना योद्धाओं के प्रति आभार आभार प्रकट कर रहे हैं।

पूरा देश कोरोना योद्धाओं के साथ खड़ा : शाह

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कोरोना के खिलाफ जंग में जुटे चिकित्सकों, पुलिसकर्मियों एवं सफाईकर्मियों सहित सभी कोरोना योद्धाओं को उनके अतुल्य योगदान एवं बलिदान के लिए नमन किया। अमित शाह ने हिंदी में लिखे एक ट्वीट में कहा कि भारत अपने वीर कोरोना योद्धाओं को सलाम करता है। मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि मोदी सरकार और पूरा देश आपके साथ खड़ा है। देश को कोरोना से मुक्त कर हमें चुनौतियों को अवसर में बदलना है और एक स्वस्थ, समृद्ध व सशक्त भारत बनाकर विश्व में एक उदाहरण प्रस्तुत करना है। उन्होंने कहा कि चिकित्सकों, अर्द्धसैनिक बलों, पुलिसकर्मियों के प्रति भारतीय सुरक्षाबलों का यह सम्मान दिल छू लेने वाला है।

कोच्चि

कोच्चि के एर्नाकुलम चैनल में नौसेना के जहाजों ने योद्धाओं के सम्मान में 'इंडिया सैल्यूट कोरोना वारियर्स' अभियान के तहत सागर में आतिशबाजी की।

कहां-क्या हुआ

- दिल्ली में रायसीना हिल पर एयरफोर्स के एयरक्राफ्ट ने उड़ान भरी। तीनों सेनाओं के प्रमुख के प्रतिनिधियों ने नेशनल पुलिस मेमोरियल पर श्रद्धांजलि दी। इससे पहले यहां एयरफोर्स के हेलिकॉप्टर ने मेमोरियल पर फूल बरसाए।
- जयपुर के एसएमएस अस्पताल पर वायुसेना ने फूल बरसाए।
- लखनऊ में एयरफोर्स के विमान ने कोरोना वॉरियर्स के सम्मान में फ्लाई मार्च किया। यहां के किंग जॉर्ज मेडिकल कॉलेज के ऊपर उड़ान भरी और फूल बरसाए।
- मुंबई में कोरोना वॉरियर्स के सम्मान में एयरफोर्स के एयरक्राफ्ट सुखोई-30 ने मरीन ड्राइव के ऊपर फ्लाई मार्च किया।
- बेंगलुरु के विधानसभा परिसर के बाहर और कई अस्पतालों में भी कोरोना वॉरियर्स के सम्मान में आर्मी के बैंड ने परफॉर्मेंस दी।
- ओडिशा की राजधानी भुवनेश्वर में एयरफोर्स के विमानों ने कलिंग इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस के डॉक्टरों और मेडिकल स्टाफ पर फूलों की बारिश की।
- कोच्चि में नौसेना ने अपने फास्ट इंटरसेप्टर क्राफ्ट (एफआईसी) पर बैनर लगाकर कोरोना वॉरियर्स को सलामी दी।
- पश्चिम बंगाल के समुद्री तट पर ईस्टर्न नेवल कमांड के आईएनएस जलाश्व पोत पर ह्यूमन थैंक्यू लिखकर कोरोना वॉरियर्स को सैल्यूट किया गया।
- गुवाहाटी में वायुसेना ने सुखोई-30 एयरक्राफ्ट से हवा में करतब दिखाकर कोरोना वॉरियर्स को सलामी दी।

रूस: एक दिन में रिकॉर्ड 10 हजार से ज्यादा मामले

मॉस्को। अमेरिका और यूरोप के बाद कोरोना रूस पर भी अपना शिकंजा कसता जा रहा है। शनिवार को एक दिन में यहां रिकॉर्ड 10,633 नए मामले सामने आए। दूसरी ओर दुनिया भर में इसके चपेट में आने वालों की संख्या 35 लाख का आंकड़ा पार करके 35 लाख 32,425 हो गई है। मृतकों की संख्या भी 2,46,840 तक पहुंच गई है। रूस में कुल संक्रमित 1,34,687 हो गए है। इनमें से 1,280 लोगों की मौत हुई जबकि 16,639 मरीज ठीक भी हुए हैं। अमेरिका में 11,70,184 लोग इसकी चपेटमें आए हैं जिनमें से 68,002 लोगों की मौत हो चुकी है। पाक में रविवार को 989 नए मामले सामने आने से संक्रमितों की संख्या 19 हजार के पार 19,103 हो गई। पिछले 24 घंटे में 23 मरीजों की मौत से मृतकों की संख्या 440 हो गई है।

रेड को ऑरेंज जोन में लाना सबसे बड़ी चुनौती

लॉकडाउन 3.0

नई दिल्ली | विशेष संवाददाता

चार मई से शुरू हो रहे लॉकडाउन के तीसरे चरण में सरकार की सबसे बड़ी चिंता रेड जोन को लेकर है। अगले 14 दिन में इन क्षेत्रों का रंग ऑरेंज करने की चुनौती है। इन क्षेत्रों में लगातार मामले बढ़ रहे हैं और इनमें अधिकांश वे शहर शामिल हैं जो व्यापारिक, राजनीतिक और आर्थिक गतिविधियों के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण हैं। साथ ही, इनमें घनी आबादी भी मौजूद है।

बढ़े हुए लॉकडाउन में इन क्षेत्रों पर सबसे ज्यादा फोकस किया जाना है। यहां घर-घर सर्वे, हर रोज टेस्टिंग की संख्या बढ़ाने और एक ही दिन में रिपोर्ट लाए जाने की तैयारी की जा रही है। लॉकडाउन के दो चरणों में सरकार ने देश के बड़े हिस्से में कोरोना संक्रमण को तेजी से फैलने पर रोकने में सफलता हासिल की है, लेकिन रेड जोन वाले क्षेत्रों में दिक्कतें अभी बनी हुई है और इससे खतरा भी बरकरार है। सरकार की कोशिश 17 मई तक सभी रेड जोन को ऑरेंज जोन में लाने की है। इसके लिए वह सख्ती भी बढ़ाएगी और जो छूट दी गई हैं, उनको भी बेहद नियंत्रित ढंग से लागू किया जाएगा ताकि संक्रमण कम से कम फैले। मध्य प्रदेश में अब 17 मई तक शराब की दुकानें बंद रहेंगी।

सर्वे व टेस्टिंग बढ़ेगी: सूत्रों के अनुसार आने वाले दिनों में रेड जोन और ज्यादा प्रभावित ऑरेंज जोन में अधिक आबादी वाले क्षेत्रों में घर-घर जाकर फ्लू सर्वे का काम तेज किया जाएगा। यहां पर टेस्टिंग भी बढ़ेगी और कोशिश की जाएगी कि एक दिन में ही रिपोर्ट आ जाए। गौरतलब है कि सबसे ज्यादा मामले मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, गुजरात, दिल्ली, राजस्थान, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश और तेलंगाना से सामने आ रहे हैं। इन राज्यों में दिल्ली, मुंबई अहमदाबाद, इंदौर, जयपुर, आगरा जैसे बड़े नगर हैं।

घरों तक पहुंचे लोगों पर रखी जाएगी निगरानी: प्रवासी मजदूरों और छात्रों की अपने घरों तक वापसी भी परेशानी का कारण है क्योंकि उन पर अगले दो हफ्ते तक कड़ी नजर रखनी होगी। साथ ही, उनको क्वॉरंटाइन करने से लेकर रोजगार तक की व्यवस्था भी देखनी होगी।

महाराष्ट्र में गैर जरूरी वस्तुओं की दुकानें खुलेंगी

कोरोना से सबसे ज्यादा प्रभावित महाराष्ट्र में सोमवार से शराब समेत गैर जरूरी वस्तुओं की दुकानें खोलने की अनुमति दे दी गई है। वहीं गुजरात सरकार ने फैसला किया है कि संक्रमण के अत्याधिक मामले होने के चलते छह शहरों और इतनी ही नगर पालिकाओं में किसी भी तरह की छूट नहीं दी जाएगी।

दिल्ली:आज से दफ्तर खुलेंगे

दिल्ली में सोमवार से कुछ प्रतिबंधों में दिन में छूट रहेगी। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने रविवार को एलान किया कि सोमवार से शुरू हो रहे लॉकडाउन के तीसरे चरण में सरकारी-निजी दफ्तर खुल जाएंगे। आवश्यक सेवा मुहैया कराने वाले सरकारी दफ्तरों में सौ फीसदी, दूसरे सरकारी कार्यालय में सचिव और उप-सचिव के अलावा 33% कर्मचारी आएंगे।

राजस्थान में पान, गुटखा उत्पादों की बिक्री प्रतिबंधित

राजस्थान में लॉकडाउन-3 के दौरान पान, गुटखा और तम्बाकू उत्पादों की बिक्री पर लगा प्रतिबंध जारी रहेगा। राज्य सरकार के आदेशानुसार, शराब की दुकानों को सुनिश्चित करना होगा कि एक बार में पांच से ज्यादा व्यक्ति दुकान पर ना आए दो गज दूरी रखे रहें। वहीं हवाई, रेल, अंतर्राज्यीय आवागमन पर प्रतिबंध जारी रहेगा।

सामान्य लोगों के लिए नहीं है ट्रेन-बस सुविधा

नई दिल्ली। गृह मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि बसों और ट्रेनों से आवागमन के लिए दी गई छूट केवल फंसे हुए मजदूरों, छात्रों और तीर्थयात्रियों के लिए है। सामान्य रूप से अपने गृह राज्य जाने के लिए लोग इसका फायदा नहीं उठा सकते। केंद्रीय गृह सचिव ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य सचिवों को पत्र लिखकर कहा है कि पूर्णबंदी के मद्देनजर बस और रेल के माध्यम से लोगों के एक राज्य से दूसरे राज्य में आवागमन की अनुमति केवल दूसरे राज्यों में फंसे लोगों के लिए है। दूसरे राज्य में काम करने जाने के बाद वहां अस्थायी रूप से रह रहे लोग अपने राज्य में सामान्य रूप से आने के लिए इस सुविधा का लाभ नहीं उठा सकते। गृह सचिव ने स्पष्ट किया है कि यह सुविधा केवल फंसे हुए प्रवासी श्रमिकों, छात्रों और अटके लोगों के लिए की गई है।

वर्ल्ड राउंड अप

इंदिरा आईवीएफ ने स्थापना दिवस नहीं मनाया

नई दिल्ली। इंदिरा आईवीएफ समूह के चेयरमैन अजय मुर्डिया ने अपने डिजिटल सन्देश के माध्यम से बताया है कि समूह ने दो मई को अपना नौवां स्थापना दिवस नहीं मनाया। वर्ष 2011 में इस समूह की स्थापना हुई थी। स्पेनिश फ्लू और प्लेग की बात करते हुए मुर्डिया ने कहा कि हम अपने संयम और धैर्य से कोरोना संकट से भी उबर जाएंगे। उन्होंने आज के समय में निःसंतान दम्पतियों के हालात पर भी प्रकाश डाला। उनका कहना था कि प्रत्येक आठ दम्पतियों में से एक निःसंतानता के साथ जूझ रहा है। ऐसे लोगों के लिए यह दौर भावनात्मक तौर पर परेशान करने वाला है। यह हार्मोनल असंतुलन भी ला सकता है। उन्होंने उनकी उम्मीद जगाई और खुशहाली के साथ घर में रहने की अपील की। इस अवसर पर मुर्डिया ने अपनी टीम को जिसमें दो हजार से अधिक लोग शामिल हैं, दिल से धन्यवाद दिया।

फ्रांस में 24 जुलाई तक हेल्थ इमरजेंसी रहेगी

पेरिस। फ्रांस के स्वास्थ्य मंत्री ने इस बात के संकेत दिए हैं कि कोरोना झेल रहे देश में हेल्थ इमरजेंसी दो महीने और यानि 24 जुलाई तक बढ़ाई जा सकती है। इसके लिए इमरजेंसी बिल सोमवार को नेशनल असेंबली में पेश किया जाएगा। फ्रांस में 24 मार्च से इमरजेंसी लगी हुई है।

जाधव मामला : पाक को मनाने का प्रयास किया

नई दिल्ली। नौसेना के सेवानिवृत्त अधिकारी कुलभूषण जाधव को रिहा करने के लिए भारत ने पाकिस्तान को अनौपचारिक बातचीत से मनाने का प्रयास किया पर वह नहीं माना। यह बात अधिवक्ता हरीश साल्वे ने कही है। जाधव को 2017 में जासूसी के आरोप में पाक की एक सैन्य अदालत ने मौत की सजा सुनाई थी।

झारखंड: भीड़ में घुसा टेलर, पांच की मौत

हजारीबाग। हजारीबाग में चरही के घाटो मोड़ पर रविवार सुबह एक हादसे में पांच लोगों की मौत हो गई। चूना लादकर जमशेदपुर जा रहा एक टेलर अनियंत्रित होकर अचानक सड़क के किनारे खड़े लोगों की भीड़ में घुस गया।

अमिताभ बच्चन का केबीसी जल्द लौटेगा

मुंबई। अमिताभ बच्चन का टीवी शो 'कौन बनेगा करोड़पति' जल्द लौटने वाला है। शो का नया प्रोमो जारी किया गया है। इसके लिए रजिस्ट्रेशन 9 मई से शुरू हो रहे हैं। शो के प्रसारक चैनल ने ट्विटर पर अमिताभ का एक वीडियो पोस्ट किया है।

ऋषि कपूर की अस्थियां बाणगंगा में विसर्जित

मुंबई। अभिनेता ऋषि कपूर की अस्थियां रविवार को मुंबई में बाणगंगा नदी में विसर्जित की गईं। यह जानकारी उनके बड़े भाई रणधीर कपूर ने दी। उन्होंने बताया कि ऋषि कपूर की याद में शोकसभा रखी गई। परिवार ने हरिद्वार जाने की अनुमति नहीं ली थी। शोकसभा में अभिनेता की बेटी रिद्धिमा कपूर साहनी मौजूद थीं, जो पिता के निधन के वक्त दिल्ली में थीं और लॉकडाउन की वजह से अंतिम संस्कार में शामिल नहीं हो पाई थीं।

हर्षवर्धन बोले, देश की मृत्युदर दुनिया से कम

नई दिल्ली | एजेंसी

स्वास्थ्य मंत्री डॉक्टर हर्षवर्धन ने रविवार को कहा कि दुनिया में सबसे कम मृत्यु दर भारत में है। हमारे यहां कोरोना टेस्ट के लिए सरकारी और प्राइवेट लैब भी ज्यादा संख्या में तैयार हो चुके हैं।

डॉ. हर्षवर्धन ने बताया कि हमारे यहां मृत्यु दर सबसे कम महज 3.2 फीसदी है। वहीं पिछले 14 दिनों में भारत में संक्रमण दुगुना होने की दर 10 दिन थी, वह अब 12 दिन हो गई है। स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि टेस्ट के लिए देश में 310 सरकारी और 111 निजी लैब तैयार हो चुकी हैं। पीपीई किट और एन95 मस्क अब देश में ही बनाए जा रहे हैं। पहले यह दोनों चीजें भारत आयात करता था, लेकिन आज हम दो लाख पीपीई किट तैयार कर रहे हैं। वहीं 50 लाख से ज्यादा मास्क तैयार हो रहे हैं। ऐसे में देश में इन चीजों की कमी नहीं होने वाली है।

दस लाख जांच पूरी, एक दिन में 74 हजार: भारत में कोरोना की कुल जांच का कुल आंकड़ा शनिवार को दस लाख के पार कर गया। लॉकडाउन के 40 दिनों में देश में जांच की क्षमता पांच गुना बढ़ाकर भारत ने यह मुकाम हासिल किया है। आईसीएमआर के मुताबिक, 23 मार्च को भारत में 14915 सैंपल की जांच हुई थी, जो एक मई को पांच गुना बढ़कर 74,507 प्रति दिन तक पहुंच गई। इसमें 85 फीसदी जांच सरकारी लैब में हुई है।

एक दिन में रिकॉर्ड 83 संक्रमितों की गई जान

देश में बीते 24 घंटों के दौरान रिकॉर्ड 83 मौतें दर्ज की गईं। संक्रमण के 2487 नये मामले भी सामने आए, जिससे देश में संक्रमितों की संख्या 40 हजार पार कर गई। स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से रविवार शाम को जारी आंकड़ों के मुताबिक, देश में संक्रमितों की संख्या 40,263 पहुंच गई है। मरने वालों की संख्या 1306 हो गई है। वहीं अब तक कुल 10,887 लोग स्वस्थ हो चुके हैं। स्वस्थ होने वालों का प्रतिशत 26 फीसदी से भी अधिक है।

दिल्ली में रिकॉर्ड 427 नए कोरोना संक्रमित

दिल्ली में रविवार को पहली बार एक ही दिन में 427 लोगों में कोरोना संक्रमण की पुष्टि हुई है। यह एक दिन में अब तक सबसे अधिक मामले सामने आए हैं। रविवार को 106 मरीजों को ठीक होने के बाद अस्पताल से छुट्टी भी मिल गई है। 427 नए मामले सामने आने के बाद कुल संक्रमित मरीजों की संख्या बढ़कर 4549 हो चुकी है।

बीएसएफ के 37 और जवान कोरोना पीड़ित

नई दिल्ली। दिल्ली के जामा मस्जिद इलाके में तैनात बीएसएफ की 126वीं बटालियन के 25 और जवान संक्रमित मिले। राजधानी में कुल 42 जवान संक्रमित हो चुके हैं। उधर, त्रिपुरा में बीएसएफ के 12 जवान संक्रमित पाए गए हैं। वहीं एम्स ऋषिकेश की एक महिला नर्सिंग ऑफिसर कोरोना पॉजीटिव पाई गई है।

निर्देश : श्रमिक ट्रेन में 90 फीसदी यात्री होने जरूरी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने विभिन्न राज्य सरकारों की मांग पर लॉकडाउन से फंसे हुए लोगों को मूल स्थानों पर भेजने के लिए श्रमिक विशेष ट्रेन सेवा शुरू की है। इसके लिए पहली शर्त है कि ट्रेन की कुल यात्री क्षमता के 90% यात्रियों का होना जरूरी है। इनमें राज्य सरकार द्वारा पंजीकृत किए प्रवासी मजदूर, छात्र और श्रद्धालु आदि ही यात्रा कर सकेंगे। रेल मंत्रालय की ओर से श्रमिक विशेष ट्रेन संबंधी दिशा-निर्देश भी जारी किए गए हैं। इनमें कहा गया है कि यदि सुरक्षा और स्वास्थ्य प्रोटाकॉल का उल्लंघन होता है तो रेलवे को ट्रेन रद्द करने का अधिकार है। 1,200 यात्रियों को लेकर जाएगी एक बार में प्रत्येक श्रमिक विशेष ट्रेन।

मानेसर में पंजीकरण कराने आए श्रमिकों को खदेड़ा, मची भगदड़

गुरुग्राम | कार्यालय संवाददाता

घर वापसी को लेकर रविवार को बड़ी संख्या में प्रवासी श्रमिक आईएमटी मानेसर के खोह गांव में जमा हो गए। भीड़ इतनी अधिक हो गई कि पुलिस को लाठी फटकारनी पड़ी। पुलिस के खदेड़ने से खोह गांव के मिडिल स्कूल में प्रवासी श्रमिकों में भगदड़ मच गई।

प्रवासी श्रमिक सरकार के पोर्टल पर ऑनलाइन पंजीकरण कराने पहुंचे थे। बिहार के बंटी ने बताया कि रविवार को दोपहर डेढ़ बजे खोह गांव के मिडिल स्कूल में घर भेजने के लिए पंजीकरण किया जा रहा था। इसकी सूचना पर खोह गांव में रहे रह बिहार, बंगाल, उत्तर प्रदेश के आठ सौ से अधिक श्रमिक पहुंच गए। वह भी पंजीकरण कराने के लिए पहुंचा था। उसको तो अंदर जाने नहीं दिया और कहा कि अब किसी को घर जाने की जरूरत नहीं है। वह जहां काम करते थे वहां पर जाकर काम शुरू कर दें। लेकिन वहां भी खड़े श्रमिक घर जाने के लिए पंजीकरण करने की जिद करते रहे। इतने में पहुंची पुलिस ने खड़ी भीड़ पर लाठी मारनी शुरू कर दी।

श्रमिकों की भगदड़ की कोई सूचना : डीएलसी

मानेसर औद्योगिक क्षेत्र के जिला उप श्रमायुक्त (डीएलसी) दिनेश कुमार ने कहा कि खोह गांव में रहने वाले प्रवासी श्रमिकों को घर भेजने के लिए पंजीकरण के बारे में ना तो उन्हें जानकारी है और ना ही श्रमिकों की भगदड़ की कोई सूचना है। प्रवासी श्रमिकों ने आरोप लगाया कि मकान मालिक भी किराया मांगते हैं। उनके पास खाने के लिए पैसे नहीं है तो किराया कहां से दें। ऐसे में उनको अपने घर जाने दिया जाए, क्योंकि उनकी मदद करने के लिए अभी कोई नहीं पहुंचा।

शहीद होने से पहले जवानों ने कश्मीरी परिवार को बचाया

शहादत को सलाम

श्रीनगर | एजेंसी

कश्मीर के कुपवाड़ा जिले के हंदवाड़ा में आतंकियों के साथ मुठभेड़ के दौरान कर्नल आशुतोष शर्मा के नेतृत्व में उनकी टीम ने अद्भुत साहस का परिचय दिया। शहीद होने से पहले जवानों ने आतंकियों के चंगुल से कश्मीरी परिवार को आजाद करा लिया था।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, शनिवार दोपहर जब 21 राष्ट्रीय राइफल यूनिट के कर्नल आशुतोष शर्मा के नेतृत्व में उनकी टीम सर्च कर रही टीमों को कॉर्डिनेट कर रही थी। तो उन्हें एक घर में कुछ गड़बड़ होने की जानकारी मिली। वह उस तरफ गए जहां एक घर में आंतकियों ने उस घर में रहने वालों को बंधन बनाया था। कर्नल शर्मा के नेतृत्व में गई टीम ने परिवार के सदस्यों को सही सलामत बाहर निकाल लिया और जब ये लोग घर से बाहर निकल रहे थे तो छुपे हुए आतंकियों ने इन पर ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दी। हमले में कर्नल समेत पांचों जवान शहीद हो गए। शुक्रवार को खबर मिली कि चार आतंकी यहां मौजूद हो सकते हैं। सूचना पर आर्मी की राष्ट्रीय राइफल ने पुलिस के साथ मिलकर जॉइंट ऑपरेशन लॉन्च किया व आतंकियों को ढूंढने में लगी थी।

जब दो बार आतंकी ने बोला, सलाम वालेकुमः शनिवार शाम को एक टीम ने कर्नल शर्मा की टीम से संपर्क करना चाहा तो संपर्क नहीं हो पाया। रेडियो सेट भी गोलाबारी में डैमेज हो गया था। अंधेरा हो गया था और तेज बारिश हो रही थी। जब किसी तरह संपर्क नहीं हुआ तो बाहर मौजूद टीम ने कर्नल आशुतोष के मोबाइल पर फोन किया। जिसे एक आतंकी ने उठाया और फोन उठाकर बोला- सलाम वालेकुम। कुछ देर बाद फिर फोन मिलाया तब भी आतंकी ने ही फोन उठाकर सलाम वालेकुम बोला।

राजनाथ बोले, देश बहादुरी याद रखेगा

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि हंदवाड़ा में जवानों की शहादत बेहद दुखी करने वाली है। आतंकियों के साथ लड़ाई में उन्होंने अदम्य साहस दिखाया और देश के लिए जान न्योछावर कर दी। देश उनके बलिदान और बहादुरी को याद रखेगा। सिंह ने शहीद जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की।

शहीद कर्नल आशुतोष शर्मा। ● फाइल फोटो

हंदवाड़ा में रविवार को आतंकवादियों के साथ मुठभेड़ में शहीद हुए वीर जवानों को भारतीय सेना ने श्रद्धांजलि दी।

पांच साल बाद मुठभेड़ में कमांडिंग अफसर शहीद

2015 की शुरुआत में 27 जनवरी को 42 राष्ट्रीय राइफल्स के कमांडिंग अफसर कर्नल एमएन राय कश्मीर के त्राल में एक एनकाउंटर के दौरान शहीद हुए थे। कर्नल राय गोरखा रेजिमेंट से थे और उत्तर प्रदेश के गाजीपुर के रहने वाले थे। उन्हें मरणोपरांत शौर्य चक्र से सम्मानित किया गया था। उनकी 11 साल की बेटी ने उन्हें सलामी देते हुए गोरखा रेजिमेंट का वॉर क्राय बोला था। लोग आंसू नहीं रोक पाए थे।

मुद्रक तथा प्रकाशक राजीव बेओतरा द्वारा हिन्दुस्तान मीडिया वेन्चर्स लिमिटेड (एच एम वी एल) के पक्ष में इन्फोमिडिया पब्लिशर्स प्राईवेट लिमिटेड, नेशनल हाईवे-28, सादतपुर, नियर सुधा डेरी, मुजफ्फरपुर-843108(बिहार) से मुद्रित एवं हिन्दुस्तान मीडिया वेन्चर्स लिमिटेड, नेशनल हाईवे-28, सादतपुर, नियर सुधा डेरी, मुजफ्फरपुर-843108(बिहार) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : शशि शेखर स्थानीय सम्पादक : विवेक कुमार* फोन : 0621-3354650 आर.एन.आई. नं.-BIHHIN/2011/47673
*सम्पादक इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी।

बिहार सरकार

आपकी सुरक्षा हमारा मकसद

कोरोना संक्रमण से बचाव एवं लॉकडाउन में राहत पहुंचाने को लेकर बिहार सरकार के महत्वपूर्ण कदम :

सभी राशन कार्डधारियों एवं चिन्हित गैर राशन कार्डधारियों को 1000/– रूपये की सहायता । राशन कार्ड विहीन सभी सुयोग्य परिवारों को राशन कार्ड भी शीघ्र उपलब्ध कराने का निर्णय

- सभी राशन कार्डधारियों को एक हजार रुपए की सहायता राशि दी जा रही है।
- डीबीटी के माध्यम से सीधे उनके खाते में राशि अंतरित की जा रही है।
- अभी तक 1 करोड़ 10 लाख राशन कार्डधारियों के खाते में राशि अंतरित की जा चुकी है। शेष राशन कार्डधारियों के खाते में राशि शीघ्र ही अंतरित कर दी जाएगी।
- अस्वीकृत, लंबित एवं त्रुटिपूर्ण राशन कार्डों के जॉचोपरांत सही पाये गये आवेदकों को भी एक हजार रूपये की सहायता राशि देने का निर्णय। सहायता राशि उपलब्ध कराने के उपरांत सुयोग्य लाभुकों को राशन कार्ड निर्गत करने की भी कार्रवाई होगी।
- ग्रामीण क्षेत्रो में राशन कार्ड विहीन परिवारों को जीविका द्वारा सर्वेक्षित एवं चिन्हित सूची के अनुसार 1,000/– रूपये की सहायता राशि उपलब्ध कराने का निर्णय। सहायता राशि उपलब्ध कराने के उपरांत सुयोग्य लाभुकों को राशन कार्ड शीघ्र निर्गत करने की भी कार्रवाई होगी।
- शहरी क्षेत्रों में भी नेशनल अर्बन लाईवलीहुड मिशन (NULM) के माध्यम से सर्वेक्षित एवं चिन्हित राशन कार्ड विहीन परिवारों को 1,000 रूपये की मदद देने का निर्णय । राशि उपलब्ध कराने के उपरांत सुयोग्य लाभुकों को राशन कार्ड शीघ्र निर्गत करने की भी कार्रवाई होगी।

सभी प्रकार के सामाजिक सुरक्षा पेंशनधारियों को तीन माह की अग्रिम पेंशन का भुगतान

- बिहार के सभी 84 लाख 76 हजार पेंशनधारियों (मुख्यमंत्री वृद्धजन पेंशन, दिव्यांग पेंशन, विधवा पेंशन, वृद्धावस्था पेंशन) को तीन माह की पेंशन के अग्रिम भुगतान के रूप में के खाते में 1017 करोड़ (एक हजार सतरह करोड़) रूपये की राशि अंतरित।

छात्र/छात्राओं के लिये विशेष पहल

- कक्षा 01 से लेकर 12वीं तक के सभी छात्र–छात्राओं को शिक्षा विभाग द्वारा देय छात्रवृत्ति एवं अन्य योजनाओं का एकमुश्त लाभ ।
- कुल 1 करोड़ 8 लाख छात्र–छात्राओं के खाते में 3102 करोड़ (तीन हजार एक सौ दो करोड़) रूपये की राशि अंतरित ।
- लॉकडाउन के कारण विद्यालयों को बंद किये जाने के फलस्वरूप छात्रहित में वर्ग 01 से 11 तक (वर्ग 10 को छोड़कर) के सभी छात्र–छात्राओं को बिना वार्षिक परीक्षा के अगली कक्षा में प्रोन्नत करने का निर्णय।

किसानों को राहत :

- इस साल फरवरी/मार्च में हुई असमय बारिश और ओलावृष्टि से हुई फसल क्षति पर किसानों को कृषि इनपुट अनुदान वितरित करने के लिए 578 करोड़ 42 लाख रूपये जारी। भुगतान की प्रक्रिया जारी। अप्रैल माह में भी असमय बारिश और ओलावृष्टि से हुई फसल क्षति के लिए सर्वे का कार्य जारी।
- किसानों को गेहूँ का वाजिब मूल्य दिलाने हेतु पैक्सों के माध्यम से गेहूँ की अधिप्राप्ति जारी। निर्धारित अवधि में होगा राशि का भुगतान।

लॉकडाउन की वजह से बिहार के बाहर फंसे बिहार के मजदूरों एवं जरूरतमंद व्यक्तियों के लिये मुख्यमंत्री विशेष सहायता

- मुख्यमंत्री राहत कोष से आपदा प्रबंधन विभाग के माध्यम से मुख्यमंत्री विशेष सहायता के रूप में राज्य के बाहर फंसे बिहार के मजदूरों एवं जरुरतमंद व्यक्तियों के लिए 1000 रूपये प्रति व्यक्ति की सहायता राशि देने का निर्णय।
- अब तक जितने आवेदन प्राप्त हुए उनमें वैध पाये गये 18 लाख 78 हजार आवेदकों के खाते में 1000 रूपये की सहायता राशि अंतरित। शेष आवेदकों को सहायता राशि जांचोपरात शीघ्र ही अंतरित कर दी जायेगी। इसके लिये मुख्यमंत्री राहत कोष से 250 करोड़ रूपये आपदा प्रबंधन विभाग को निर्गत।

बिहार फाउंडेशन के माध्यम से 9 राज्यों के 12 शहरों में 55 राहत केंद्र संचालित किए गये ।

- राहत केन्द्रों में भोजन के साथ–साथ राशन सामग्री देने की व्यवस्था।
- 28 मार्च से लेकर अब तक 15,06,000 लोगों को राहत केंद्रों पर भोजन/फूड पैकेट्स दिये जा चुके है।
- बिहार फाउंडेशन द्वारा अब तक प्रवासी बिहारियों के लिए भोजन, आवासन एवं चिकित्सकीय सुविधा की व्यवस्था के साथ महाराष्ट्र में 6 शेल्टर होम एवं तमिलनाडु में 1 शेल्टर होम संचालित किए गये।

आपदा राहत केन्द्र :

- बिहार में विभिन्न शहरों में फंसे दिहाड़ी मजदूरों, रिक्शा चालकों, ठेला वेंडरों एवं अन्य जरूरतमंद व्यक्तियों के लिए 202 आपदा राहत केंद्र संचालित हैं जिसमें अभी 65,185 लोग लाभान्वित हो रहे हैं। इनमें गुणवत्ता पूर्ण भोजन आवासन तथा चिकित्सीय जाँच की सुविधा उपलब्ध ।
- सीमावर्ती जिलों में सीमा आपदा राहत केन्द्रों की समुचित व्यवस्था ।

पल्स पोलियो अभियान की तर्ज पर डोर टू डोर स्क्रीनिंग

- पल्स पोलियो अभियान की तर्ज पर प्रभावित जिलों में डोर टू डोर स्क्रीनिंग का कार्य जारी, अब तक 1 करोड़ 5 लाख 80 हजार घरों का स्क्रीनिंग कार्य पूर्ण। कुल 5 करोड़ 76 लाख से अधिक लोगों की स्क्रीनिंग । डोर टू डोर स्क्रीनिंग का दायरा बढ़ाया गया। अब सभी जिलों में डोर टू डोर स्क्रीनिंग कार्य जारी ।

कोरोना उन्मूलन कोष का गठन

- मुख्यमंत्री क्षेत्र विकास योजनान्तर्गत प्रदत्त राशि से स्वास्थ्य विभाग के अन्तर्गत कोरोना उन्मूलन कोष का गठन । अब तक इस कोष में 159 करोड़ की राशि उपलब्ध।
- माननीय मुख्यमंत्री, माननीय मंत्रियों एवं बिहार विधानमंडल के माननीय सदस्यों के वेतन का 15 प्रतिशत अगले एक वर्ष तक कटौती कर कोरोना उन्मूलन कोष में देने का निर्णय।
- इस कोष की राशि से दवा, जरूरी इक्यूपमेंट्स, टेस्ट किट आदि क्रय करने के लिए प्रधान सचिव/ सचिव स्वास्थ्य विभाग प्राधिकृत ।

ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार सृजन की व्यवस्था

- रोजगार सृजन का उद्देश्य ज्यादा से ज्यादा लोगों को रोजगार उपलब्ध कराना ताकि मजदूरों को काम मिलने में कठिनाई न हो। सात निश्चय अन्तर्गत हर घर नल का जल, हर घर तक पक्की गली–नालियां, हर घर शौचालय, जल–जीवन–हरियाली अन्तर्गत तालाबों का निर्माण एवं जीर्णोद्धार तथा मनरेगा के अन्तर्गत एक एकड़ से कम क्षेत्रफल में तालाबों का निर्माण एवं जीर्णोद्धार कार्य, बाढ़ सुरक्षात्मक कार्य में अधिक से अधिक स्थानीय मजदूरों को रोजगार देने का निर्णय।
- काम के दौरान सोशल डिस्टेंसिंग का पालन आवश्यक, मजदूरों को कार्यस्थल पर फ्री मास्क, साबुन एवं सेनेटाइजर उपलब्ध कराने का निर्णय। लॉकडाउन अवधि में गाइडलाइन के अनुसार अनुमान्य कार्यो में अब 3,40,194 योजनाओं में 1,03,86,044 मानव दिवस का सृजन कर इच्छुक लोगों को रोजगार उपलब्ध कराया गया।
- प्रवासी मजदूरों का उनकी योग्यता के अनुसार स्किल सर्वे का निर्णय, ताकि उनकी क्षमता का बेहतर उपयोग किया जा सके।

बिजली दर में कमी :

- राज्य सरकार के निर्णय के आलोक में विद्युत उपभोक्ताओं को लाभ पहुँचाने के लिए 01 अप्रैल 2020 से बिजली दर में कमी। सभी श्रेणियों के उर्जा शुल्क में 10 पैसे प्रति यूनिट की कमी, सभी श्रेणियों के उपभोक्ताओं के मीटर का मासिक शुल्क समाप्त। कृषि उपभोक्ताओं के लिए बिजली दर अब मात्र 65 पैसे प्रति यूनिट।

व्यवसायियों को राहत :

- व्यवसायियों के हित में वाणिज्यकर विभाग द्वारा बिहार कराधान विवाद समाधान योजना का तीन माह हेतु अवधि विस्तार करने का निर्णय।

चिकित्सकों एवं स्वास्थ्यकर्मियों को प्रोत्साहन :

- चिकित्सकों एवं स्वास्थ्य कर्मियों को एक माह का अतिरिक्त मूल वेतन प्रोत्साहन राशि के तौर पर दिये जाने का निर्णय।

प्रखंड स्तरीय क्वारंटाइन सेन्टर :

- लॉक डाउन के कारण बिहार के बाहर फंसे लोग जो विशेष ट्रेन से लौट रहें हैं उनकी स्क्रीनिंग करते हुए उन्हे बसों से जिला मुख्यालय लाया जा रहा है। तत्पश्चात उन्हें प्रखंड स्तरीय क्वारंटाइन सेन्टर में आवासित किया जा रहा है, जहां उन्हें निर्धारित अवधि तक क्वारंटाइन में रहना है। क्वारंटाइन केंद्रों में सोशल डिस्टेसिंग का पालन करते हुए गुणवत्तापूर्ण भोजन, आवासन तथा पर्याप्त संख्या में शौचालय, स्नानागार एवं साथ ही चिकित्सकीय जांच की सुविधा उपलब्ध । साफ–सफाई पर विशेष ध्यान ।

पंचायत स्तर पर (स्कूल) में क्वारंटाइन सेन्टर :

- स्कूल (पंचायत) स्तर पर क्वारंटाइन केंद्रों में गुणवत्तापूर्ण भोजन, आवासन एवं चिकित्सकीय जांच की सुविधा उपलब्ध । क्वारंटाइन अवधि पूर्ण होने के उपरांत कई लोग क्वारंइटाइन केन्द्र से वापस जा चुके हैं , वर्तमान में 1425 क्वारंइटाइन केन्द्रों में 13700 लोग आवासित ।

दवा एवं उपकरणों की उपलब्धता :

- दवाओं, मास्क, टेस्ट किट और अन्य जरूरी इक्विपमेंट्स की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है।

बिहार सरकार ने NMCH के अलावा 2 और अस्पतालों को Covid-19 स्पेशल अस्पताल घोषित किया।

- पटना के नालंदा मेडिकल कॉलेज और अस्पताल (NMCH), गया के अनुग्रह नारायण मगध मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल (ANMCH) और भागलपुर के जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल (JLNMCH) Covid-19 स्पेशल अस्पताल घोषित।
- राज्य के विभिन्न जिलों में 305 क्वारंटाइन सेंटर चिन्हित, इसमें 7,688 कमरों की व्यवस्था ।
- पीएमसीएच, एम्स पटना, आईजीआईएमएस पटना, एनएमसीएच पटना, आरएमआरआई पटना, दरभगा मेडिकल कॉलेज, दरभंगा, जेएलएनएमसीएच भागलपुर में Covid-19 से संबंधित जाँच की सुविधा ।

अन्य बीमारियों के इलाज हेतु जिला अस्पतालों एवं अनुमंडल अस्पतालों में समुचित व्यवस्था।

लोगों की सहायता एवं सहयोग हेतु बिहार सरकार द्वारा हेल्पलाईन नम्बर की सुविधा

- बिहार के लोग जो बिहार के बाहर अन्य राज्यों में काम करते हैं और वे लॉकडाउन के कारण वहां फंसे हुए है वे बिहार वापसी के संबंध में अथवा अन्य किसी शिकायत/सुझाव के लिए नीचे दिए गये हेल्पलाईन नम्बरों पर कॉल कर सकते है :–
  आपदा प्रबंधन विभाग का कंट्रोल रूम नं. 0612–2294204, 2294205
  स्थानिक आयुक्त का कार्यालय बिहार भवन नई दिल्ली के हेल्पलाइन नम्बर–011–23792009, 011–23014326, 011–23013884
- अन्य राज्यों में लॉकडाउन की वजह से फंसे छात्रों को विशेष रूप से सहायता पहुँचाने के लिये आपदा प्रबंधन विभाग का डेडिकेटेड हेल्पलाइन नम्बर 0612–2294600
- आपदा प्रबंधन विभाग का सभी जिलो में जिला स्तरीय नियत्रंण कक्ष स्थापित एवं कार्यरत ।
- बिहार राज्य में फंसे हुए लौटने के इच्छुक अन्य राज्यों के लोगों के पंजीकरण हेतु लिंक... https://covid19.bihar.gov.in

सभी लोगों से अपील है कि कृपया लॉकडाउन के संबंध में राज्य सरकार द्वारा जारी की गयी सलाह का अनुपालन करें। आपके सहयोग से ही इस महामारी से निपटने में सफलता मिलेगी।

जन सहयोग से ही होगी कोरोना की हार

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, बिहार

सचेत रहें, सतर्क रहें तभी स्वस्थ्य रहेगें।

PR-000546 (I & PRD)D. 2020-21